मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.9	22.7
जमशेदपुर	33.2	24.2
डालटनगंज	33.4	21.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 21 अक्टूबर 2024 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 191 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	73,100
चांदी (किलो)	99,000

ब्रीफ खबरें

हार के बाद भारतीय टीम में बड़ा बदलाव

मुंबई। बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के हाथों पहला टेस्ट हारने के बाद गुरुवार से पुणे में शुरू होनेवाले दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में बड़ा बदलाव किया गया है. **भारतीय टीम:** रोहित शर्मा (कप्तान), बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी, शुभमन गिल, विराट, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, सिराज, आकाश दीप, वॉशिंगटन सुंदर.

पटना में दिनदहाड़े कारोबारी की हत्या

पटना। बाइक सवार अपराधियों ने रविवार को दिनदहाड़े एक होटल कारोबारी को 5 गोलियां मार दीं. इसके बाद वे मौके से फरार हो गए. इस हादसे में होटल कारोबारी की मौके पर ही मौत हो गई. घटना पटना के व्यस्ततम इलाके की है. शकील मलिक नामक कारोबारी पटना जंक्शन के पास भोजनालय होटल का मालिक था. वह बाइक से कहीं जा रहा था. इसी दौरान अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने उसे ताबड़तोड़ 5 गोलियां मार दी और मौके से फरार हो गए.

सड़क हादसे में आठ बच्चों समेत 12 मरे

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले के करौली-धौलपुर हाइवे एनएच 11बी पर स्लीपर कोच बस और टेंपो में जोरदार टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई. इनमें पांच बच्चे और तीन बच्चियां शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, टेंपो सवार सभी लोग एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे. इसी दौरान स्लीपर कोच बस ने टेंपो को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गये.

मुंबई में तूफान, कई इलाकों में भारी बारिश

मुंबई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को जानकारी दी कि बंगाल की खाड़ी में 23 अक्टूबर तक चक्रवाती तूफान आने की आशंका है. आईएमडी ने कहा कि अगले 24 घंटों में अंडमान सागर के ऊपर बने एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के क्षेत्र के सोमवार तक कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने की आशंका है. इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने और 22 की सुबह तक लो प्रेशर होने की संभावना है.

ईपीएफओ से जुड़े 18 लाख से ज्यादा मेंबर

नयी दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अगस्त में 18.53 लाख मेंबर अपने साथ जोड़े हैं. सालाना आधार पर इसमें 9.07 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है. साथ ही 9.3 लाख नए मेंबर भी ईपीएफओ के साथ जुड़े हैं. इस आंकड़े में भी अगस्त, 2023 के मुकाबले 0.48 फीसदी का उछाल आया है. ईपीएफओ को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है बल्कि देश में रोजगार भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं.

जोर आजमाइश : इंडिया गठबंधन में सीटों को लेकर किच-किच

राजद के अल्टीमेटम से झामुमो-कांग्रेस सकते में

कहा: सम्मानजनक सीटें नहीं मिलीं तो आज कर देंगे प्रत्याशियों का ऐलान

कांग्रेस: झामुमो पर लगाया पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं का अपमान करने का आरोप

भाकपा माले तो इंडिया के साथ, पर भाकपा है दूर, 15 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान

कौशल आनंद। रांची

इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा. सीट शेयरिंग को लेकर किच-किच है. रविवार को इंडिया गठबंधन की राजनीति पूरी तरह गरमायी रही. राजद दिन भर बिदका रहा है. मान-मनौव्वल का दौर भी चला. राजद ने झामुमो-कांग्रेस को सोमवार सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दे दिया है. साफ कर दिया है कि सीटों को लेकर उनकी डिमांड पूरी न हुई, तो वह अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देगा. राजद ने कम से कम 15 सीटों पर प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर दिया है. इन सबके बीच झामुमो ने अपने सारे प्रत्याशी लगभग तय कर लिए हैं. सीएम खुद सोमवार को अपने दो प्रत्याशियों मिथिलेश ठाकुर और अनंत प्रताप देव का नामांकन कराने के लिए मौजूद रहेंगे.

उधर सीट शेयरिंग की किच-किच से दूर सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कर रही हैं. लगातार चिह्नित विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में चुनावी सभाएं कर महिलाओं को न सिर्फ सरकार की उपलब्धियों से अवगत करा रही हैं, बल्कि मंईयां योजना को भी कैश करा रही हैं. उधर सीट शेयरिंग की घोषणा से इंडिया गठबंधन में शामिल राजद आहत है. राजद का कहना है कि सीट शेयरिंग की एकतरफा घोषणा कर दी गयी है. राजद का कहना है कि सीएम ने घोषणा की है कि झामुमो-कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, सहयोगी दलों राजद-माले के लिए 11 सीटें रहेंगी. ये घोषणा ठीक नहीं है.

राजद की दो टूक- झुकने और समझौता करने का सवाल ही नहीं

राजद नेता तेजस्वी यादव, सांसद मनोज झा सहित अन्य राष्ट्रीय नेता रविवार को भी रांची में जमे रहे. होटल रेडिसन ब्लू से लेकर प्रदेश राजद कार्यालय तक दिन भर गहमागहमी रही. अचानक पौने तीन बजे राजद के दिग्गज नेता प्रदेश कार्यालय पहुंचे. पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद मनोज झा ने गठबंधन के सहयोगी दलों के नेताओं पर अपने राष्ट्रीय नेताओं के अपमान करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि यह बात ठीक है कि हम पूरे झारखंड में मजबूत नहीं हैं, मगर इतने भी कमजोर नहीं हैं कि चार सीटों पर ही लड़ें. गठबंधन की ओर से पार्टी को चार सीटें देने की बात कही जा रही हैं. पिछली बार हमलोग सात सीटों पर लड़े थे, जिनमें से एक पर विजयी रहे और चार सीटों पर बहुत करीबी अंतर से हारे. यानी चार सीटों पर हम रनर रहे. इस तरह पांच सीट पर तो हमारा नैतिक हक बनता है. मगर अब हम लोग कई सीटों पर काफी मजबूत हैं. इसलिए अधिक झुकने और समझौता करने का सवाल ही पैदा नहीं होता है. हम झामुमो और कांग्रेस को सोमवार सुबह 11 बजे तक का समय दे रहे हैं और अगर सम्मान जनक सीटें नहीं मिलीं, तो सोमवार को ही अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर देंगे. गठबंधन में भाकपा-माले भी शामिल है, लेकिन अन्य वाम दल भाकपा-माकपा को शायद इंडिया गठबंधन से दूर ही रखा गया है. यही वजह है कि रविवार को भाकपा ने 15 सीटों से प्रत्याशी उतारने की घोषणा कर दी.

बड़ा दिल दिखाना होगा : मनोज झा

सांसद मनोज झा ने कहा कि हम किसी सहयोगी को कोई नुकसान पहुंचाना नहीं चाहते हैं. मगर यह भी सच है कि पूरे देश में राजद ही एक ऐसी पार्टी है, जो भाजपा की कट्टर विरोधी रही है. झारखंड गठन में हमारी भी अहम भूमिका रही. हेमंत सोरेन सरकार बनवाने में भी अहम भूमिका रही. इंडिया गठबंधन बनाने का श्रेय भी राजद को ही जाता है. अगर हम गठबंधन से बाहर भी हो गए, तो जहां पर भी हमारे गठबंधन साथी मजबूत होंगे और भाजपा को हराने में सक्षम होंगे, हम सहयोग करेंगे. अगर हेमंत को फिर से सीएम बनना है, तो उन्हें बड़ा दिल दिखाना होगा. मौके पर सत्यानंद भोक्ता, जयप्रकाश नारायण यादव सहित कई नेता उपस्थित थे.

राजद के गुस्से पर क्या कहते हैं झामुमो-कांग्रेस नेता

आपसी विवाद है, हल हो जाएगा : सुप्रियो सुप्रियो

झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह हमारा आपसी विवाद है, जिसका हल निकल जाएगा. जहां तक अल्टीमेटम और तल्ख टिप्पणियों का सवाल है, तो बात से ही बात बिगड़ती है और बात से ही बात बनती है. हम सभी गठबंधन के सहयोगी सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और वह भी पूरी मजबूती के साथ.

कहीं कोई विवाद नहीं, सभी मिलकर लड़ेंगे

कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने कहा कि कहीं विवाद नहीं है. सभी दलों पर कार्यकर्ताओं का दबाव रहता है. यह कोई बड़ा मसला नहीं है. हम सभी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और भाजपा गठबंधन को पराजित करने का काम करेंगे.

मनिका पर फंसा पेंच

राजद को सात सीटें मिल रहीं. लेकिन पेंच केवल मनिका सीट पर फंसा है. भोक्ता जाति अब एससी से एसटी की सूची में आ गई है. इसलिए भोक्ता के लिए अब एसटी सीट की तलाश है, जो मनिका ही है. मगर मनिका कांग्रेस की सिटिंग सीट है. कांग्रेस यह सीट छोड़ना नहीं चाहती है. चतरा सीट से सत्यानंद भोक्ता की बहु जो अनुसूचित जाति से आती हैं, उन्हें पार्टी वहां से उतारने जा रही है. मगर सत्यानंद भोक्ता भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, इसे लेकर राजद ओर कांग्रेस में पेंच फंसा हुआ है.

राजद के चार के नाम तय

राजद ने अपने चार प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं और उन्हें पार्टी का सिंबल भी दे दिया गया. केवल आधिकारिक घोषणा बाकी है. प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव हुसैनाबाद से, सुरेश पासवान देवघर से, चतरा से रश्मि प्रकाश, गोड्डा से संजय प्रसाद यादव चुनावी समर में उतर सकते हैं. सूचना है कि संजय सिंह यादव 24, सुरेश पासवान 24, रश्मि प्रकाश 23 अक्टूबर को अपना नामांकव पत्र दाखिल कर सकते हैं.

कांग्रेस में नाम तय

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक दिल्ली में हुई. इसमें प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगायी गयी. ऐसी संभावना है कि कांग्रेस जल्दी ही पहली सूची जारी कर सकती है. गठबंधन का फर्मूला तय करने के बाद सभी राष्ट्रीय नेता और प्रदेश के नेता दिल्ली चले गए. समिति की बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता डॉ. रामेश्वर उरांव नेता मौजूद रहे.

जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते हैं: मोदी

पीएम ने काशी समेत देश को दिया हजारों करोड़ का दिवाली गिफ्ट

पीएम मोदी काशी में योजनाओं का उद्घाटन करते हुए.

एजेंसियां। वाराणसी

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे. इस दौरान काशी को करीब 3300 करोड़ की सौगात दी. इसी के साथ देश के अन्य हिस्सों को भी 3400 करोड़ का दिवाली गिफ्ट दिया. इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा. अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कहा कि हम जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते हैं. पीएम मोदी सबसे पहले हरिहरपुर स्थित आरजे शंकरा नेत्र हॉस्पिटल का उद्घाटन करने पहुंचे. वहां से सिगरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम से सौगातों की बारिश की.

रिमोट से शुभारंभ के बाद भोजपुरी से अपने संबोधन की शुरुआत की. कहा कि आज फिर काशी आवेका मौका मिलल हव. सौगातों को लेकर कहा कि आप सब के बहुत बधाई. मोदी ने कहा कि काशी के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ है. आज काशी को मिली सौगातों से नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे. पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार किसी से भेदभाव नहीं करती. उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी पार्टियां देश के विकास में भी परिवारवाद कर रही थीं. भाजपा जो कहती है, वह डंके की चोट पर करती है.अयोध्या में राम मंदिर का सपना भाजपा ने ही पूरा किया. महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में आरक्षण की बात कही गई थी, जिसे हमने ही पूरा किया. भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया. तीन तलाक के नाम पर वे न जानें कितने वर्षों से प्रताड़ित थीं. अंधकारमय जिंदगी जी रही थीं. सरकार ने महिलाओं को सिर ऊंचा कर चलने की हिम्मत दी है. -पेज 12 भी देखें

युवा राजनीति में आएं

मोदी ने कहा कि भविष्य में एक लाख युवाओं को राजनीति का हिस्सा बनाया जाएगा. युवाओं से आह्वान किया कि इसके लिए वे आगे आएं और देश की तरक्की का हिस्सा बनें. आप खुले मन से नई राजनीति की धुरी बनें. काशी के युवाओं को आगे लाने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करें. कहा कि आज देश में विकास कार्यों की बहार आ गई है. देश के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं. बाबतपुर एयरपोर्ट पर आधुनिक सुविधा बढ़ते ही यहां के लोगों को रोजगार मिलने लगे. आज बनारस आनेवाले लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है. यहां पर्यटकों और व्यापारियों के आने की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है. काशी विकास और विरासत का रोल मॉडल बनेगी.

आजसू पार्टी ने आठ उम्मीदवारों की सूची जारी की, दो होल्ड पर

सिल्ली से चुनाव लड़ेंगे आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, पाकुड़ से अजहर इस्लाम

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए आजसू ने भी कमर कस ली है.

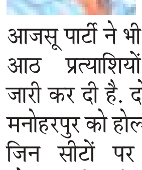

भाजपा द्वारा प्रत्याशियों की लिस्ट जारी करने के बाद घटक दल भी अब रेस हैं. इसी कड़ी में आजसू पार्टी ने भी रविवार को अपने आठ प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है. दो सीटों डुमरी और मनोहरपुर को होल्ड पर रखा गया है. जिन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, उनमें सिल्ली, रामगढ़, लोहरदगा, गोमिया, जुगसलाई, मांडू, ईचागढ़ और पाकुड़ शामिल हैं. सिल्ली से आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो चुनाव लड़ेंगे.

कौन कहां से लड़ेगा चुनाव

सिल्ली : सुदेश कुमार महतो
रामगढ़ : सुनीता चौधरी
लोहरदगा : नीरू शांति भगत
गोमिया : लंबोदर महतो
जुगसलाई : रामचंद्र सहिस
मांडू : निर्मल महतो
ईचागढ़ : हरेलाल महतो
पाकुड़ : अजहर इस्लाम

बताते चलें कि एनडीए के घटक दल आजसू को 10 सीटें मिली हैं. सूत्रों ने बताया कि सूची में डुमरी और मनोहरपुर के उम्मीदवार के नामों की घोषणा नहीं की गयी है, लेकिन जल्दी ही वहां पर भी प्रत्याशी की घोषणा कर दी जाएगी.

महाराष्ट्र में भाजपा की 99 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर बीजेपी ने रविवार को 99 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है. पार्टी ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी सीट से चुनावी मैदान में उतारा है. बीजेपी ने जिन 99 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं उनमें पूर्व सीएम अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया अशोक चव्हाण को भोकर से टिकट दिया गया है. अशोक चव्हाण भी इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.मंत्री गिरीश महाजन, सुधीर मुनगंटीवार, अतुल सावे जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं.

दिल्ली में सीआरपीएफ स्कूल के पास धमाका

एनआईए करेगी जांच

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दिल्ली में रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर रविवार सुबह एक जोरदार धमाका हुआ, लेकिन इसके कारण कोई हताहत नहीं हुआ है. पुलिस ने बताया कि इस धमाके में स्कूल की दीवार, पास की दुकानों और एक कार को नुकसान पहुंचा है. दिवाली से पहले राजधानी में हुए इस धमाके ने दिल्ली पुलिस के साथ ही तमाम सुरक्षा एजेंसियों की टेंशन जरूर बढ़ा दी है.

इस धमाके की जानकारी मिलते ही नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) की टीम भी मौके पर पहुंच गई. दिल्ली पुलिस और एफएसएल टीम के साथ ही एनएसजी कमांडो भी प्रशांत विहार में सीआरपीएफ स्कूल के पास विस्फोट स्थल पर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं.

गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट, दिल्ली में हाई अलर्ट, एनआईए करेगी जांच

दिल्ली में दिवाली से पहले हुए ब्लास्ट के बाद जांच एजेंसियां अलर्ट पर है. धमाके की जांच की जिम्मेदारी अब केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए को सौंप दी गई है. इस बीच स्कूल ब्लास्ट पर गृह मंत्रालय ने जांच एजेंसियों से ब्लास्ट पर रिपोर्ट मांगी है. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया है. मौके पर स्पेशल सेल, एनआईए, सीआरपीएफ, एफएसएल और एनएसजी ब्लास्ट की जांच कर रही है. पूरे इलाके को कोर्डन ऑफ करके पूरे इलाके की मैपिंग की जा रही है.

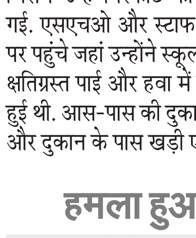

फोन का डेटा खंगालने में जुटी जांच एजेंसी, सफेद पाउडर से चिंता

सीआरपीएफ स्कूल के आसपास के कई किलोमीटर में मौजूद मोबाइल टॉवर पर 19 अक्टूबर रात से लेकर सुबह 9 बजे तक कितने फोन कॉल्स हुए इसका डेटा खंगालने में टीमें जुटी है. साथ ही पूरे इलाके का डंप डेटा लिया जाएगा, ताकि इस बात का पता चल पाए कि कल रात से लेकर सुबह ब्लास्ट होने तक कितने फोन एक्टिव थे. इसके बाद एक्टिव फोन के बारे जानकारी जुटाई जाएगी. सूत्रों के मुताबिक पुलिस मौके पर मिले सफेद पाउडर की जांच कर रही है. इसे आतंकी विस्फोट से जोड़ा जा रहा है.

फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) के सूत्रों ने कहा कि दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर हुए विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्री देसी बम जैसी है, लेकिन पूरी रिपोर्ट मिलने के बाद ही डिटेल क्लियर हो पाएगी. सूत्रों ने कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार, अभी तक कोई आतंकी एंगल नहीं मिला है, लेकिन एफएसएल की टीम द्वारा अंतिम स्पष्टता दी जाएगी. पुलिस द्वारा इलाके की घेराबंदी कर दी गई हैऔर मौके पर फायर डिपार्टमेंट की एक टीम भी मौजूद है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल भी मौके पर पहुंच गई है. करीब 7:45 बजे पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें उन्हें विस्फोट की सूचना दी गई. एसएचओ और स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचे जहां उन्होंने स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई और हवा में दुर्गंध फैली हुई थी. आस-पास की दुकानों के शीशे और दुकान के पास खड़ी एक कार भी क्षतिग्रस्त पाई गई. गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ. क्राइम ब्रांच की टीम, एफएसएल टीम और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया. सुबह 7:50 बजे अग्निशमन को भी सूचित किया गया और दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया. विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए पुलिस इलाके की जांच और तलाशी जारी कर रही है. पुलिस ने कहा कि सीवर लाइन की भी जांच की जा रही है.

कश्मीर मैराथन उमर अब्दुल्ला बोले- लोगों ने उत्साह बढ़ाया, तो मैंने ऐसा करके दिखाया

ना कोई ट्रेनिंग, ना कोई प्लान, 2 घंटे में 21 किमी दौड़ गए

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा

मैं अपने जीवन में कभी भी 13 किलोमीटर से अधिक नहीं दौड़ा और वह भी केवल एक बार.

एजेंसियां। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कश्मीर मैराथन को हरी झंडी दिखाई, जिसमें 13 देशों के 2,000 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया. यह घाटी में आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक कार्यक्रम था. 54 वर्षीय उमर ने बाद में मैराथन में भी भाग लिया और दो घंटे के भीतर हाफ-मैराथन (21 किलोमीटर) पूरी की. बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी भी हरी झंडी दिखाने के समारोह में अब्दुल्ला के साथ शामिल हुए. मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि उन्होंने बिना किसी उचित प्रशिक्षण या योजना के दौड़ में भाग लिया और 5.54 मिनट प्रति किलोमीटर की औसत गति से हाफ-मैराथन पूरा किया. उनके इस प्रयास की बहुत लोगों ने तारीफ की है. उमर अब्दुल्ला ने सबको शुक्रिया कहा है.

सीएम की सोशल मीडिया पोस्ट : सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैं अपने जीवन में कभी भी 13 किलोमीटर से अधिक नहीं दौड़ा और वह भी केवल एक बार. रविवार को मैं अपने जैसे अन्य शौकिया धावकों के उत्साह से प्रेरित होकर आगे बढ़ता रहा. कोई उचित प्रशिक्षण नहीं, कोई दौड़ने की योजना नहीं... रास्ते में एक केला और एक-दो खजूर खाए. सबसे अच्छी बात यह थी कि मैं अपने घर के पास से दौड़ रहा था और परिवार और अन्य लोग मेरा उत्साहवर्धन कर रहे थे. मुझे ऐसा करके बहुत सुकून मिला. मैराथन से पहले मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर मैराथन आने वाले वर्षों में दुनिया की शीर्ष एथलेटिक स्पर्धाओं में से एक बन जाएगी. समाचार एजेंसी एनएनआई के अनुसार उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैं श्रीनगर के लोगों का बहुत आभारी हूं कि वे धावकों का उत्साहवर्धन करने के लिए आगे आए. मुझे उम्मीद है कि कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष स्पर्धाओं में से एक बनेगी. उनकी सरकार इसके लिए पुरजोर प्रयास भी करेगी.

अंतरराष्ट्रीय धावक भी हुए शामिल

बता दें कि इस मैराथन में 13 देशों के 35 स्थानीय एथलीट और 59 अंतरराष्ट्रीय धावकों ने हिस्सा लिया. इनमें भारत के शीर्ष लंबी दूरी के धावक, एशियाई स्वर्ण पदक विजेता और यूरोप और अफ्रीका के कुछ बेहतरीन धावक शामिल हुए. जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कश्मीर को एक शांतिपूर्ण गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करना था जो अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है. पर्यटन निदेशक राजा याकूब ने कहा, इस मैराथन का संदेश यह है कि कश्मीर शांतिपूर्ण है और वैश्विक आयोजनों के लिए खुला है. ये एथलीट हमारे ब्रांड एंबेसडर बनेंगे और हमारे व्यंजनों, पश्मीना और अन्य चीजों का प्रचार करेंगे. भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों दोनों ने कश्मीर के आतिथ्य की प्रशंसा की. पहली बार भाग ले रही एक डेनिश एथलीट ने श्रीनगर की खूबसूरती और लोगों की गर्मजोशी की प्रशंसा की. बाद में विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए.

हमला हुआ तो करारा जवाब मिलेगा

ईरान ने दे डाली इजराइल को वॉर्निंग, बोला

हम भी छोड़ेंगे नहीं

एजेंसियां। तेहरान

ईरान ने इजराइल को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर हमला हुआ, तो हम भी छोड़ेंगे नहीं. ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि ईरान के खिलाफ किसी भी इजराइली हमले का मतलब खतरे की रेखा पार करना होगा और इसका जवाब दिया जाएगा.

अरागची ने तुर्की प्रसारक एनटीवी को बताया कि ईरान पर किसी भी हमले का मतलब हमारे लिए लाल रेखा को पार करना है. हम ऐसे हमले का जवाब जरूर देंगे. ईरान की परमाणु सुविधाओं या किसी भी हमले पर प्रतिक्रिया दी जाएगी. अमेरिका से लीक हुए कुछ डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक इजराइल ईरान पर हमले की तैयारी मेंजुटा हुआ है. ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने इजराइल पर किए गए हमले का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि हमने उस समय किसी भी आर्थिक या नागरिक सुविधाओं पर हमला नहीं किया था. हमने केवल सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया था. अब हमने इजराइल में अपने सभी लक्ष्यों की पहचान कर ली है. अगर इजराइल हमला करता है, तो हम उनके ठिकानों पर भी इसी तरह का हमला करेंगे. यह पूछे जाने पर कि इजराइल ने अभी तक ईरान के पिछले हमले का जवाब क्यों नहीं दिया है, मंत्री ने पूरी दुनिया द्वारा इजराइल पर डाले जा रहे भारी राजनयिक दबाव का हवाला दिया. अरागची ने कहा कि इस क्षेत्र में पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ने की अत्यधिक संभावना है.

पिता, पति, ससुर के राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाएंगी भाजपा की सात महिला उम्मीदवार

टिकट पर लग गयी है मुहर, अब चुनावी मैदान में झोंकेंगी पूरी ताकत

रवि भारती। रांची

भाजपा की सात महिला उम्मीदवार पिता, पति, और ससुर की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाएंगी. टिकट कंफर्म हो चुका है. अब ये फील्ड में अपनी ताकत झोंकेंगी. इन महिला उम्मीदवारों में मीरा मुंडा, गीता कोड़ा, सीता सोरेन, रागिनी सिंह, तारा देवी, पूर्णिमा दास और मंजू देवी के नाम शामिल हैं.

रघुवर दास की बहू हैं पूर्णिमा दास साहू

पूर्णिमा दास को जमशेदपुर पूर्वी से टिकट मिला है. पूर्णिमा पूर्व सीएम सह ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहू हैं. रघुवर दास इस सीट से कई दफा चुनाव जीत चुके हैं. सिर्फ 2019 के चुनाव में उन्हें सरयू राय के खिलाफ शिकस्त मिली थी. पूर्णिमा के कंधों पर फिर से इस सीट पर परचम लहराने की जिम्मेवारी सौंपी गई है.

पिता की विरासत को मंजू देवी बढ़ाएंगी आगे

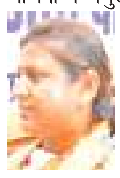

भाजपा ने जमुआ से मंजू देवी पर दांव लगाया है. मंजू पूर्व विधायक सुकर रविदास की बेटी हैं. 2019 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के टिकट से चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत नहीं मिली थी. हाल के दिनों उन्होंने अपने पिता के साथ भाजपा का दामन थामा था. भाजपा ने मंजू पर विश्वास जताते हुए टिकट कंफर्म कर दिया.

पति की विरासत को संभालेंगी रागिनी

भाजपा ने झरिया से रागिनी सिंह को टिकट दिया है. रागिनी पूर्व विधायक संजीव सिंह की पत्नी हैं. संजीव सिंह झरिया से विधायक रह चुके हैं. फिलहाल वे जेल में हैं. इस कारण पति के जेल जाने के बाद से रागिनी सिंह भाजपा का झंडा बुलंद करती रही हैं. पति की राजनीतिक विरासत को बचाए रखने की जिम्मेवारी अब रागिनी सिंह पर है.

पति की विरासत को बचाने की कवायद

तारा देवी के ऊपर पति की विरासत को बचाए रखने की जिम्मेवारी है. तारा देवी को बीजेपी ने सिंदरी सें टिकट दिया है. तारा देवी इंद्रजीत महतो की पत्नी हैं. विधायक इंद्रजीत महतो लंबे समय से बीमार चल रहे हैं. तारा देवी जिला परिषद सदस्य भी रह चुकी हैं.

पति की विरासत को संभालेंगी मीरा मुंडा

भाजपा ने पोटका विधानसभा सीट से तीन बार जीत हासिल करने वाली विधायक मेनका सरदार का टिकट काट मीरा मुंडा को उम्मीदवार बनाया है. मीरा मुंडा पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा की पत्नी हैं. लगभग तीन दशक से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहीं हैं. उनपर भी अपने पति की राजनीतिक विरासत को संभालने की जिम्मेवारी है. मीरा 1999 भाजपा की सदस्य रहीं हैं.

राजनीतिक परिवार के जुड़ी हुई हैं सीता

जामताड़ा से बीजेपी ने सीता सोरेन को उम्मीदवार बनाया है. इससे पहले सीता सोरेन दुमका से लोकसभा चुनाव लड़ चुकी हैं. इससे पहले वे झामुमो के टिकट पर जामा से विधायक भी रह चुकी हैं. झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन की बड़ी बहू भी हैं. इस हिसाब से राजनतिक विरासत को भी संभालने की जिम्मेवारी उन पर है.

लोजपा (आर) के हो गए पूर्व विधायक जनार्दन पासवान

रांची। पूर्व विधायक जनार्दन पासवान ने रविवार को नई दिल्ली में लोजपा(आर) का दामन थाम लिया. जनार्दन पासवान ने पार्टी के राष्ट्रीय महासिचव अब्दुल ख ालिक , झारखंड प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान की उपस्थिति में लोजपा (आर) की सदस्यता ग्रहण की. सदस्यता ग्रहण करने के बाद पासवान ने चिराग पासवान से भी मुलाकात की और चतरा सीट से अपनी दावेदारी के लिए आग्रह भी किया. बताते चलें कि जनार्दन पासवान 1995 में जनता दल के टिकट पर चुनाव जीते थे. 2009 में राजद के टिकट पर जीत हासिल की थी.

- चतरा से लोजपा के हो सकते हैं उम्मीदवार

2014 में बीजेपी को 37 सीटों पर मिली थी जीत, 35.16 प्रतिशत वोट मिले थे

भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में किया था सबसे बेहतर प्रदर्शन

प्रवीण कुमार। रांची

- 2019 के विधानसभा चुनाव में 34 .1 प्रतिशत वोट मिले लेकिन मात्र 25 सीटें ही जीत पाई, छह पर हो गई थी जमानत जब्त
- **2014 में 72 सीटों पर लड़ा था चुनाव, 37 जीतीं, एक पर जमानत जब्त, 35 .16 प्रतिशत वोट मिले थे**
- 2009 में 67 सीटों पर भाजपा लड़ी थी चुनाव, 18 पर जीती, 12 पर हुई जमानत जब्त, 24 .44 प्रतिशत वोट मिले थे
- **2005 में भाजपा ने 63 सीटो पर लड़ा था चुनाव, 30 पर जीतीं, आठ पर हो गयी थी जमानत जब्त, 30 .19 प्रतिशत वोट मिले**

झारखंड में भाजपा संयुक्त बिहार के समय से ही संगठनात्मक रूप से मजबूत करता रही है. लेकिन कभी भी भाजपा झाऱखंड सरकार बनाने के लिए 81 विधानसभा सीटों वाले इस प्रदेश में बहुमत का आंकड़ा अकेले पार नहीं कर पाई. पिछले चार विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोटों में काफी उतार-चढ़ाव आता रहा. 2004 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 63 सीटों चुनाव लड़ी था. 30 जीते, 8 पर जमानत जब्त हो गई था. इस चुनाव में भाजपा को 30.19 प्रतिशत वोट मिले थे. 2006 में झाऱखड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भाजपा से अलग हो कर झारखंड विकास मोर्चा का गठन किया था. इससे भाजपा को काफी नुकसान हुआ.

भाजपा को 2009 में लगा था झटका : 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को तगड़ा झटका लगा था. पार्टी 67 सीटों चुनाव लड़ी, जिसमें मात्र 18 सीटें ही जीत पाई. इस चुनाव में भाजपा के 12 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी. भाजपा के वोट प्रतिशत में बाबूलाल मरांडी के पार्टी छोड़ने के कारण भारी गिरवाट आयी. भाजपा को मात्र 24.44 प्रतिशत वोट मिले.

2014 भाजपा के लिए रहा था सबसे बेहतर : 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 72 सीटों पर लड़ा था, 37 विधानसभा सीटें जीतीं, वहीं एक पर जमानत जब्त हुई. भाजपा को 35.16 प्रतिशत वोट मिले थे. इन चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था. 2014 का झारखंड विधानसभा का चुनाव भाजपा के लिए सबसे बेहतर रहा था. भाजपा ने रघुवर दास को मुख्यमंत्री बनाया. भाजपा ने बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व वाले झारखंड विकास मोर्चा के आठ में से छह विधायकों को तोड़ कर मिला लिया था. तब जाकर रघुवर दास के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपना पूर्ण बहुमत जुटा पाई थी.

2019 में भाजपा को 34.1 प्रतिशत वोट मिले, सीटें जीतीं मात्र 25 : 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा रघुवर दास के नेतृत्व में लड़ी. लेकिन आदिवासी रिजर्व सीटों पर भाजपा की हार हुई. आजसू भी एनडीए से अलग हो कर चुनाव लड़ी, जिसका खामियाजा आजसू और भाजपा दोनों को उठाना पड़ा. अपनी सिटिंग सीटें दोनो पार्टीयां ने गवां दी. भाजपा की ऱघुवर सरकार की नीतियों से आदिवासी रिजर्व सीटों पर हार का समाना करना पड़ा. 28 में 26 आदिवासी सीटों पर भाजपा को हार का समाना करना पड़ा. 2019 में भाजपा 79 सीटों चुनाव लड़ी थी, जिसमें 25 पर जीत हुई, 6 पर जमानत जब्त हो गई. भाजपा को 34.1 प्रतिशत मिला वोट मिले थे.

एक-दो दिनों में प्रत्याशियों के नामों की हो जाएगी घोषणा

एनडीए और इंडी गठबंधन का खेल बिगाड़ने को बेचैन छोटे दल

अभिमन्यू सिंह। चतरा

झारखंड में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए गठबंधन ने सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय कर दिया है. बीजेपी 68, आजसू 10, जदयू 2 और लोजपा (रामविलास) को गठबंधन के तहत एक सीट मिली है. चतरा विधानसभा की सीट पर लोजपा चुनाव लड़ेगी. दूसरी तरफ इंडी गठबंधन भी अब रेस में आ चुका है. अगले एक दो दिनों में गठबंधन सीटों के साथ प्रत्याशियों के नाम का भी ऐलान कर देगा. राजनीतिक दलों की बात करें तो एनडीए के साथ आजसू, जदयू और लोजपा है. जबकि इंडी गठबंधन में जेएमएम, कांग्रेस, राजद के अलावा वाम दल भी सहयोगी होंगे.

चुनावी मुकाबले के मैदान में कई छोटे दल भी हैं, जो चुनावी बिसात बिछाने में लगे हुए हैं. चुनावी मोहरों के रूप में इन्हें बागी और नाराज चल रहे नेताओं का सहारा मिलेगा. सूत्रों की माने तोड़ वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) का प्रदेश की 20 विधानसभा सीटों पर दावा करते हुए अब झारखंड में भी पैर पसारने का मन बना रही है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. राजकुमार चौधरी 20 सीटों पर चुनावी तैयारी की बात कर रहे हैं. झारखंड पार्टी भी प्रदेश की 25 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान के साथ अब तक चतरा सहित 7 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित किया है, जिसमें चतरा भी शामिल है. इनके अलावा जोहार पार्टी 2 सीटों पर, मुस्लिम लीग 20, लोकहित अधिकार पार्टी 12, संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी 15, दस दलों को मिलकर बनी राजनीतिक पार्टी जनमत झारखंड प्रदेश की सभी 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव में उतरने का मन बना रही है. दलित नेता के तौर पर उभरे नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने भी चतरा सहित 6 सीटों पर प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर दिया है. मिलजुल कर उपरोक्त सभी दल एनडीए व इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों का खेल बिगाड़ने का ही काम करने वाले हैं.

- पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में रहा है कांग्रेस और झामुमो का दबदबा

झारखंड पार्टी ने पांच उम्मीदवारों की सूची जारी की

संवाददाता । रांची

झारखंड पार्टी ने रविवार को पांच उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी. इसमें खास बात यह है कि तमाड़ से पूर्व विधायक रमेश सिंह मुंडा के पुत्र राजकुमार मुंडा को उम्मीदवार बनाया है. वहीं राजकुमार मुंडा के भाई विकास मुंडा के झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने की संभावना है. चार दिन पहले भी पार्टी ने पांच उम्मीदवारों की सूची जारी की थी. इसमें मनोहरपुर से महेंद्र जमुदा, सिमडेगा से आयरिन एकका, चाईबासा से कोलंबस हांसदा, कांके से अनिल कुमार पासवान और कोलेबिरा से संदेश एक्का का उम्मीदवार बनाया गया है. अब तक पार्टी ने 10 उम्मीदवार घोषित कर दिए गए हैं. झारखंड पार्टी ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है.

विधानसभा सीट	उम्मीदवार का नाम
खरसांवा	सिद्धार्थ होनहागा
जगन्नाथपुर	लक्ष्मी नारायण गगराई
तमाड़	राजकुमार मुंडा
बड़कागांव	मुख्तार अंसारी
सिमरिया	लाल किशोर दास

झामुमो के टिकट पर सरायकेला से लडूंगा चुनाव : गणेश महाली

संवाददाता। आदित्यपुर

भाजपा की सूची शनिवार की शाम जारी होते ही भाजपा नेताओं में भगदड़ मची हुई है. एक ओर पोटका से दो बार विधायक रही मेनका सरदार ने जहां पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है. दूसरी ओर चंपाई सोरेन के पार्टी में आने और सरायकेला से चुनाव लड़ने की संभावना के बाद खुद को खरसावां से प्रत्याशी बनाने की मांग करने वाले और दो बार सरायकेला से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश महाली ने भी पार्टी से बगावत करते हुए झामुमो से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. वे शनिवार की शाम में ही सूची में अपना नाम नहीं देख भड़के हुए थे. उन्होंने शुभम संदेश को दूरभाष पर फोन कर बताया कि वे झामुमो के टिकट पर सरायकेला से चुनाव लड़ेंगे.

जब मुनेश्वर उरांव ने रामेश्वर उरांव का खेल बिगाड़ दिया था

आशीष टैगोर। लातेहार

फ्लैशबैक : 3

- मुनेश्वर उरांव ने झारखंड जनाधिकार मंच से लड़ा था चुनाव
- कांग्रेस के रामेश्वर उरांव मात्र 1769 वोटों से हार गये थे

बात साल 2009 के विधानसभा चुनाव की है. तब लातेहार जिले की मनिका विधानसभा सीट से सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी रामेश्वर उरांव (वर्तमान में झारखंड के वित्त मंत्री) को मनिका विधानसभा से कांग्रेस का प्रत्याशी बनाया गया था. इसी चुनाव में एक युवा चेहरा मुनेश्वर उरांव का था, जिसने बरबस ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था. मुनेश्वर उरांव ने झारखंड जनाधिकार मंच के प्रत्याशी के रूप में नामिनेशन किया था. उस चुनाव में भाजपा की ओर से हरिकृष्ण सिंह प्रत्याशी थे. चुनाव बहुत ही दिलचस्प हुआ. कांग्रेस के रामेश्वर उरांव मात्र 1769 वोटों से हार गये. उन्हें भाजपा के हरिकृष्ण सिंह ने हराया. हरिकृष्ण सिंह को 18,645 वोट मिले , जबकि रामेश्वर उरांव को 16,876 वोट मिले थे. दिलचस्प बात यह रही कि इन सबके बीच मुनेश्वर उरांव ने 7,425 वोट प्राप्त कर राजद के रामचंद्र सिंह (15214) के बाद चौथे स्थान पर रहे. जानकारों का कहना है कि अगर मुनेश्वर उरांव चुनाव में खड़े नहीं होते तो कांग्रेस के रामेश्वर उरांव की जीत पक्की थी. मुनेश्वर उरांव ने कांग्रेस के वोटों में सेंधमारी कर 7,425 वोट प्राप्त किये. ये वोट कांग्रेस को कन्वर्ट हो सकते थे.

2014 में कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ा : मुनेश्वर उरांव ने साल 2014 के विधानसभा चुनाव में मनिका विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ा. इससे पहले मुनेश्वर उरांव आजसू पार्टी में थे. साल 2013 में उन्होने कांग्रेस ज्वाईन किया था. इस चुनाव में भाजपा से एक बार फिर हरिकृष्ण सिंह एवं राजद से रामचंद्र सिंह मैदान में थे. हरिकृष्ण सिंह ने रामचंद्र सिंह को मात्र 1083 वोटों से हराया. हरिकृष्ण सिंह को 31583 और रामचंद्र सिंह को 30500 वोट मिले थे. जबकि मुनेश्वर उरांव 27731 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे.

2024 के विस चुनाव में खड़े होगें दो कांग्रेसी : अगर सब कुछ ठीक नहीं हुआ तो विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को मनिका से नुकसान हो सकता है. है. सीटिंग विधायक होने के कारण रामचंद्र सिंह को कांग्रेस से टिकट कन्फर्म माना जा रहा है. हालांकि कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा नहीं की है. इन सबके बीच कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव ने दो सेटो में नामांकन प्रपत्र खरीद कर कांग्रेस में एक तरह भूचाल ला दिया है. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए मुनेश्वर उरांव ने कहा कि अगर पार्टी उन्हें सिंबल देती है तो ठीक है नहीं तो वे पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ेगें. कहना गलत नही होगा कि अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस फिर से मनिका विधानसभा में 2009 का इतिहास दुहरायेगी.

कम मतदानवाले क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए वाहन रवाना

रांची। रविवार को निर्वाचन सदन से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उदेश्य से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने जागरूकता वाहनों को झंडी दिखा कर रवाना किया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राज्य के सभी मतदाताओं से अपील की है कि स्वयं भी मतदान करें और अपने आस पास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें. उन्होंने कहा कि मतदाता अपने अधिकार का सही इस्तेमाल करें एवं नैतिक मतदान के प्रति सजग बनें. उन्होंने कहा कि विगत निर्वाचनों में जिन क्षेत्रों में कम मतदान हुआ है, उन सभी क्षेत्रों में इन प्रचार वाहनों के माध्यम से मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेश प्रसारित किए जाएंगे. इसे लेकर कुल 36 प्रचार वाहन तैयार किए गए हैं, जो राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में घूम-घूमकर नैतिक मतदान के प्रति जागरूक करेगें. प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार के प्रयोग के प्रति जागरूक होकर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता निभाएं. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोक कलाकारों ने मतदाता जागरूकता से संबंधित स्थानीय लोकभाषा में मतदाता जागरूकता से संबंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं.

दिवंगत पूर्व विधायक के दो पुत्र आमने-सामने

सिमरिया विधानसभा में विरासत बचाने की लड़ाई

संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)

विधानसभा चुनाव 2024 में सिमरिया (26) विधानसभा का चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है. मुख्य मुकाबला दो दिवंगत पूर्व विधायक पुत्रों के बीच है. इस बार भाजपा ने सिमरिया विधानसभा से चार बार विधायक रहे दिवंगत उपेन्द्र नाथ दास के पुत्र उज्जवल दास को मैदान में उतारा है, तो झामुमो ने मात्र छह माह विधायक रहे दिवंगत रामचंद्र राम के पुत्र मनोज चंद्रा को टिकट देकर चुनाव को दिलचस्प बना दिया है. विधायक रहते उपेंद्र नाथ दास की मृत्यु 13 अगस्त 2007 को हो गई थी. इसके बाद भाजपा ने उप चुनाव में दिवंगत दास के पुत्र उज्जवल दास को मैदान में उतारा था, पर दास चुनाव हार गए. तब से आज तक एक निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह भाजपा में रहते हुए सांगठनिक दायित्वों का निर्वाह करते रहे. परिणाम स्वरूप भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उनपर फिर से विश्वास जताया और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया.

उपेंद्र नाथ दास के निधन के बाद उप चुनाव में भाकपा से रामचंद्र राम चुनाव जीते, जो अपना कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाए. दो मार्च 2009 को हृदयगति रुकने से विधायक रामचंद्र राम का निधन हो गया. इसके बाद सीपीआई ने उप चुनाव में दिवंगत रामचंद्र राम के पुत्र मनोज चंद्र को उम्मीदवार बनाकर चुनाव लड़ाया, पर चंद्र चुनाव हार गए. इसके बाद चंद्रा लगातर पार्टी बदल -बदल कर सिमरिया विधानसभा से किस्मत आजमाते रहे. वर्ष 2014 में सीपीआई छोड़ राजद में चले गए और चुनाव लड़ा, वहां उनको हार का सामना करना पड़ा. वर्ष 2019 में फिर चंद्र ने राजद से त्याग पत्र देकर आजसू पार्टी में शामिल होकर चुनाव लड़ा, वहां भी हार का सामना करना पड़ा. वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में मनोज चंद्र आजसू पार्टी से त्याग पत्र देकर झामुमो में शामिल हो चुनाव मैदान में उतरे हैं.

भाजपा में परिवारवाद अब जगजाहिर हो गई: डॉ. अजय

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्व सांसद सह पूर्वी से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी डॉ. अजय कुमार ने रविवार को भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि विश्व की सबसे पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भाजपा में परिवारवाद पार्टी पर भारी है. दूसरों पर परिवारवाद का आरोप लगाने वाले बताएं कि रघुवर की बहू पूर्णिमा दास साहू, अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा और चंपाई के पुत्र बाबूलाल सोरेन को टिकट देना परिवारवाद के दायरे में आता है या नहीं. बीजेपी में महिला सशक्तीकरण का नायाब उदाहरण है पार्टी के किसी बड़े नेता की बहू, पत्नी और बेटे को टिकट दिया जाना. 25 वर्षों में बीजेपी में एक भी नेता ऐसा नहीं हुआ, जिसे पार्टी विधानसभा चुनाव में उतार सके. कहने को तो विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है कि इस पार्टी में एक भी नेता नहीं जो अपने दम पर जमशेदपुर पूर्वी से पार्टी को जीत दिला सके. इससे स्पष्ट है कि पार्टी के कार्यकर्ता सिर्फ झंडा ढोने के लिए ही होते हैं.

कयासों का दौर

भाजपा से टिकट कटने के बाद खोज रहे नया आशियाना, कुछ अपने दम पर मैदान में उतरेंगे

झारखंड में राजनीतिक पारा हाई, कई नेता हो रहे इधर से उधर

रवि भारती। रांची

झारखंड में राजनीतिक पारा हाई हो गया है. कयासों का बाजार गर्म है. बीजेपी की लिस्ट जारी होने और सीएम हेमंत सोरेन द्वारा झामुमो-कांग्रेस के 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की बाद नेता इधर से उधर होने लगे हैं. टिकट की तलाश में नया आशियाना खोज रहे हैं. कोई निर्दलीय लड़ने का दावा ठोक रहा है तो कोई झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने की बात कहा रहा है. सोशल मीडिया में भी कयासों का दौर जारी है.

कांग्रेस नेता जयप्रकाश पटेल असमंजस में : राजनीतिक गलियारों में चर्चा हो रही है कि कांग्रेस नेता जयप्रकाश पटेल भी टिकट को लेकर असमंजस में हैं. जानकारी के अनुसार, वे दिल्ली में टिकट के लिए कांग्रेस के आला नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं. पहले वे झामुमो छोड़ बीजेपी में शामिल हुए थे. फिर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस से हाथ मिलाया. चुनाव जीत नहीं पाए. अब मांडू सीट में उनकी उम्मीदवारी को लेकर असमंजसल की स्थिति बनी हुई है.

गणेश महाली और मेनका ने बीजेपी से कर लिया किनारा : टिकट नहीं मिलने के कारण भाजपा नेता गणेश महाली और मेनका सरदार ने बीजेपी से किनारा कर लिया है. दोनों नेताओं ने अपना इस्तीफा भी दे दिया है. गणेश महली ने मीडिया के सामने दावा किया है कि वे अब झामुमो की टिकट पर सरायकेला सीट से चुनाव लड़ेंगे. हालांकि मेनका सरदार की ओर से अब तक कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है.

लुईस के झामुमो में जाने की चर्चा : भाजपा से टिकट कटने के बाद पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी के झामुमो में जाने की चर्चा है. हालांकि लुईस मरांडी ने अब तक इस्तीफा नहीं दिया है. अब सोशल मीडिया में खबर तेजी से वायरल हो रही है कि वे झामुमो का दामन थाम जामा से चुनाव लड़ेंगी. इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा के साथ पिक्चर भी क्लीयर हो जाएगा. बीजेपी ने लुईस का पत्ता काट दुमका से सुनील सोरेन को टिकट थमा दिया है.

- किए जा रहे दावे पर दावे, निर्दलीय चुनाव लड़ने की भी सोच रहे हैं कई नेता
- भाजपा से टिकट कटने के बाद खोज रहे नया आशियाना
- मेनका सरदार ने चुनाव लड़ने की अभी तक कोई घोषणा नहीं की है

संदीप वर्मा भी नाराज

भाजपा नेता संदीप वर्मा को टिकट नहीं मिलने के कारण पार्टी के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की है . उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा है कि रांची सीट से निर्दलीय ही चुनाव लड़ूंगा . कहा कि पार्टी में कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है . सर्वे और रायशुमारी की अनदेखी तक टिकट का बंटवारा किया गया . 2019 वाली गलती फिर से दोहराई गई है . कहा कि रौशन चौधरी को पांच मिनट के अंदर टिकट मिला . ढुल्लू महतो के भाई शत्रुघ्न महतो भी टिकट लेकर निकल गए . समीर उरांव, गीता कोड़ा, सीता सोरेन को लोकसभा में मिली हार के बाद किस आधार पर टिकट दिया गया .

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 21 अक्टूबर 2024 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 191 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

विस चुनाव इफेक्ट : राज्य में बढ़ने लगी अवैध शराब की आवक, कहीं मिली अवैध फैक्ट्री, तो कहीं पहुंच रहा नकली माल

गढ़वा में 40 लाख की शराब बरामद

- पुलिस द्वारा चेक करने के दौरान भूसा के बीच में रखी गयी बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई

संवाददाता। गढ़वा

बरामद शराब की जानकारी देते एसपी दीपक कुमार पांडेय व अन्य लोग.

गुप्त सूचना पर यूपी से गढ़वा आ रहा अवैध शराब लदा ट्रक पुलिस ने रविवार को सुबह जब्त कर लिया. मेराल थाने में प्रेस वार्ता कर एसपी दीपक पांडे ने बताया कि बीती रात करीब 3 बजे सूत्रों से पता चला विस चुनाव को प्रभावित करने के लिए एक ट्रक अवैध विदेशी शराब गढ़वा की आ रही है. जानकारी मिलते ही एसडीपीओ नीरज कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया तथा एनएच 75 पर थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप के पास चेकिंग शुरू की गई.

इसी दौरान बंशीधर नगर की ओर से गढ़वा आ रहे ट्रक यूपी 22 ए टी 9180 को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक तेजी से गाड़ी को लेकर भागने लगा. पुलिस एवं उत्पाद विभाग ने ट्रक का पीछा गया किया. पुलिस को पीछा करते देख तेजी से गाड़ी को लेकर भाग रहे ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिससे गोंदा गांव में सड़क किनारे ट्रक पलट गया. इसके बाद ट्रक ड्राइवर एवं खलासी गाड़ी को छोड़ कर भाग गए.

पुलिस तथा उत्पाद विभाग ने गाड़ी को जब्त कर लिया. एसपी ने बताया कि पुलिस ने चेक करने के दौरान भूसा के बीच में रखी गई बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की. बताया कि ट्रक में 700 पेटी अंग्रेजी शराब छुपा कर रखी गई थी, जिसमें ट्रक पलटने के कारण ढाई सौ पेटी शराब नष्ट हो गई, बाकी 450 पेटी शराब जब्त की गई, इसकी अनुमानित कीमत 40 लाख रु. है. एसपी दीपक पांडे ने कहा कि जब्त की गई शराब पूरी तरह से अवैध प्रतीत है, जिसकी जांच होगी. उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि ट्रक पश्चिमी यूपी से चला था. लगता है कि आगामी चुनाव को प्रभावित करने के लिए मंगाई जा रही थी. शराब कहां से और किसके द्वारा कहां ले जाई रही थी, गहनता से जांच होगी.

एसपी ने कहा कि छापेमारी टीम में शामिल उत्पाद अधीक्षक निर्मल कुमार, एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक जितेंद्र आजाद, थानेदार विष्णु कांत और अन्य जवानों को इस साहसपूर्ण कार्रवाई व उपलब्धि के लिए मैं अपने स्तर से पुरस्कृत करूंगा. स्थानीय लोगों का मानें तो पुलिस को पहुंचने से पहले आसपास के लोग बड़ी मात्रा में शराब की पेटी को गायब कर चुके थे.

अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन 25 लाख की शराब जब्त, एक गिरफ्तार

धनबाद । आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए डीसी माधवी मिश्रा और एसएसपी एचपी जनार्दनन के निर्देश पर अवैध शराब के खिलाफ पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम विशेष अभियान चलायी जा रही है. इसी क्रम में उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को टुंडी थाना क्षेत्र के नीमटांड़ मधुशा गांव में छापेमारी की और एक अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया है. टुंडी थाना से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मिनी शराब फैक्ट्री से भारी मात्रा में नकली शराब बरामद की है. बरामद शराब बरामद शराब की अनुमानित मूल्य 25 लाख रुपये बतायी जा रही है. पुलिस ने धंधेबाज बीनूलाल टुडू को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है.

नकली शराब को चुनाव में खपाने की थी योजना

सहायक उत्पाद आयुक्त ने बताया कि गुप्त सूचना पर टुंडी थाना क्षेत्र के नीमटांड़ मधुशा गांव में बीनूलाल टुडू के घर में टीम ने रविवार सुबह रेड डाली. वहां से दूसरे ब्रांड की 250 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब, इंपीरियल ब्लू, 500 लीटर कच्ची स्प्रिट के अलावा शराब निर्माण से जुड़े विभिन्न ब्रांड के रैपर, कॉर्क और पैकेजिंग रिफलिंग के सामान बरामद किये गये. पुलिस ने जिसके घर पर अवैध मिनी शराब फैक्ट्री संचालित हो रही थी, उसे भी गिरफ्तार कर लिया है. इस शराब को चुनाव में खपाने की योजना थी.

आदित्यपुर-गम्हरिया में वर्षों से नकली अंग्रेजी शराब का सेवन कर रहे थे लोग

आदित्यपुर । विगत कई माह से जिले के एसपी के निर्देश पर अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है. इसमें इस बात का खुलासा हो रहा है कि जिले में वर्षों से नकली अंग्रेजी शराब का धंधा जोरों से चल रहा है. वर्षों से यहां के लोग नकली अंग्रेजी शराब पी भी रहे हैं. पिछले दो दिन में दो जगहों पर छापेमारी में इसका खुलासा हुआ है. शनिवार की रात गुप्त सूचना पर गम्हरिया थाना क्षेत्र के कमलपुर गांव में गोविंदा कैवर्त और आशीत कैवर्त के छापेमारी की गई. दोनों के यहां नकली अंग्रेजी शराब बनाने की फैक्ट्री मिली है. एसपी के निर्देश पर सरायकेला एसडीपीओ नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया. छापेमारी दल ने गम्हरिया थाना के कमलपुर स्थित घर में छापामारी की, तो उक्त घर से गोविंदा कैवर्त एवं आशीत कैवर्त को निकलते हुए देखा गया, जो दूर से ही पुलिस को आता देखकर झाड़ी और धान के खेत का फायदा उठाकर फरार हो गए.

बरामद नकली अंग्रेजी शराब.

पुलिस ने द्वारा तलाशी लेने पर भारी मात्रा में अवैध नकली अंग्रेजी शराब एवं उसके निर्माण हेतु प्रयोग में आने वाले विभिन्न सामान मिले. अवैध शराब फैक्ट्री से 01 मालवाहक पिकअप एवं 01 स्कूटी भी बरामदगी की गई है. इसका उपयोग अभियुक्तों द्वारा अपने अवैध व्यापार के लिए किया जा रहा था. घटना स्थल से बरामद अवैध नकली शराब एवं बरामद सभी सामान को देखने से पता चलता है कि अभियुक्तों द्वारा नकली अंग्रेजी शराब का निर्माण कर उसका ब्रिक्री की जा रही थी.

छापेमारी में जब्त सामग्री

- 51 कार्टून में कुल 436 लीटर नकली अंग्रेजी शराब करीब- 200 लीटर स्प्रिट.
- **एक बोरा एवं आठ पॉलिथीन में भरा हुआ मैकडोवेल नंबर 1, रॉयल स्टैग, स्टर्लिंग रिजर्व, और किंग गोल्ड, एवं काला रंग का अंग्रेजी शराब के बोतल का ढक्कन.**
- बोतल पर चिपकाने वाला विभिन्न ब्रांड का अंग्रेजी शराब का स्टिकर- 09 रोल.
- **बोतल के ढक्कन पर चिपकाने वाला 03 रोल स्टीकर, जिस पर झारखंड सरकार का लोगो एवं क्यूआर कोड बना हुआ है.**
- 750 छोटा और बड़ा करीब 1400 खाली प्लास्टिक बोतल. दो ब्लू एवं दो सफेद रंग का 300 लीटर वाला सिन्टेक्स की टंकी. तीन ब्लू एवं एक हरा रंग का 200 लीटर वाला प्लास्टिक का खाली ड्रम. एक लाल रंग का बड़ा प्लास्टिक डटस्बीन.

ब्रीफ खबरें

झामुमो की केंद्रीय समिति का विस्तार

रांची। झामुमो ने अपने केंद्रीय समिति का विस्तार किया है. पार्टी ने सरायकेला-खरसावां से सुधीर किस्कू, सुधीर महतो, बीरेंद्र प्रधान, रुद्र प्रताप महतो, दसमत मार्डी, गुरुचरण मुखी, पूर्वी सिंहभूम से शेख बदरूदीन, प्रमोद लाल, सुनील महतो, कोडरमा से संदीप पांडेय, गढ़वा से ताहिर अंसारी, चतरा से मनोज चंद्रा, धनबाद से रमेश टुडू, जग्गू महतो और साहेबगंज से मो ताजाद्दीन राजा को केंद्रीय समिति में जगह दी है.

बूढ़ा पहाड़ में आईईडी जब्त, किया निष्क्रिय

गढ़वा। विधानसभा चुनाव को लेकर राज्यभर में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में रविवार को अभियान पर निकली सुरक्षाबलों को बूढ़ा पहाड़ के जंगल मे नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से प्लांट आईईडी को बरामद किया है. सुरक्षाबलों ने करीब 3 किलो का आईईडी को रिकवरी किया है. सुरक्षाबलों ने बीडीएस टीम की मदद से आईईडी को निष्क्रिय किया गया.

खदान में दबकर किशोर की मौत

कुंदा (चतरा)। लावालौंग थाना क्षेत्र की सिलदाग पंचायत के गांव बनवार में मिट्टी की खदान में दब कर एक लड़के की मौत हो गई. उसकी पहचान आयुष कुमार के रूप में की गई है. आयुष दीपावली पर घर की लिपाई पुताई के लिए काली मिट्टी लाने दलदलिया नदी किनारे स्थित खदान से मिट्टी लाने गया था. आयुष खदान में घुसकर मिट्टी खोद रहा था, तभी खदान धंस जाने से मौके पर उसकी मौत हो गई. इस घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है.

झामुमो ने इलेक्शन कमीशन पर किया दूसरा बड़ा हमला

हरियाणा जैसी बिसात बिछा रही 'बंटी और बबली' की जोड़ी: सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

ग्रामीण और शहरी वोटिंग की टाइमिंग पर उठाए सवाल कहा

इलेक्शन कमीशन का नया सरकुलर उसके स्लोगन 'एक भी वोटर छूटे न' के विपरीत

परिवारवाद की सारे हदें पार कर दी भाजपा और आजसू ने, कहीं भाई-भाई, बाप बेटा, पत्नी को उतार कर कर दिया साबित

झामुमो ने इलेक्शन कमीशन इंडिया पर दूसरा बड़ा हमला किया है. कहा कि हरियाण जैसी बिसात झारखंड में भी बंटी और बबली की जोड़ी ने शुरू कर दिया है. एक ओर इलेक्शन कमीशन का स्लोगन और टैग लाइन होता है कि एक भी वोटर छूटे न. दूसरी ओर इलेक्शन कमीशन सरकुलर जारी करके ग्रामीण और शहरी वोट टाइमिंग में एक-एक घंटे का अंतर कर देती है. शहरी वोटरों को जहां शाम पांच बजे तक समय दिया है, वहीं ग्रामीण वोटरों को शाम चार बजे तक. यह कैसी लीला है.

अगर यही करना है तो फिर झूठे स्लोगन इलेक्शन कमीशन क्यों जारी करती है. दरअसल भाजपा इलेक्शन के कमीशन के जरिए झामुमो और इंडिया गठबंधन के मूल वोट आधार ग्रामीण क्षेत्र में वोटिंग कम कराना चाहती है. एक ओर इलेक्शन कमीशन महाराष्ट्र चुनाव को लेकर पुराने डाटा जारी करते हुए कहती है कि शहरी क्षेत्र में 12 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 88 प्रतिशत वोटिंग हुए तो फिर आखिरकार इलेक्शन कमीशन ग्रामीण क्षेत्रों का वोटरों को रोक कर क्या दिखाना चाहती है, यह उसे स्पष्ट करनी चाहिए. इलेक्शन कमीशन देश की जिम्मेवार संस्था है, इसलिए उसे निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव कराना चाहिए. सभी राजनीतिक दलों को लेबल प्लेयिंग ग्राउंड देना चाहिए. यह बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

अब परिवारवाद के बारे में किस मुंह से बोलेंगे मोदी और बाबूलाल : उन्होंने कहा कि यहा कहां लिखा है कि वकील का बेटा वकील नहीं बन सकता है. डॉक्टर का बेटा,डॉक्टर. सबसे अधिक परिवारवाद तो भारतीय सेना में हैं, जहां पर परिवार का एक भी सदस्य सेना में जाने के बाद उसेक परिवार का हर सदस्य भारतीय सेना में जाना चाहते हैं. मगर जिस प्रकार से भाजपा परिवारवाद को लेकर मुखर रही है, अब मोदी जी और बाबूलाल जी चुनाव में किस मुंह से परिवारवाद पर बोलेंगे. भाजपा और आजसू ने ने परिवारवाद की सारी हदें पार कर दी. यह शायद पहली बार होगा कि एक ही परिवार के बाप-बेटे (चंपाई सोरेन और बाबूलाल सोरेन) विधानसभा का चुनाव एक साथ लड़ेंगे. एक ऐसा दल जहां पर एक भाई की पत्नी गठबंधन के ही एक दल से और दूसरा भाई (चंद्रप्रकाश के भाई और पत्नी) गठबंधन दल के दूसरे दल से चुनाव लड़ेंगे. इतना ही इस बार तो एक राज्यपाल की बहु (रघुवर की बहु पूर्णिमा दास साहू) और एक पूर्व केंद्रीय मंत्री की पत्नी (मीरा मुंडा) चुनावी समर में हैं. झामुमो ने कहा है कि "बाबूलाल जी - यह तो मात्र कुछ नाम है - असल लिस्ट तो काफ़ी बड़ी है. लगातार पति-पत्नी, पिता पुत्र की पार्टी कहने वाले - क्यों नहीं एक बार अपने गिरेबान में झांक लेते हैं. दल बदलुओं की लिस्ट तो इससे भी बड़ी है. परिवारवाद पर ज्ञान देने वालों - क्या इन सीटों पर आपको कार्यकर्ता नहीं मिले ? झामुमो ने उन प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की है, जो किसी ना किसी जनप्रतिनिधि के रिश्तेदार हैं. झामुमो का कहना है कि ये तो सिर्फ नमूना है, लिस्ट इससे भी लंबी है.

महाराष्ट्र डीजीपी नहीं हटे और झारखंड के हटा दिए गए, वाह रे ईसी का न्याय

सुप्रियो ने कहा कि हमारे सहयोगी राष्ट्रीय दल कांग्रेस ने महाराष्ट्र के डीजीपी पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए इलेक्शन कमीशन को पत्र लिखा मगर अब तक वहां उसे नहीं हटाया गया. क्योंकि वहां पर भाजपा गठबंधन की सरकार है. मगर यहां के डीजीपी को हटा दिया गया. वाह से इलेक्श कमीशन का न्याय. जनता सब देख और समझ रही है.

इन नामों की सूची झामुमो ने जारी कर किया तंज

- **रघुवर दास** : पूर्णिमा साहू जी (ससुर-बहू)
- **चंपाई सोरेन** : बाबूलाल सोरेन (पिता-पुत्र)
- **मीरा मुंडा** : अर्जुन मुंडा (पति-पत्नी)
- **गीता कोड़ा** : मधु कोड़ा (पति-पत्नी)
- **अमित मंडल** : रघुनंदन मंडल (पुत्र - पिता)
- **रोशन लाल चौधरी** : चंद्रप्रकाश चौधरी -सुनीता चौधरी-सुदेश महतो (भाई-भाई-भाभी-भतीजा)
- **रागिनी सिंह** : संजीव सिंह (पति-पत्नी)
- **अरुण ऊरांव** : गीताश्री उरांव (पति-पत्नी)
- **भानु प्रताप शाही** : हेमंत प्रताप शाही (पुत्र-पिता)
- **पुष्पा देवी** : मनोज कुमार (पति-पत्नी)
- **आलोक कुमार चौरसिया** : अनिल चौरसिया (पुत्र- पिता)
- **उज्ज्वल दास** : उपेंद्र नाथ दास (पुत्र -पिता)
- **शत्रुघ्न महतो** : ढुल्लू महतो (भाई- भाई)

हेमंत आज गढ़वा में अपने दो प्रत्याशियों के नामांकन में हिस्सा लेंगे, करेंगे सभा

संवाददाता ।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को गढ़वा दौरे पर रहेंगे. वे अपने गढ़वा और भवनाथपुर सीट से पार्टी प्रत्याशी के नामांकन में हिस्सा लेंगे. गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के झामुमो प्रत्याशी मिथिलेश कुमार ठाकुर एवं भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा के नामांकन कार्य भाग लेंगे ओर चुनावी सभा को भी संबोधित करेंगे.

सीएम हेमंत सोरेन 21 अक्टूबर को 12:30 बजे गोसाईंबाग मैदान स्थित हेलीपैड श्री बंशीधर नगर पहुंचेंगे. वहां आयोजित नामांकन सभा को संबोधित करेंगे. तत्पश्चात पश्चात 1:30 बजे गोसाईंबाग मैदान स्थित हेलीपैड से गढ़वा के लिए प्रस्थान करेंगे. 1:50 बजे बिरसा मुंडा हेलीपैड पार्क कल्याणपुर गढ़वा में आगमन होगा. यहां से 2:00 बजे गढ़वा अनुमंडल कार्यालय में पहुंचकर मंत्री ठाकुर के नामांकन प्रक्रिया में शामिल होंगे.इसके बाद 2:30 बजे अनुमंडल कार्यालय से निकलकर 2:35 बजे गोविंद उच्च विद्यालय के मैदान में स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे.जहां नामांकन सभा को मुख्यमंत्री संबोधित करेंगे. सोरेन शाम को चार बजे रांची के लिए निकल जाएंगे.

- सीएम सोरेन 21 अक्टूबर को 12 :30 बजे गोसाईंबाग मैदान स्थित हेलीपैड श्री बंशीधर नगर पहुंचेंगे

खुद भाजपा है परिवारवादी और भ्रष्टाचारियों की जमात : कांग्रेस

विशेष संवाददाता ।रांची

कांग्रेस ने भाजपा के प्रत्याशियों के जारी सूची पर तंज कसा है. मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा भाई, बेटा, पत्नी, और पुत्रवधु से ऊपर उठ न सकी. राज्य गठन के बाद से लंबे समय तक राज करने बाली भाजपा की हालत इतनी खराब हो गई कि राज्य में चुनाव लड़ने के लिए सक्षम कार्यकर्ता नहीं मिले. दूसरे दलों के आयातित लोगों को मैदान में लाकर भाजपा ने साबित किया कि उनके दल में लोगों का टोटा है.

परिवारवाद की बात करने वाली भाजपा को जमशेदपुर पूर्वी सीट में वर्षों से संघर्ष कर रहे समर्पित नेता की जगह रघुवर दास की पुत्रवधू पूर्णिमा दास को उम्मीदवार बनाया. पोटका विधानसभा से तीन बार विधायक रही मेनका सरदार को दरकिनार कर मीरा मुंडा को प्रत्याशी बनाया, घाटशिला में बाबूलाल सोरेन को, सिंदरी में बरसों से बीमार चल रहे इंद्रजीत महता की पत्नी को उम्मीदवार बनाया. यह भाजपा की सच्चाई बयां करता है कि स्वार्थ पूर्ति के लिए भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की भी बलि ले सकती है. राज्य को आगे ले जाना भाजपा का एजेंड ही नहीं हे अपने नेता के भाई ,पत्नी, बेटा और पुत्रवधू का भविष्य बनाने में जुटी है.

- भाजपा ने जमशेदपुर पूर्वी में समर्पित नेता की जगह रघुवर दास की पुत्रवधू पूर्णिमा दास को उम्मीदवार बनाया

झारखंड में 30 लाख मुर्गियों का किया जाएगा टीकाकरण

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य में 30 लाख मुर्गियों का टीकाकरण होगा. यह लक्ष्य इसी वित्त वर्ष के लिए रखा गया है. इससे मुर्गियों में होनेवाली रानीखेत बीमारी से मुक्ति मिलेगी. इसका टेंडर 26 अक्तूबर को खोला जाएगा. पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि इच्छुक संस्थान को टीकौषधि प्राप्त करने, संग्रहण एवं टीकाकरण के समय चेन की व्यवस्था संबंधित आधारभूत संरचना का विवरण देना होगा. रानीखेत रोग नियंत्रण के लिए टीकौषधि, सीरिंज इत्यादि विभाग की ओर से मिलेगी.

रानी खेत बीमारी से बचाव के लिए गाइडलाइन भी जारी : रानीखेत बीमारी ठंड में पैर पसारती है. इस बीमारी को न्यू कैसल रोग भी कहा जाता है. इस बीमारी के कारण मुर्गी पालकों को आर्थिक क्षति भी होती है. विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार समय-समय पर मुर्गियों के टीकारण की सलाह दी गई है. मुर्गियों को रखने वाली जगह पर नियमित साफ-सफाई अनिवार्य है. बीमारी से ग्रस्त मुर्गियों को स्वस्थ मुर्गियों से अलग रखने की सलाह दी गई है. दो मुर्गी फॉर्म के बीच कम से कम 15 मीटर की दूरी को अनिवार्य बताया गया है. मुर्गियों के बीमार होने की स्थिति में प्रखंडों के पशुपालन अधिकारी को अवगत कराने की सलाह दी गई है.

रानी खेत बीमारी के क्या हैं लक्षण

- रानी खेत बीमारी से ग्रसित मुर्गियां दो-तीन दिन में हो जाती हैं कमजोर
- **पीड़ित मुर्गियों का दिमागी संतुलन होता है प्रभावित**
- मुर्गियों को सांस लेने में होती है परेशानी

राजनीति | **भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने युवाओं से की अपील, कहा- आपके भविष्य संवारने का मौका है**

वोट डालने जाएं, तो उन लुटेरों को याद रखें

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के युवाओं से अपील की है. कहा है कि झारखंड के चुनाव की तारीखें नजदीक आ चुकी हैं. यह समय है कि हम सभी अपने अधिकारों का इस्तेमाल करें और अपने भविष्य की रक्षा करें. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि जिन्होंने आपके सपनों के साथ खिलवाड़ किया. जो नेता यह सोचता है कि वह आपकी मेहनत का मजाक उड़ा कर बच जाएगा, उसे यह समझाना होगा कि युवा कभी भूलते नहीं हैं.

इस बार चुनाव आपका है, भविष्य आपका है, और फैसला भी आपका होना चाहिए. जब आप 13 और 20 नवंबर को वोट डालने जाएं, तो उन लुटेरों को याद रखें जिन्होंने आपके सपनों की बोली लगाई थी.

उन वादों को याद रखें, जो पूरे नहीं हुए : बाबूलाल ने युवाओं से अपील करते हुए कहा है कि उन वादों को याद रखें जो पूरे नहीं हुए. उन पेपर लीक को याद रखें जिनकी वजह से आपका करियर दांव पर लग गया. यह मौका है उन नेताओं को सबक सिखाने का, ताकि आने वाली कोई भी सरकार यह न भूले कि युवाओं के सपनों से खेलने की सजा सत्ता से बाहर होना है.

चुनाव आपका, भविष्य आपका और फैसला भी आपका होना चाहिए

लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत वोट है

हम लोकतंत्र में जी रहे हैं. लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत आपका वोट है. इसे इस्तेमाल कीजिए और दिखाइए कि झारखंड का युवा अपने सपनों की कीमत समझता है. लूटने वालों को कभी माफ नहीं करता. हम सब मिलकर इस चुनाव को युवाओं के भविष्य का त्योहार बनाएं और झारखंड में एक नई शुरुआत करें. पिछले 5 सालों में हेमंत सोरेन की लापरवाही, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के कारण आप सरकार और संस्थानों से विश्वास खो चुके हैं. आखिर आप उस सरकार पर कैसे भरोसा कर सकते हैं.

आप इस विश्वासघात का लें बदला

बाबूलाल ने लिखा है कि याद कीजिए वह दिन जब ईडी ने सीएम के करीबी के घर से परीक्षा के एडमिट कार्ड बरामद किए थे. कितने अभ्यर्थी ऐसे थे जिनसे पैसे लेकर बाकी छात्रों का भविष्य बर्बाद करने की कोशिश की गई. 5 लाख नौकरियों का वादा, बेरोजगारी भत्ता देने का वादा-पर आज ये वादे कहां हैं? सब हवा में खो गए, और जो बचा है वह है निराशा और हेमंत की विफल सरकार. अब समय आ गया है कि आप इसका बदला लें. यह चुनाव उन लोगों को सबक सिखाने का मौका है.

हेमंत सरकार ने की महिलाओं की अनदेखी

महिलाओं के सम्मान व सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है भाजपा

रांची। बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि चुनाव नजदीक है, माताओं-बहनों को यह फैसला करना होगा कि वे किसके साथ खड़ी होंगी. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि भाजपा की सरकार महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है. कई राज्यों में भाजपा सरकारों ने महिला सुरक्षा के लिए कड़े नियम बनाए हैं. इसके विपरीत, हेमंत सरकार ने महिलाओं के हितों की अनदेखी की है. आदिवासी महिलाओं की जमीन और संसाधनों की लूट को बढ़ावा दिया. यह समय है कि महिलाएं न्याय और सुरक्षा के पक्ष में खड़ी हों और ऐसी सरकार चुनें जो उनके अधिकारों की रक्षा कर सके.

बिगड़ती जा रही महिला सुरक्षा की स्थिति

पिछले पांच वर्षों में झारखंड में महिला सुरक्षा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है. चाहे वह रुबिका पहाड़न का मामला हो या संध्या टोपनो का. आदिवासी महिलाओं पर अत्याचार और शोषण बढ़ा हैं. यहां तक कि पुलिस सेवा की महिलाएं भी इनसे अछूती नहीं रही हैं. जब हेमंत सत्ता में आए थे, महिला सशक्तीकरण के वादे किए थे, लेकिन महिला अपराधों का ग्राफ बढ़ा है.

ब्रीफ खबरें

डोरंडा पुलिस ने छिनतई के आरोपी को किया गिरफ्तार

रांची। डोरंडा थाने की पुलिस ने छिनतई के एक आरोपी को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया है. जेल जानेवाले आरोपी का नाम आनंद कच्छप उर्फ लासा है और वह डोरंडा मनीटोला पोखरटोली का रहनेवाला है. पुलिस के अनुसार आरोपी आंनद ने डोरंडा बाजार के समीप शुक्रवार को एक डिलेवरी ब्वायज से मोबाइल की छिनतई कर फरार हो गया था. इस मामले में डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. पुलिस उस इलाके का सीसीटीवी कैमरा से फुटेज निकाला. उसी आधार पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया. पुलिस के अनुसार आरोपी पर एयरपोर्ट थाने में पहले से तीन मामले दर्ज है.

साजिश और षड्यंत्र का जवाब हटिया की देवतुल्य जनता देगी: अजयनाथ शाहदेव

संवाददाता। रांची

कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव के समर्थन में रविवार को रातू में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैठक का आयोजन किया. कार्यकर्ताओं ने एक स्वर से कहा कि कांग्रेस के महासचिव अजय नाथ शाहदेव पिछले पांच वर्षों से लगातार हमारे सुख दुख में साथ हैं. एक फोन करने पर वे हमारे पास दौड़े चले आते हैं. हमने उनके साथ क़दम से क़दम मिला कर कांग्रेस पार्टी को सींच कर मजबूत किया है और अब जब चुनाव लड़ने की बारी आई, तो विरोधी लोग अजय नाथ शाहदेव का टिकट काटने की साज़िश कर रहे हैं. कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमलोग अजय नाथ शाहदेव के साथ मजबूती से खड़े हैं और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से अनुरोध करते हैं कि साजिश करने वाले नेताओं की पहचान करें और उन्हें पार्टी से किनारे करें. 2019 के विधानसभा चुनाव में भी ऐसे नेताओं ने खुल कर पार्टी उम्मीदवार अजय नाथ शाहदेव को हराने का काम किया था और अब फिर से वे साजिश पर उतर आए हैं. हटिया की जनता वर्तमान भाजपा विधायक से नाखुश है और हर हाल में परिवर्तन चाहती है. ऐसे समय में जब हम जंग जीतने के करीब हैं, तब साजिशन अजय नाथ शाहदेव के खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है.

बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि हटिया की जनता के प्यार और स्नेह ने उन्हें भावुक कर दिया है. आज मुश्किल परिस्थितियों में आम जनता और कार्यकताओं ने मेरा मनोबल बढ़ाने का काम किया है. उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर चलने वाले एक साधारण से कार्यकर्ता हैं. राहुल गांधी जी ने जिस तरह पूरे देश में यात्रा कर भारत के जनता को जोड़ने का काम किया, ठीक उसके उलट स्थानीय नेता पार्टी को तोड़ने और कमजोर करने की साज़िश में लग गए हैं. अजय शाहदेव ने कहा कि मेरे खिलाफ भाजपा में जाने का दुष्प्रचार किया गया, कहा गया कि मैंने भाजपा ज्वाइन कर लिया है. ये सारी बातें फैलाने वाले कोई और नहीं बल्कि हटिया से मेरे टिकट कटवाने वाले मेरे राजनीतिक विरोधी हैं. मैंने इसका खंडन भी किया.

कुछ लोग नहीं चाहते कि कांग्रेस पार्टी की हटिया विधानसभा में जीत हो. वे पार्टी को कमजोर करने का काम कर रहे हैं. वे मेरा टिकट भर नहीं काट रहे बल्कि भाजपा के प्रत्याशी को जिताने का काम भी कर रहे हैं. मैं पूरे समर्पण के साथ कांग्रेस पार्टी में हूं और आगे भी पार्टी की मजबूती के लिए काम करता रहूंगा. हटिया विधानसभा की देवतुल्य जनता आज जिस तरह से मेरे साथ है इससे मेरा मनोबल मजबूत हुआ है. आम जनता और कार्यकताओं का मेरे प्रति स्नेह व निस्वार्थ साथ ही मेरी पूंजी है. मैं धन्य हूं कि इस परिस्थिति में सभी मजबूती से मेरे साथ खड़े हैं। मैं सभी के प्रति कृतज्ञ हूं. मुझे आशा ही नहीं विश्वास है कि पार्टी हटिया विधानसभा में सही निर्णय लेगी.

बैठक को रातू प्रखंड अध्यक्ष कुशल उरांव, नगड़ी प्रखंड अध्यक्ष सहाबीर लोहरा, जिला महासचिव जसीम अंसारी,रातु प्रखंड महिला कांग्रेस अध्यक्ष शकुंतला देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य अमर उरांव, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी, रायमुनी किस्पोट्टा, ज्योति भगत, (मुखिया पुरियो) ने बैठक को संबोधित किया. इस अवसर पर काफी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्तागण व गठबंधन सहयोगी दल के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही.

रातू में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते अजयनाथ शाहदेव.

राज्य प्रभारी ने सभी घोषित उम्मीदवारों से वीसी के जरिए की बात, दिया जीत का मंत्र

रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा के लिए एनडीए की जीत जरूरी : शिवराज सिंह

- जीत की रणनीति पर हुई चर्चा, भाजपा ने बढ़ायी सक्रियता

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव प्रभारी सह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को सभी घोषित प्रत्याशियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात की. इस दौरान शिवराज ने सभी प्रत्याशियों से विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राज्य बना तो इसे बचाने और संवारने की जिम्मेवारी भी हमारी है. रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा नारा नही संकल्प है. स्थानीय मुद्दों, रोजगार, महिला अपराध जैसे गंभीर विषयों पर फोकस करने की सलाह दी. गठबंधन की सरकार के घोटालों, भ्रष्टाचार और नाकामियों को जनता के बीच पहुंच कर उजागर करने की भी बात कही.

जनता एनडीए सरकार बनाने के लिए तैयार बैठी है: प्रदेश चुनाव सह प्रभारी हिमंता विश्वा सरमा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में जनता एनडीए गठबंधन की सरकार प्रदेश में बनाने को तैयार बैठी है. प्रत्याशी स्थानीय मुद्दों के साथ साथ प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएं. प्रत्येक कार्यकर्ता का परिश्रम हमारे लिए उपयोगी है. हम सभी को साथ लेकर चलें और एक बड़े लक्ष्य को साकार करें. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी की उम्मीदों को सभी प्रत्याशी जनता की उम्मीद बनाएं. लोकसभा चुनाव में जनता ने जो ट्रेलर इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों को दिखाया है, उसकी पूरी फिल्म विधानसभा चुनाव में सामने आएगी.

हार देख बौखला गया है झामुमो : प्रतुल शाहदेव

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि अपनी हार को देख कर झामुमो बौखला गया है. वह चुनाव आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठा रहा है. मतगणना के दिन अपनी हार का कारण ईवीएम मशीन को बताएगा. सरकार के 5 वर्षों के कुशासन का अंत होने वाला है. झारखंड मुक्ति मोर्चा को यह बात अच्छे से पता है. इसलिए अभी से हार के बहाने खोज रहा है. जब इन्होंने 2019 में झारखंड का चुनाव जीता और जब उपचुनाव जीता, तब चुनाव आयोग ठीक था. अब हार को देख कर यह आपा खो बैठे हैं.

महागठबंधन बना है लूट और झूठ के सिद्धांत पर

महागठबंधन लूट और झूठ के सिद्धांत पर बना है. अब तक इनके महागठबंधन के सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है. राजद ने इनको औकात दिखाना शुरू कर दिया है. राजद ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक कोलकाता बिकने जाते हैं. 5 वर्षों तक इन्होंने शासन किया, लेकिन कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम नहीं बना पाए. इनका जो कॉमन मिनिमम प्रोग्राम था, वह कोयला, बालू,लोहा और पत्थर की लूट और ट्रांसफर पोस्टिंग उद्योग था. जिनकी जितनी लूट में हिस्सेदारी ,उसकी उतनी सीटों पर भागीदारी के फॉर्मूला के आधार पर अब तक महागठबंधन को सीटों का बंटवारा कर लेना चाहिए था. झारखंड मुक्ति मोर्चा के इन बहानों को जनता अच्छे से समझती है और जल्द ही झारखंड के इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार का पटाक्षेप होने वाला है.

सभी विधानसभा सीटों पर खिलेगा कमल: संजय सेठ

- कार्यकर्ता कमर कस कर तैयार हो जाएं

संवाददाता। रांची

भाजपा रांची विधानसभा के सात सांगठनिक मंडलों की विस्तारित बैठक रविवार को महानगर अध्यक्ष वरूण साहू की अध्यक्षता में हुई. बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि कार्यकर्ता कमर कस कर तैयार हो जाएं. इस बार पूरे झारखंड में एनडीए की लहर है. रांची सहित पूरे 81 विधानसभा में कमल खिलना तय है. हेमंत सरकार के वादाखिलाफी के खिलाफ जनता गोलबंद हो चुकी है. इस बार सरकार की विदाई तय है.

बैठक में ये रहे मौजूद: बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह, हरविंद्र सिंह बेदी, संजय जयसवाल, मुकेश मुक्ता, राजेंद्र केशरी, प्रेम मित्तल, ललित ओझा, राजू सिंह, बसंत दास, संजीव चौधरी, विनय सिंह, राहुल चौधरी, ओम प्रकाश, अशोक यादव, देवेंद्र शर्मा, सोनू सिंह, अश्विनी सिखुजा, राकेश शर्मा, पायल सोनी, युवराज पासवान, रवि मुंडा, ओम प्रकाश पांडेय, अशोक मिश्रा, विनोद महतो, सूर्य प्रताप, सुजीत शर्मा, ऋषभ गखड़, आनंद वर्मा, जितेंद्र पांडे, शाश्वत दुबे सहित सभी मंडल के पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, सभी शक्ति केंद्र के संयोजक, सह संयोजक, प्रभारी एवं बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे.

पार्टी ने 7 वीं बार जनसेवा का मौका दिया है: सीपी सिंह

भाजपा प्रत्याशी सीपी सिंह ने कहा कि पार्टी ने मुझे 7 वीं बार जनसेवा का मौका दिया है. हम जनता के आकांक्षाओं पर खरा उतरेंगे. उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर जनसंपर्क करने का आह्वान किया. महानगर अध्यक्ष वरूण साहू ने कहा कि इस बार रांची महानगर के सभी 4 सीटों पर महानगर के कार्यकर्ता कमल खिलाने के लिए तैयार हैं.

झारखंड में पेसा कानून 1996 के अनुरूप नियमावली बनाने की उठी मांग

संवाददाता रांची

जनजाति सुरक्षा मंच के लोगों ने रविवार को प्रांतीय कार्यालय आरोग्य भवन बरियातू में संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 में अनुसूचित जनजातियों की 28 आरक्षित सीटों पर धर्मांतरित लोगों को टिकट नहीं दें. यदि धर्मांतरित लोगों को आरक्षित सीटों पर राजनीतिक पार्टी टिकट देती हैं, तो जनजाति सुरक्षा मंच उन्हें हराने का कार्य करेगा.

डिलिस्टिंग बिल विधानसभा से पास करके केंद्र को भेजना सुनिश्चित करना होगा. डीलिस्टिंग यानी जो जनजाति अपनी रूढ़ि प्रथा संस्कृति, रीति रिवाज परंपरा को छोड़ कर ईसाई या इस्लाम धर्म अपना लिए हैं, वैसे लोगों को अनुसूचित जनजाति का सदस्य से हटाया जाना चाहिए. अर्थात वैसे धर्मांतरित लोगों को अनुसूचित जनजाति का आरक्षण का लाभ न दिया जाए.

झारखंड में पेशा कानून 1996 के अनुरूप झारखंड में नियमावली शीघ्र बनाया जाए. वर्तमान समय में जो जाति प्रमाण पत्र निर्गत हो रहा है, उस जाति प्रमाण पत्र में पिता के नाम के साथ-साथ पति का नाम होना अनिवार्य किया जाना चाहिए. जाति प्रमाण पत्र में पिता का नाम दर्ज हो रहा है, जिसके कारण जनजातियों का धर्मांतरण तेजी से हो रहा है. मौके पर संयोजक संदीप उरांव, जगरनाथ भगत जिला संयोजक जनजाति सुरक्षा मंच, मेघा उरांव प्रवक्ता, राजू उरांव, सन्नी उरांव, साजन मुंडा,विशु उरांव, दुर्गा उरांव, मीडिया प्रभारी सोमा उरांव वगैरह उपस्थित थे.

ये मांगें की गईं

- जाति प्रमाण पत्र में पिता के नाम के साथ पति का नाम होना अनिवार्य किया जाए.
- राज्य में अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन किया जाए.
- राज्य में रिक्त पड़े पदों पर रोस्टर के अनुसार ही नियुक्ति की जाए.
- राज्य में अनुसूचित जनजाति मंत्रालय बनाया जाए.
- झारखंड पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में आता है. राज्य में वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी नहीं होना चाहिए.
- पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में चर्च और मस्जिद नहीं बनाई जा सकती है.
- सीएनटी एसपीटी एक्ट कानून को शक्ति से लागू किया जाए.
- धर्म निषेध बिल 2017 को शक्ति से लागू किया जाए, ताकि धर्मांतरण पर रोक लगाई जा सके.
- झारखंड प्रदेश में बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर निकाला जाए.
- ट्राइबल सब प्लान का राशि का पैसा को चर्च, ईसाई, मुसलमान समुदाय में खर्च नहीं किया जाए.
- राज्यपाल के अधीन जनजाति सलाहकार समिति बनाई जाए.
- शहीदों के वंशजों को विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाए.

ऑनलाइन दवा बिक्री का विरोध करता रहेगा जेसीडीए

संवाददाता। रांची

झारखंड केमिस्ट केमिस्ट्स एंड ड्रजिस्ट एसोसिएशन (जेसीडीए)रांची हमेशा से ऑनलाइन दवा की बिक्री का कड़ा विरोध करता रहा है और करता रहेगा. यह जानकारी जेसीडीए रांची के वाइस प्रेसिडेंट और ट्रेजरर उमेश कुमार श्रीवास्तव ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी. जेसीडीए रांची की कार्यकारिणी समिति सभा तथा आम सभा के बाद हुए प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऑन लाइन बिक्री का देश के खासकर युवा पीढ़ी, बच्चे-बच्चियां एवं महिलाओं पर जबर्दस्त बुरा प्रभाव पड़ रहा है. वे ऐसी दवा का उपयोग भी धड़ल्ले से कर ले रहे हैं, जिनपर प्रतिबंध लगा है.

उन्होंने बताया कि झारखंड प्रदेश में कुल 18000 खुदरा दवा दुकानें तथा 8000 होलसेल की दुकानें हैं, जिसमें फार्मासिस्ट की संख्या लगभग 8500 है. अतः 18000 खुदरा दवा दुकानदार अस्थिरता की स्थिति से गुजर रहे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा फार्मासिस्ट से संबंधित परेशानियों का समाधान नहीं किया जाता तो अधिकतर दवा दुकान बंदी के कगार पर पहुंच जाएंगे और अंततः संगठन को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा. मौके पर एग्जीक्यूटिव जनरल सेक्रेटरी सुभाष चंद्र मंडल ने कहा कि ऑनलाइन फार्मेसी तथा परचून की दुकान पर दवा बेचने की सरकार की नीति की हम जमकर आलोचना करते हैं. सभा में धनबाद केमिस्ट ललित अग्रवाल, जमशेदपुर केमिस्ट आशीष चटर्जी तथा डालटनगंज केमिस्ट धर्मेंद्र उपाध्याय ने अपने विचार रखें.

सभी बूथों पर एमएमएफ होना जरूरी : उपायुक्त

संवाददाता। रांची

रांची डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन ने रविवार को समाहरणालय में सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी, बीडीओ, सीओ के साथ विधानसभा चुनाव 2024 से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की. इस दौरान डीसी ने संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश का पालन सुनिश्चित रूप से कराने का निर्देश दिया गया.

डीसी ने चुनाव से जुड़े सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मतदान केंद्रों में (एमएमएफ) सुनिश्चित रूप से हो, जिसमें संकेत-सूचक, हैल्प डेस्क, शौचालय, पीने का पानी, अलग-अलग प्रवेश एवं निकास द्वार, प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर, रैंप यह सभी चीजें मतदान केंद्रों में सुनिश्चित रूप से हो यह सुनिश्चित पहले से कर ले. साथ ही सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी भौतिक सत्यापन जा कर लें. इसके अलावा किन मतदान केंद्रों में एमएमएफ की सुविधा है, कहा वैकल्पिक व्यवस्था उनके द्वारा की जा रही हैं, उसकी सूची बना ले. डीसी ने विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को वैसे संवेदनशील बूथों की सूची बना लें, जहां पूर्व में चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना या कोई विवाद हुआ हो. इसकी सूची जल्द बना लें.

मतदान केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था अच्छी हो : डीसी ने कहा की मतदान केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था अच्छी रहे, इसे लेकर संबंधित थाना प्रभारी के साथ बैठक करते हुए समन्वय बना लें. साथ ही संवेदनशील बूथों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल रहे यह सुनिश्चित कर लें. उन्होंने ए कहा कि सभी रुट चार्ट को बेहतर से देख लें, जहां बड़ी गाड़ी मतदान केंद्रों में नहीं पहुंच पाए, वहां छोटे वाहन दें. पोलिंग पार्टी को ईवीएम लेकर ज्यादा नहीं चलना पड़े इस पर विशेष ध्यान दें. बैठक में डीडीसी दिनेश कुमार यादव, एसडीओ उत्कर्ष कुमार एवं सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी,सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी उपस्थित थे.

15 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाकपा

22 को प्रत्याशियों की घोषणा : रामकृष्ण

- सांप्रदायिक शक्तियों को सत्ता में आने से रोकना पार्टी का लक्ष्य
- धर्मनिरपेक्ष ताकतों के साथ चुनाव लड़ना चाहती है भाकपा

संवाददाता रांची

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी झारखंड राज्य परिषद की दो दिवसीय बैठक पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता की अध्यक्षता में रविवार को संपन्न हुई. इसमें मुख्य रूप से पार्टी के महासचिव डी राजा, राष्ट्रीय सचिव झारखंड सह प्रभारी रामकृष्ण पांडा शामिल थे. बैठक की शुरुआत दिवंगत साथियों के सम्मान में 1 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई. सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड में वाम एवं धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ा जाएगा. राज्य की सभी धर्मनिरपेक्ष पार्टियों की जवाबदेही है कि सभी धर्मनिरपेक्ष दल एक सूत्र में बंधकर चुनाव लड़ें.

राजा ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदाओं पर कॉर्पोरेट घरानों और भाजपा की नजर है, जो झारखंड की मिनरल्स को लूटना चाहती है. इसीलिए भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में आने से रोकने के लिए हम सभी प्रयास करेंगे. सर्वसम्मति से प्रथम फेज के 15 विधानसभा क्षेत्रों का चयन किया गया. अगर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो भाकपा राज्य में 15 सीटों से चुनाव लड़ेगी. वहीं झारखंड प्रभारी रामकृष्ण पांडा ने कहा कि यहां भाजपा सत्ता में आने का प्रयास कर रही है. हमारा एक ही लक्ष्य है, झारखंड को गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पलायन से बचाना है. 22 अक्टूबर को भाकपा 15 विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करेगी. मौके पर पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, सचिव महेंद्र पाठक, कार्यालय सचिव अजय सिंह, केडी सिंह, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य पीके पांडे, सुजीत घोष, इम्तियाज खान मौजूद थे.

मांग ओबीसी की आबादी 55% है और राज्य स्तर पर आरक्षण 14 % मिल रहा है

ओबीसी को जनसंख्या अनुपात में भागीदारी मिले : मोर्चा

संवाददाता। रांची

केंद्र सरकार की भेद- भावकारी नीतियों के कारण केंद्र और राज्य के उच्च पदों (सचिव स्तर) पर ओबीसी के अधिकारियों की भागीदारी शून्य के करीब है. ये बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने संविधान सम्मान सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी के समक्ष कहीं. उन्होंने झारखंड राज्य में ओबीसी के प्रमुख मुद्दे को उठाते हुए कहा की ओबीसी की आबादी 55% है और राज्य स्तर पर आरक्षण 14 % मिल रहा है. 7 अधिसूचित जिलों में ओबीसी का आरक्षण शून्य है. इसका समाधान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी अनुशंसा में दिया है. जिसके अनुसार आयोग द्वारा पिछड़ों को 36 से 50% आरक्षण मिले . गुप्ता ने राहुल गांधी के सामने ओबीसी स्वतंत्र मंत्रालय गठन करने, मंडल कमीशन की सभी अनुशंसा को लागू करने, राज्य में राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने की भी मांग की. देशभर के सरकारी विश्वविद्यालयों में ओबीसी के असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर की नियुक्ति में योग्य अभ्यर्थियों को चयन समिति द्वारा अयोग्य (एनएफएस) घोषित कर दिया जाता है. साथ ही वर्तमान में कुलपति पद पर ओबीसी के अभ्यर्थियों को नियुक्त नहीं किया जा रहा है.ओबीसी के समस्याओं के पूर्व राज्यसभा सदस्य अली अनवर साहब, प्रो. विनय भारत, सामाजिक कार्यकर्ता सरिता प्रजापति, दीपक महतो थे. संविधान सम्मान सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी डॉ अनिल जय हिंद ने किया. जबकि मंच का संचालन सुभाषिनी यादव ने किया. मौके पर मिशन जय भीम के राष्ट्रीय संरक्षक सह पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम, दलित नेकडोर के संस्थापक अशोक भारती,राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष उमेश जैसवाल, महासचिव, लाल बिहारी यादव, भानु कुमार, प्रभात शर्मा, सिद्धनाथ सिंह, विष्णु कुमार, अजय यादव, शिव प्रसाद साहू, वसीम अहमद, रामअवतार कश्यप, सुनील जायसवाल आदि उपस्थित थे.

सम्मेलन में अपने विचार रखते ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष राजेश गुप्ता.

खास बातें

- संविधान सम्मान सम्मेलन में बोले मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष
- मंडल कमीशन की सभी अनुशंसा को लागू हो

आने वाले समय में भाजपा को नुकसान हो सकता है

संवाददाता। रांची

मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वे चाहते थे कि मूलवासी सदान मोर्चा एक सामाजिक संगठन है और उसके लोग राजनीति पार्टी से जुड़े रहें, वैसे लोगों को भी राजनीतिक दल कुछ टिकट दें, जो हमेशा झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में शामिल रहे हैं और मूलवासी सदानों, पिछड़ों, दलितों और झारखंड के हितों के लिए लड़े हैं. लेकिन दुर्भाग्यवश भाजपा के प्रदेश के नेताओं ने इन मांगों को दरकिनार कर दिया. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि भाजपा जैसी पार्टी केवल एक वर्ग की बात करेगी और अपने मूल वोटर को दरकिनार करती है, तो आने वाले समय में भाजपा को नुकसान हो सकता है. उन्होंने कहा कि वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से कहा थे, जेडीयू और लोजपा का झारखंड में कोई जनाधार नहीं है और उनकी पार्टी ने झारखंड अलग राज्य का विरोध किया था. ऐसे में भाजपा इन दोनों दलों से समझौता करती है तो फिर यहां के मूलवासी सदान आदिवासी इन दलों को वोट नहीं करना चाहेंगे.

सामान्य सीटों पर आदिवासी को उम्मीदवार बनाने पर भी राजेंद्र प्रसाद ने उठाये प्रश्न

केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि मूलवासी सदान पहले से ही 112 प्रखंडों में मुखिया, प्रमुख और जिला परिषद अध्यक्ष नहीं बन सकता हैं. पांच लोकसभा और 28 विधानसभा सीटों पर मूलवासी सदान चुनाव नहीं लड़ सकते हैं. ऐसे में सामान्य सीट में भी आदिवासी को ही टिकट मिलेगा तो मूलवासी सदान कहां जाएंगे. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि राजधनवार, से पहले से ही बाबूलाल मरांडी चुनाव लड़ रहे हैं और अब भाजपा ने सीता सोरेन को सामान्य सीट जामताड़ा से उम्मीदवार बना दिया है. वहीं जेएमएम ने भी गांडेय से कल्पना सोरेन को उम्मीदवार बना कर विधायक बनाया है. ऐसे में मूलवासी सदान कहां जाएं, मूलवासी सदान सिर्फ वोट देने के लिए नहीं है.

रखा निर्जला उपवास, सोलह सिंगार कर की गणेश, उमा माहेश्वर तथा चंद्रदेव की पूजा अर्चना, शाम को किया चांद का दीदार

सुहागिनों ने किया करवा चौथ, ताकि सलामत रहे सुहाग

संवाददाता।रांची

कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्थी तिथि के अवसर पर रविवार को सुहागिनों ने करवा चौथ किया, ताकि सलामत रहे उनका सुहाग. इस क्रम में उन्होंने निर्जला उपवास रख कर व्रत किया और पति के दीर्घायु होने की कामना की. उन्होंने भगवान श्री गणेश, शिव पार्वती और चंद्र देव से खुशहाल वैवाहिक जीवन का वर मांगा. व्रती सुहागिनें उपवास रखकर आराधना में रमी रहीं. पुए-पकवान बनाए. शाम ढलते ही सोलह सिंगार कर नाम निष्ठा से पूजा-अर्चना की. शाम 7:45 के बाद चंद्रोदय में चने की वोट से चंद्र देव का दर्शन किया. फिर चलनी में चांद के साथ अपने पति के दर्शन किये. इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोला. इसके बाद बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया.नगर के पीपी कंपाउंड तथा रातूरोड की श्रीकृष्णा नगर कॉलोनी जैसे पंजाबी बहुत इलाकों में इस पर्व की धूम रही. नव विवाहिताओं के दिए यह दिन और भी अधिक खास रहा. पति और परिवार के लोगों ने उपहार दिए. उपहार मिलने से सुहागिनों का उत्साह चरम पर रहा. श्रीकृष्णानगर कॉलोनी के राधाकृष्ण मंदिर में करवा चौथ व्रत महिलाओं भीड़ एकत्र हो गयी, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की. इसमें मंदिर के पुजारी पं. पुरुषोत्तम गोस्वामी और ज्ञानदेव मिश्र ने पूजा-अर्चना करायी. पूजा अर्चना के बाद व्रती महिलाओं ने रात्रि सात बजकर 40 मिनट पर चांद का दीदार किया।ओवरब्रिज स्थित पंजाबी भवन में पंजाबी बिरादरी महिला मंच की ओर से कारवा चौथ की सामूहिक पूजा हुई. 40 से ज्यादा सुहागिन महिलाओं नले करवा स्थापित कर अखंड सौभाग्य के लिए पूजा कीं. इसके बाद सुहागिनें पांच बार थाल बांटी और इसी बीच कथा भी सुनी. विवाहिताओं, जिनका पहला करवा चौथ व्रत था, उनमें उत्साह देखते बनता था. डोरंडा चौक स्थित शिवालिक ग्रीन व्यू अपार्टमेंट में बड़ी संख्या में सुहागिनों ने करवा चौथ व्रत रखा और संध्या में मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की, जिसे पंडित अनुज रंजन मिश्रा ने संपन्न कराया. रीता चावला, ज्योति चावला, चंदा कुमारी, बिंदु सिंह, उमा देवी, मनप्रीत चावला, सिल्की अजमानी, शीतल राजपाल, मुस्कान सुनेजा, वीणा चौधरी, सोनिया चुग, डॉक्टर सोनल रंजन, निधि, सायना, शशि सेठ, निकिता पुरी व अन्य शामिल थीं.

ब्रीफ खबरें

दो दिवसीय रक्तदान शिविर का हुआ समापन

रांची। महत्तम महोत्सव के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय रक्तदान शिविर समापन रविवार को हुआ. इस दो दिवसीय कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने उत्साह से भाग लिया. इस शिविर को आयोजन दो स्थानों पर इंडस्ट्रियल एरिया और दिगंबर जैन भवन, हरमू रोड में किया गया था. शिविर में विधायक सीपी सिंह जी और माननीय सांसद महुआ माजी ने भी भाग लिया.

यूनियन बैंक में भर्ती के लिए बनाया जाएगा दबाव

रांची। यूनियन बैंक इम्पलाइज एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक रविवार को हुई, जिसमें ऑल इंडिया यूनियन बैंक के एआईबीईए के महामंत्री एवं एआईबीईए यूनियन के उपाध्यक्ष कर्नल एन. शंकर शामिल हुए. उन्होंने अपने संबोधन में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वर्तमान हालत पर विस्तृत जानकारी दी. साथ ही बैंक के संख्या बल पर भी चिंता जाहिर की. उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि सभी पदों पर बैंक में जरूरत के अनुसार भर्ती करने के लिए बैंक प्रबंधन पर दबाव बनाकर बात की जाएगी. अंचल प्रमुख बैजनाथ सिंह, रीजनल प्रमुख आलोक कुमार ने सभी बैंक और बैंक कर्मियों को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया.

हिंदू राष्ट्र अधिवेशन का समापन, 200 संगठनों ने निभायी सहभागिता

अधिवेशन के अंतिम दिन कई ज्वलंत मुद्दों पर विचार मंथन

संवाददाता।रांची

स्थानीय होटल ग्रीन होराइजन में आयोजित दो दिवसीय हिंदू राष्ट्र अधिवेशन के अंतिम दिन कई ज्वलंत मुद्दों पर विचार मंथन हुआ, जिनमें धर्मपरिवर्तन, लैंड जिहाद, वक्फ बोर्ड 1995, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के कानूनी समाधान आदि शामिल रहे. अधिवेशन में प्रतिनिधियों ने काशी एवं मथुरा के श्री कृष्ण मंदिर, गोशाला, कुतुब मीनार आदि से संबंधित कोर्ट केस की वर्तमान स्थिति और आगे की रूपरेखा क्या होगी , माइनॉरिटी को कैसे परिभाषित किया जाए, इन विषयों पर चर्चा की गई. घुसपैठ के माध्यम से डेमोग्राफिक चेंज करने का जो षड्यंत्र चल रहे उसके खिलाफ कानूनी रणनीति भी बनाई गई. यह जानकारी काशी के ज्ञानवापी, मथुरा के श्रीकृष्णभूमि आदि प्रमुख हिंदू मंदिरों के मुकदमा लड़ने वाले "हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस'' के प्रवक्ता तथा सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने रविवार को प्रेस वार्ता में दी.

इस अवसर पर बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का प्रयास कर रहे, बांग्लादेश माइनॉरिटी वॉच के संस्थापक अधिवक्ता रवींद्र घोष, विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत के अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत एवं सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस, हिंदू जनजागृति समिति के पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत के राज्य समन्वयक श्री. शंभू गवारे उपस्थित थे.

खास बातें

- घुसपैठ के खिलाफ बनायी गयी कानूनी रणनीति
- हिन्दूहित के उपक्रमों को गति प्रदान करना ही मुख्य उद्देश्य

इस अवसर पर पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत के राज्य समन्वयक श्री शंभू गवारे जी ने बताया कि हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के उद्देश्य से हिन्दूहित के उपक्रमों को गति प्रदान करने के लिए 'हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन' का आयोजन किया गया, जिसका समापन रविवार को हुआ. इसमें बांग्लादेश, झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के 70 से अधिक संगठनों के पदाधिकारी अधिवक्ता, संतजन, मंदिर न्यासी, उद्योगपति, पत्रकार एवं संपादक आदि 200 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे.

हिंदू समाज की सुरक्षा के लिए सभी हिंदुत्ववादी एकत्रित आकर कार्य कर पाए, इस उद्देश्य से ''हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति'' का गठन हुआ है.

विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत के अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने कहा, जो कार्य हिंदू सनातन समाज को मजबूत करने के लिए होंगे. विश्व हिंदू परिषद सदैव ऐसे कार्य में सहयोग देगा और सदैव साथ खड़ा रहेगा. सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री चेतन राजहंस ने कहा ,वर्त्तमान में बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत सरकार समयबद्ध कदम उठाए, इस हेतु से हम केंद्रीय सरकार से आग्रह करते हैं और मंदिर मुक्ति अभियान का पूर्ण समर्थन करते हैं ।

धूमधाम से मनेगी छठ पूजा, सभी तालाबों की सफाई करने की मांग

रांची। स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति की वार्षिक बैठक रविवार को सम्पन्न हुई. बैठक में 65 वें वर्ष छठ पूजा को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में वर्ष 2022 के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया. इस मौके पर छठ पूजा की नयी कमेटी का गठन किया गया. बैठक में स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने इस वर्ष छठ पूजा को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर निगम से आग्रह किया कि पूजा से पहले बड़ा तालाब समेत अन्य सभी तालाबों की साफ सफाई कराई जाए. स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति की नयी कमेटी के मुख्य संरक्षक राजीव रंजन मिश्र तथा विनय सरावगी बनाये गये. संरक्षक शंकर दुबे, कैलाश केसरी, अशोक पुरोहित, शमशेर आलम, प्रणय कुमार, रमेश सिंह, साहेब अली, सुशील केजरीवाल, संयोजक रतन जालान, किशोर साहू, गोपाल पारीक, सूरजभान सिंह अध्यक्ष राम अनुज सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश केडिया, महामंत्री बंटी सिंह, मंत्री दीपू गाड़ी, उपाध्यक्ष- लंकेश सिंह, राहुल सिन्हा, विशाल मिश्रा, मनोज शर्मा, मो रॉकी, मनीष मिश्रा, सहमंत्री नंद किशोर चांगल, अभिनव आनंद, गोपाल चांगल, मो परवेज़, प्रकाश पाल, इंदर सिंह घोषित किये गये.

रांची महानगर काली पूजा समिति की बैठक संपन्न

मुख्य संरक्षक आलोक कुमार और विनय सिंह बने अध्यक्ष

- पुरानी कमेटी भंग, नयी कमेटी का गठन

संवाददाता।रांची

रांची महानगर काली पूजा समिति के तत्वावधान में कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें काली पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. इस बैठक में तूफान क्लब करम टोली, गोशाला चौक काली पूजा समिति, महाकाली पूजा समिति कचहरी रोड, श्री काली पूजा समिति महावीर चौक, स्टूडेंट क्लब लालपुर, देवी मंडप काली पूजा समिति, यंग स्टूडेंट क्लब करमटोली, भवानीपुर काली पूजा समिति डोरंडा सहित 61 पूजा पंडालों ने भाग लिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी नंदकिशोर सिंह चंदेल जी ने की.

काली पूजा की सफलता के लिए पुरानी कमेटी को भंग करते हुए नए कमेटी का गठन हुआ, जिसमें विनय सिंह आठवीं बार अध्यक्ष बनाये गये. वहीं मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे तथा वरिष्ठ संरक्षक शंकर दूबे, राजीव चटर्जी, संरक्षक लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. राजेश गुप्ता छोटू, युवराज पासवान, अमर नाथ सरकार, मंटू वर्मा, विजय वर्मा, दीपक ओझा, श्रवण कुमार, महासचिव विश्वेश तिवारी, मुख्य सलाहकार नंदकिशोर सिंह चंदेल, वरीय उपाध्यक्ष कन्हैया सोनी, उपाध्यक्ष विकास कुमार, बंटी वर्मा, धीरज वर्मा, करण सिंह, अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, आकाश रजक,यश वर्मा, बबलू वर्मा, पप्पू वर्मा, मंटू वर्मा, अजीत सिंह टिंकू, कुमार बंटी, सचिव वीरेंद्र गोप, सचिन मिर्धा, कुमार कुषार, नवरतन साव, प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी नमन भारतीय एवं शिव किशोर शर्मा बनाये गये.

अग्रसेन भवन में प्रतियोगिताएं, 2000 बच्चों ने भाग लिया

रांची । अग्रवाल सभा रांची के तत्वावधान में 48 वें श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के शुभ अवसर पर रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में अंतर विद्यालय चित्रकला एवं जस्ट ए मिनट भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 2000 बच्चों ने भाग लिया. प्रतियोगिताओं का उद्घाटन सभा के पूर्व अध्यक्ष विनोद कुमार जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया. इसके बाद बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता चार वर्गों में आयोजित की गई. जस्ट ए मिनिट भाषण प्रतियोगिता कक्षा 8 से 10 तक के बच्चों के लिए थी.
उप मंत्री निर्मल बुधिया ने बताया कि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 4 नवंबर को एक विशेष समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा. विजेताओं को फोन के माध्यम से सूचित किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रूपा अग्रवाल , रीना सुरेखा, उर्मिला पड़िया, प्रीति पोद्दार, शोभा हेतमसरिया, सीमा पोद्दार, छाया अग्रवाल, प्रीति फोगला, प्रीति बंका, प्रीति केडिया, निधि सर्राफ, कविता सर्राफ, राजेंद्र केडिया, पवन पोद्दार, नंदकिशोर पाटोदिया, प्रभाकर अग्रवाल आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया.

6वां स्थापना दिवस, बोले पूर्व न्यायाधीश सरयू प्रसाद

जागरूकता के अभाव में वैश्य समाज अपने अधिकारों से वंचित

संवाददाता।रांची

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का छठा स्थापना दिवस रविवार को कचहरी स्थित आलोका सभागार में मोर्चा अध्यक्ष महेश्वर साहु की अध्यक्षता में हुई. अतिथियों ने छह पाउंड का केक भी काटा. इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि सह पूर्व न्यायाधीश सरयू प्रसाद समेत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. सभी अतिथियों को वैश्य मोर्चा की ओर से स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया गया. मौके पर पूर्व न्यायाधीश सरयू प्रसाद ने कहा कि झारखंड में वैश्य समाज बहुत बड़ी आबादी है. लेकिन जागरूकता के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित है.

बिहार के वैश्य नेता जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि मैं वैश्य मोर्चा के कार्यक्रमों से काफी प्रभावित हूं. जो भी बिहार के वैश्य झारखंड में रहते हैं, वे वैश्य मोर्चा से जुड़ें. वरिष्ठ पत्रकार नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि वैश्यों में बड़ी ताकत का संचार हुआ है. यह सब वैश्य मोर्चा के आंदोलन और कार्यक्रमों की देन है. केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि संगठन बनाना बहुत आसान है, लेकिन संगठन के मुद्दों और विचारधारा के साथ चलते रहना बेहद कठिन है. वैश्य मोर्चा के सदस्यों ने इसी कठिन काम को निरंतर आगे बढ़ाने का काम किया है. मौके पर हाइकोर्ट के अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, सहदेव चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, रेखा मंडल, प्रमोद चौधरी, संजीव चौधरी, सुरेश साहु, आदित्य नारायण प्रसाद ने भी अपने विचार रखा.

दुर्गा मां की आराधना से हमें अद्भुत शक्ति मिलती है : विधायक

रांची। एचईसी स्थित यंग ब्वॉयज क्लब दुर्गा पूजा समिति की समीक्षा बैठक रविवार को दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर हुई. इस अवसर पर आभार सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में खिजरी विधायक राजेश कच्छप शामिल हुए. उन्होंने कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियां आंतरिक ऊर्जा का मुख्य स्रोत हैं. दुर्गा मां की आराधना से हमें अद्भुत शक्ति मिलती है. उन्होंने दुर्गा पूजा के भव्य व ऐतिहासिक आयोजन के लिए यंग ब्वॉयज क्लब के सभी पदधारियों, सदस्यों समेत सेक्टर तीन के निवासियों व श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया. क्लब के संरक्षक व कांग्रेस नेता सुनील कुमार सहाय ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी दुर्गा पूजा का सफल आयोजन किया जाना सराहनीय है. पूर्व पार्षद सुचिता रानी राय ने कहा कि धर्म और आध्यात्म के प्रति खासकर युवा पीढ़ी का रुझान जरूरी है. युवा हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के सशक्त संवाहक हैं. उन्होंने दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर क्लब के पदधारियों, सदस्यों, सेक्टर 3 के निवासियों सहित श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया.

न्यूज अपडेट

बरवाडीह पल्ली में 54 बच्चों का दृढ़ीकरण संस्कार

रांची। डालटनगंज धर्मप्रांत के बरवाडीह पल्ली में आर्चबिशप थियोडोर मस्कारेन्हास द्वारा 54 बच्चों को दृढ़ीकरण संस्कार प्रदान किया गया. इसअवसर पर आर्चबिशप ने कहा कि दृढ़ीकरण संस्कार द्वारा विश्वास मजबूत किया जाता है. जब यह विश्वास मजबूत होगा, तभी कलिसिया दूसरों की सेवा प्रभु के नाम पर कर सकेंगे. यह सेवा परिवार से शुरू होती है. इसलिए माता-पिता का आज्ञाकारी बनें. अपने अच्छे आचरण में जीवन यापन करे. दूसरों की भलाई करें. अपनी पढ़ाई ईमानदारी से करें. प्रभु के प्यार में आगे बढ़ें. प्रार्थना द्वारा ईश्वर से जुड़े रहें, क्योंकि इसी से हमें शक्ति मिलती है. बिशप स्वामी ने सभी बच्चों के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. उन्होंने मिस्सा के तुरंत बाद दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण करने वाले बच्चों को बधाई दी.

प्रभु ने हमें प्रसन्न जीवन के लिए बुलाया : थियोडोर

राची। संत जूली स्कूल बालूमाथ में सिस्टर मेरी पूनम का रजत जयंती हर्षोल्लास से मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत विनती प्रार्थना से की गई. इस अवसर पर डालटनगंज धर्मप्रांत धर्माध्यक्ष बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास ने मुख्य अनुष्ठान कर्ता के रूप में मिस्सा बलिदान अर्पित किया. उन्होंने कहा कि प्रभु ने हमें प्रसन्न जीवन जीने के लिए ही धरती पर बुलाया है. इससे पहले संत जूली कॉन्वेंट स्कूल प्रांगण तक बिशप स्वामी और सिस्टर पूनम का जोरदार स्वागत किया गया. बिशप स्वामी ने कहा कि प्रभु ने अपने सिस्टर पूनम को प्रसन्न मन से दूसरों की सेवा करने के लिए बुलाया हैं, क्योंकि प्रभु दूसरों की सेवा करने वालों को प्यार करते हैं. सिस्टर पूनम ने अपने 25 साल के धर्म संघीय जीवन में पूरा किया।

श्री काली पूजा आयोजन महासमिति का भूमि पूजन

रांची। मेन रोड स्थित श्री काली पूजा आयोजन महासमिति के तत्वावधान में रविवार को विधि-विधान से मां काली के पूजा पंडाल के लिए भूमि पूजन किया गया. इस बार काली पूजा में कलकत्ता के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मां काली की मूर्ति बनाई जाएगी एवं बंगाल से ढाक मंगाया जाएगा. पूजा के अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. मौके पर चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा के मुख्य संरक्षक जैनेंद्र प्रसाद, सचिव रामानंद ठाकुर, कमलेश कुमार अरोड़ा, काली पूजा समिति की अध्यक्ष अर्चना मिर्धा, मुख्य संरक्षक राजेश साहू समेत अन्य शामिल थे.

धर्म के प्रति संगठित रहने की आवश्यकता : जयनाथ

रांची । रविवार को हिंदू सनातन एकता मंच का कमड़े अशोका बैंकेट हाल में संगठनात्मक बैठक हुई. इस बैठक में सनातन धर्म को सामंजस्यपूर्ण आगे बढ़ाने की चर्चा हुई.जय नाथ पांडेय ने कहा कि अपने धर्म के प्रति सजग और संगठित रहने की आवश्यकता है और सभी सनातनी भाई को उठकर हिंदुत्व को बचाए रखना है. हम सब एक रहेंगे तो नेक रहेंगे. सनातन धर्म को एक सूत्र में बांध कर कैसे रखा जाए, इस पर विचार विमर्श किया गया. सामाजिक कार्य और सेवा कार्य को आगे बढ़ाने की बात हुई और हिंदू सनातन एकता मंच को हर मुहल्ला, मंदिर और ग्रामीण इलाकों में बैठक कर संगठित को लेकर चर्चा भी हुई. अंत में संगठन के लोगों ने जय-जय श्रीराम के नारे लगाएं, जिससें पूरा हॉल गूंज उठा. इस कार्यक्रम में जय नाथ पांडेय, देवेन्द्र सिंह, लक्ष्मी, दिनेश, रौशनजी आदि लोग शमिल थे.

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को किया आमंत्रित

रांची । शिशु विकास मंदिर समिति (एसवीएमएस) के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार राजभवन में अखिलेश्वर नाथ मिश्र के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने 26 अक्तूबर को विद्यालय में होने वाले विज्ञान एवं वाणिज्य मेला के उद्घाटन समारोह के लिए राज्यपाल को आमंत्रित किया. प्रतिनिधिमंडल में स्कूल के प्राचार्य ललन कुमार, सहित सुनील पांडेय, रीतेश झा और सहकार भारती शामिल थे.

नौ सौ श्रद्धालुओं ने लिया अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद

रांची। सुप्रसिद्ध सामाजिक, धार्मिक और अध्यात्मिक संस्था श्रीकृष्ण प्रणामी ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को पुंदाग स्थित संस्था के निर्माणाधीन मंगल राधिका सदानंद दिव्यांग सेवाधाम आश्रम राची के प्रांगण में 172वें अन्नपूर्णा भंडारा का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में नौ सौ श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया. भंडारे के प्रसाद में कचोडी,आलु काबुली चना टमाटर मिश्रित सब्जी, भेजिटेबल पुलाव एवम मिठाई में केसरिया खीर, आलू चिप्स के पैकेट एव जलजीरा जूस की व्यवस्था थी.

साहित्य अंजुमन फरोग ए उर्दू का महफिल ए मुशायरा, कवि सागर और शायर ताबिश ने रंग जमाया

शेर, नज्म, गजलों से मुशायरा की महफिल हुई गुलजार

वाददाता।रांची

अंजुमन फरोग ए उर्दू एवं ऑल इंडिया मजलिस फलाहुल मुस्लिमीन की ओर से रविवार को मेन रोड स्थित होटल सरताज में महफिल ए मुशायरा का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई से नामचीन कवि डॉ सागर त्रिपाठी तथा शायर ताबिश रेहान शरीक हुए. इसकी शुरुआत कारी मो आरिफ की पवित्र कुरान की तिलावत से हुई.

डॉ. सागर त्रिपाठी देश के जाने-माने कवियों में से एक हैं, जो हुसैनी ब्राह्मण से ताल्लुक रखते हैं. उनकी गजलों के कई संग्रह और नातिया कलाम का एक संग्रह प्रकाशित हो चुका है. उन्होंने कर्बला के शहीदों पर भी कविताएं और शेर लिखे हैं. उन्होंने अपने नातिया कलाम व गजलों के नमूने पेश कर खूब वाहवाही बटोरीं. वहीं कारी ताबिश रेहान देश-विदेश में अपनी मीठी आवाज के लिए पहचाने जाते हैं, आज के मुशायरे में उन्होंने नात और चंद शेर पेश कर दर्शकों का दिल जीत लिया. अंजुमन फरोग ए उर्दू ने अतिथियों एवं कवियों को मोमेंटो, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. संचालन नेहाल हुसैन सरैयावी, अध्यक्षता डॉ. मुसर्रफ जमाल कासमी ने किया.

हबीब तनवीर : सरापा थिएटर का विमोचन

इस मौके पर डॉ मो तनवीर मजहर (सहायक प्रोफेसर, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय) की पुस्तक ''हबीब तनवीरः सरापा थिएटर'' का विमोचन भी किया गया. अतिथियों ने पुस्तक का विमोचन किया. मौके पर धार्मिक विद्वान मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी, मौलाना मोहम्मद मुसर्रफ आलम कासमी, अंजुमन फरोग के अध्यक्ष मो इकबाल, सचिव डॉ. मो. गालिफ नश्तर, हारून खमार, नसीर अफसर, दिलशाद नजमी, सोहैल सईद, उजैर हमजा, तबीब अहमद ताबिश, शहाब हमजा, आरिश निजाम, जीशान, दानिश अय्याज, तस्मिया आफरीन आदि शामिल थे.

मुशायरा सफल बनाने में डॉ मो मोकम्मल हुसैन, डॉ अब्दुल बासित, डॉ शगुफता बानो, मो दानिश अयाज, अरशद जमाल, डॉ तनवीर मजहर, तैयबा आफरीन, मो इकबाल, राजदा, मकरम हयात, कारी आरिफ, मेराजुद्दीन, सरफराज आलम कादरी, मंसूर आलम, शोएब अख्तर, मुजीबुर्रहमान, अल्ताफ राजा, महताब आलम, गुलनाज तरन्नुम, आलिया तबस्सुम, नसरीन कौसर आदि शामिल हैं.

श्यामली में खुला इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स

संवाददाता।रांची

खेल और पढ़ाई जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के पर्याय बन चुके है. इस विद्यालय से निकले अनेक छात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान कायम कर रहे हैं. ऐसे में खेल भावना और इंडोर गेम्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली में रविवार को दो मंजिला इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स का उद्घाटन हुआ. इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स का उद्घाटन वित्त निदेशक मुकेश कुमार, विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष संदीप सिन्हा, इंफ्रास्ट्रक्चर कमेटी के सीजीएम आरएस रमन, प्राचार्य समरजीत जाना एवं फिरायालाल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य नीरज कुमार सिन्हा, उप प्राचार्य, विद्यालय के शारीरिक शिक्षक एवं छात्रों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि मेकॉन के मुख्य कार्यकारी निदेशक संजय कुमार वर्मा ने किया. इस काम्प्लेक्स में दो वुडन बैडमिंटन कोर्ट और दो टेबल टेनिस कोर्ट और चार प्रसाधन कक्ष हैं. उद्घाटन होते ही छात्रों में उल्लास और उत्साह का वातावरण छा गया. उल्लास भरे माहौल में सीबीएसई क्लस्टर में बैडमिंटन, ऐथलेटिक्स, बास्केट बॉल, निशानेबाजी, तीरंदाजी और स्केटिंग के विजेता छात्रों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया. मुख्य अतिथि संजय कुमार वर्मा ने स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के खुलने की औपचारिक घोषणा के साथ विद्यालय के छात्रों द्वारा प्राप्त नवीनतम खेल उपलब्धियों की सराहना की.

ब्रीफ खबरें

बड़गाई में जुआ खेलते चार गिरफ्तार

रांची। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने जुआरियों और नशेड़ियों पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है. सदर थाना पुलिस ने शनिवार को बड़गाईं मुंडाटोला में छापेमारी कर चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है. इनमें बड़गाई का मिन्हाज आलम, अमित कुमार, बूटी का पिंटू साव और प्रमोद चौधरी शामिल है. पुलिस नेजुए के अड्डे से 40 हजार रुपए, मोबाइल व बाइक जब्त की है.

वृद्धा से चेन छीनकर अपराधी भागे

रांची। लालपुर थाना क्षेत्र के फेकॉन इनक्लेव अपार्टमेंट में घुसकर अपराधी बुजुर्ग महिला से चेन छीनकर फरार हो गए. बताया गया कि शनिवार शाम बुजुर्ग माहेश्वरी दंपत्ति अपने फ्लैट में जा रहे थे. तभी एक स्नैचर पीछा करते हुए उनके अपार्टमेंट की लिफ्ट तक चला गया. वहां लूटपाट कर भाग गया. बताया गया कि बाइक से दो स्नैचर आए थे. एक स्नैचर वृद्धा के साथ होलिया. इस बीच गार्ड को लगा कि वह उनके साथ है. लिफ्ट के पास छिनतई होने पर दंपत्ति स्नैचर से उलझ गए. इसमें आधी चेन बुजुर्ग के हाथ में रह गई और आधी अपराधी लेकर भाग गया. हालांकि थाने में केस दर्ज नहीं कराया गया है.

पुलिस ने तीन वारंटी को भेजा जेल

रातू। रातू पुलिस ने रविवार को विभिन्न कांडों के वंचित तीन वारंटी को गिरफ्तार का जेल भेज दिया. गिरफ्तार वारंटी में थाना क्षेत्र के आनंद नगर रिंग रोड कमडे.निवासी विश्वजीत वर्मा, शिवनाथ महतो तथा हकीम अंसारी सिमरिया शामिल हैं.

पुलिस ने उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चलाया

बुढ़मू। बुढ़मू-ठाकुरगांव पुलिस ने रविवार को थाना क्षेत्र के बेती, बगदा जंगल में रविवार को अभियान चलाया. थाना प्रभारी विनीत कुमार ने बताया कि टीएसपीसी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा. वहीं विधानसभा चुनाव को लेकर वाहनों की भी चेकिंग की जा रही है.

बाइक की टक्कर बच्ची घायल

मांडर। थाना क्षेत्र के चटवल मोड़ के पास विवार की शाम लगभग साढ़े चार बजे सड़क हादसे में एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई. बताया जाता है कि चटवल निवासी नौ वर्षीय अमृता उरांव सड़क पार कर रही थी और गलती से एक बाइक से सीधे टकरा गई. हादसे में सड़क पर गिरने से उसका एक हाथ टूट गया. रेफरल अस्पताल मांडर में प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर किया गया.

करंट लगने से किसान की मौत

सोनाहातू। थाना क्षेत्र की दुलमी पंचायत के टांगटांग गांव में करंट लगने से रविवार सुबह एक किसान की मौत हो गई. मृतक 56 वर्षीय पुस्तम पुराण टांगटांग गांव का निवासी था. ग्रामीणों ने बताया पुस्तम मवेशियों के लिए घास काटने जा रहा था उसी दौरान 11 हजार वोल्ट बिजली तार की चपेट में आ गया. सूचना मिलने पर उपप्रमुख प्रतिनिधि निशिकांत गंझू, आजसू के केंद्रीय सचिव सुनील सिंह, पूर्व जिप उपाध्यक्ष चितरंजन महतो, मुखिया प्रतिनिधि प्रधान सिंह मानकी, राजकिशोर मुंडा, लालूपुराण, बिरंची पुराण, सोनाराम पुराण मौके पर पहुंचे और बिजली विभाग के अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन को घटना की सूचना दी.

इटकी के वार्षिक जतरा मेले में मांदर के थाप पर थिरके लोग

संवाददाता। इटकी

प्रखंड में रविवार को मुड़मा मेला के दूसरे दिन लगने वाला वार्षिक जतरा मेला में लोग मांदर की थाप पर जमकर झुमे. रविवार की शाम चार बजे सैकड़ों महिला-पुरुष अखरा के पास शोभा यात्रा निकाली जिसका नेतृत्व पाहन अशोक उरांव काठ के घोड़े पर सवार होकर कर रहेथे. जुलूस इटकी बाजार देवी मंडप चौक सहित कई स्थलों का भ्रमण कर जतरा स्थल पहुंचा. इसके बाद जतरा स्थल की परिक्रमा कर मांदर की थाप पर लोग जमकर थिरके थे.

पारंपरिक प्रतीकों के साथ जतरा में सैकड़ों आदिवासी शामिल : जतरा मेला में इटकी, मल्टी, तरगड़ी, बारीडीह और मोरो मकुन्दा सहित अन्य गांवों के सैकड़ों आदिवासी महिला-पुरुष, युवक युवतियां अपने पारंपरिक प्रतीक हाथी-घोड़ा, रंपा-चंपा, झंडा और नगाड़ा के साथ इटकी अखरा के पास इकट्ठा हुए. इसके बाद 12 पड़हा की अगुवा गु ई मेंशोभा यात्रा निकाल कर लोग नाचते-गातेजतरा मेला स्थल पहुंचे, जहांलोग जमकर नाच गान किया.

सफेद मुर्गे की बलि देकर इष्टेदव सिंगबोगां की पूजा की : इटकी में वार्षिक जतरा मेला के पहले रविवार की सुबह पाहन अशोक उरांव और पईनभोरा श्रीनाथ उरांव ने जतरा खूंटा पर सफेद मुर्गे की बलि दी. इस दौरान अपने इष्टदेव सिंगबोंगा की पारंपरिक तरीके से पूजा अर्चना की. वहीं भूतपूर्व जमींदार के वंशज लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव ने गुलजार रोड स्थित बकरे की बलि देकर इंद टॉपर की पूजा-अर्चना की. इसके बाद मुर्गे की चूजे को बांस और कपड़े के बने इंद टॉपर में छोड़कर खड़ा किया. इंद जतरा में इटकी, मल्टी और मोरो सहित अन्य गांव के लोग अपने खोड़हा के साथ शामिल होकर नाच-गान किया.

टोल प्लाजा के पास बस में लगी आग, जलकर राख

संवाददाता। ओरमांझी

एनएच 33 पर पुंदाग टोल प्लाजा के पास रविवार की शाम साढ़े छह बजे शुभम नामक बस की एसी खराब होने से आग लग गई.आग लगने से बस पूरी तरह जलकर राख हो गई. बस रांची से रामगढ़ की ओर जा रही थी. हालांकि आग लगने से पहले बस चालक ने सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया.वहीं बस सड़क के किनारे खड़ी कर स्वयं उतर गया था. सूचना मिलने पर ओरमांझी थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी स्वयं पुलिसकर्मियों को लेकर घटना स्थल पर पहुंचे और अग्निशमन टीम बुलाकर बस में लगी आग बुझवाई. बताया जाता है कि बस जैसे ही टोल प्लाजा के पास पहुंची तो बस के आगे के हिस्से धुआं निकलने लगा था, खतरे को भांपकर चालक ने बस सड़क के किनारे खड़ी कर दी थी. सभी यात्रियों को बारी-बारी से बस से बाहर निकाला. इसके बाद मामले की सूचना ओरमांझी थाना को दी.

गलती दोहरा रही भाजपा होगा नुकसान: संदीप वर्मा

बोले-रायशुमारी और सर्वे को अनदेखा कर किया गया टिकट बंटवारा

संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा के कार्यसमिति सदस्य संदीप वर्मा ने रविवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल सहित पूरी पार्टी को कटघरे में खड़ा किया. रांची में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी पार्टी के स्तर से जो टिकट बंटवारा हुआ है, उससे भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता को तकलीफ हुई है. संगठन को अपने खून से सींचकर इसे विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने वाले वर्कर निराश हैं. आज पार्टी ऐसे कार्यकताओं की लगातार अनदेखी कर रही है. 2019 की जो गलती पार्टी ने की थी, पुनः उसी गलती को इस बार भी दोहराया गया है. रायशुमारी और सर्वे को अनदेखा कर जिस प्रकार से टिकट का बंटवारा किया गया, उससे हम सब किस मुंह से जनता के बीच परिवारवाद के

खिलाफ बात करेंगे : संदीप के मुताबिक, आज हर कार्यकर्ता के मन में सवाल है कि चंपाई सोरेन जो हाल में ही बीजेपी के सदस्य बने, उनके साथ उनके पुत्र बाबूलाल सोरेन को किस आधार टिकट दिया गया? रघुवर दास जो अब ओड़िशा के गवर्नर हैं, उनकी बहू का बीजेपी के लिए क्या योगदान है जो उनको टिकट मिला. अर्जुन मुंडा (पूर्व मुख्यमंत्री) की पत्नी मीरा मुंडा का क्या योगदान है. ढुल्लू महतो के भाई को किस आधार पर बाघमारा का टिकट दिया गया. रोशन लाल चौधरी 5 मिनट पहले पार्टी में आए और टिकट मिल गया. लोकसभा चुनाव 2024 के प्रत्याशी रहे समीर उरांव, गीता कोड़ा, सीता सोरेन को चुनाव में हार के बाद भी किस आधार पर टिकट दिया गया? बाबूलाल मरांडी जैसे नेता अगर गैर आदिवासी सीट से लड़ेंगे, तो आदिवासी सीटों पर क्या संदेश देंगे?

पत्रकारों को जानकारी देते संदीप वर्मा व अन्य.

पार्टी कार्यकर्ता हतप्रभ : संदीप ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जो अपने बड़े नेता के मार्गदर्शन से चलते हैं, वे हतप्रभ हैं. पं. दीनदयाल ने कहा था कि कोई बुरा प्रत्याशी केवल इसलिए आपका मत पाने का दावा नहीं कर सकता कि वह किसी अच्छे दल की ओर से खड़ा है. संभव है दल के हाईकमान ने ऐसे व्यक्ति को टिकट देते समय पक्षपात किया होगा. अतः ऐसी गलती को सुधारना मतदाता-कार्यकर्ता का कर्तव्य है. इसकी उपेक्षा की गयी है. संदीप ने कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता हैं. संगठन अपने इस तरह के निर्णय पर पुनर्विचार नहीं करेगा, तो वे कार्यकर्ताओं के दर्द को समझते हुए उनकी आवाज बन कर रांची विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे.

धनबाद स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर 12 साल की बच्ची का गला रेत डाला

धनबाद। धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर गोमो छोर की पटरी के पास लगभग 12 वर्षीय बच्ची का गला अपराधियों ने धारदार हथियार से रेत डाला. घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक आरपीएफ अधिकारी रविवार की रात अपना ड्यूटी खत्म कर वापस आ रहे थे, तो उन्होंने बच्ची को तड़पता देखा. उन्होंने तुरंत बच्ची को उठाकर धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज चल रहा है. उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. खबर लिखे जाने तक बच्ची की पहचान नहीं हो पाई है और न ही यह पता चल पाया है कि बच्ची पर जानलेवा हमला किसने और क्यों किया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

न्यूज अपडेट

अनगड़ा के दर्जनों ग्रामीणों ने ली भाजपा की सदस्यता

अनगड़ा। प्रखंड के साल्हन में रविवार को भाजपा के मिलन समारोह में दर्जनों ग्रामीणों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. समारोह की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुनील महतो ने की. पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने शामिल होने वाले सभी लोगों को माला पहनाकर स्वागत किया. उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य भाजपा ने बनवाया है अब राज्य का विकास भी वही करेगी. मौके पर ललेश महतो, रामसुंदर महतो, गंगाराम महतो, महावीर महतो, मनीष महतो, मुनेश्वर साहू, मदन महली, अनिल महतो, रोहित बैठा, महेंद्र महतो, तिलक महतो, दीपक महतो, मुन्ना राज महतो, नरेश नायक, सुखनाथ महतो आदि शामिल हैं. इससे पूर्व कार्यकर्ताओं ने टिकट मिलने पर रामकुमार पाहन का अभिनंदन किया. कार्यक्रम में रामसाय मुंडा, अगम लाल महतो, डॉ रिझू नायक, बसंत चौधरी, सत्यजीत सिंह, राजेश मिश्र, करमलाल महतो, सोहराई बेदिया, अजय महतो, अगमलाल महतो, सिकंदर अंसारी, बिहारी साहू, पिंटू सिंह, नंदलाल राम, मनोज चौधरी और नवीन सोनी आदि मौजूद थे.

24 नवंबर से सिकिदिरी में शुरू होगा खेल महोत्सव

अनगड़ा। जनकल्याण समर्पण संस्थान के केंद्रीय कार्यालय में केंद्रीय कोर कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से खेल महोत्सव की तिथि में परिवर्तन किया गया है. संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने बताया कि उद्घाटन तिथि 31 अक्तूबर से बढ़ाकर 24 नवंबर कर दी गई है. राज्य में लागू आदर्श आचार संहिता और झारखंड विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है. उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव में 100 से अधिक स्पर्धाएं होना सुनिश्चित है. मौके पर संस्थान की कार्यकारी अध्यक्ष कुंती देवी, महासचिव सत्यपाल राउत, सचिव राजकुमार, कोषाध्यक्ष रमण कुमार, खेल प्रभारी अमन कुमार जायसवाल, रोहित क्षेत्री, दिलीप कुमार दीपू, विजय सिंह, संजय कुमार गुड्डू, मेहंदी मुंडा और कमलकांत साव आदि मौजूद थे.

परहेपाट रातू को हराकर रांची की टीम बनी चैंपियन

कांके। दीपक ब्रदर्स रांची की टीम ने कांके चैंपियन ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल जीत लिया. सुकुरहुट्टू के गोशाला मैदान में खेले गए फाइनल मैच में उसने पीएमपी परहेपाट रातू की टीम को 2-0 से हराकर चैंपियन बना. खेल के पहले हॉफ में दीपक ब्रदर्स के खिलाड़ी सूरज कुमार ने पीएमपी परहेपाट के खिलाफ दो गोल दागा. निर्धारित समय तक परहेपाट की टीम बराबरी नहीं कर सकी. विजेता टीम दीपक ब्रदर्स को दो लाख 51 हजार रुपये और ट्रॉफी, उपविजेता पीएमपी परहेपाट को एक लाख 51हजार रुपये और ट्रॉफी देकर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो, डॉ देवशरण भगत, राजेन्द्र मेहता,मुख्य संरक्षक राजकुमार महतो, उपप्रमुख अंजय बैठा, आजसू के कार्यकारी जिलाध्यक्ष हकीम अंसारी, जिला उपाध्यक्ष मोजिबुल अंसारी, ओरमांझी के जिला परिषद सदस्य कमिश्नर मुंडा, पूर्व उपप्रमुख सज्जाद अंसारी, नसीबलाल महतो, बादल सिंह मुंडा, बालचंद मुंडाद्वारा संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया. तीसरे स्थान के लिए एफसी चारीहुजीर और चौथे स्थान के लिए एरिक ब्रदर्स पतरातूको 41-41 हजार रुपये दिए गए. मैन ऑफ द सीरीज के लिए दीपक ब्रदर्स के खिलाड़ी सूरज कुमार को सर्वाधिक गोल करने के लिए 43 इंच की स्मार्ट टीवी देकर सम्मानित किया गया. टूर्नामेंट के सफल आयोजन में मुख्य संरक्षक राजकुमार महतो, अध्यक्ष अनिल मुंडा, उपाध्यक्ष शिव कुमार संतोषी, सचिव आलोक कुमार विक्की, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार महतो, खेल प्रभारी राकेश सिन्हा, बसारत अंसारी, बादल सिंह मुंडा, बालचंद मुंडा, निशांत राज, प्रदीप मुंडा, रूपलाल महतो आदि शामिल थे.

पड़हा जतरा समारोह में तेतरटोली व सामलौंग बने चैंपियन

बेड़ो। प्रखंड की नेहालू पंचायत के रोगाडीह पतराटोली में रविवार को न्यूस्टार रोगाडीह के तत्वावधान में हॉकी और फुटबॉल फाइनल मैच सह पड़हा जतरा समारोह का आयोजन किया गया. फुटबॉल का फाइनल मैच पुरुष वर्ग का मैच मासूम क्लब मसिया भरनो और तेतरटोली बेड़ो के बीच खेला गया. इसमें तेतरटोली बेड़ो की चैंपियन बनी. वहीं महिला वर्ग का मैच साईं क्लब सरसा और फुटबॉल क्लब रोगो के बीच खेला गया. इसमें रोगो की टीम विजेता बनी. हॉकी का फाइनल मैच डीजे क्लब सामलौंग और खटको हॉकी टीम के बीच खेला गया. इसमें सामलौंग की टीम विजयी रही. समारोह में समाजसेवी गुना भगत ने कहा कि पड़हा हमारी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत और पहचान है. इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है. जतरा में 12 पड़हा राजा हेमराज मुंडा की अगुवा गु ई में विभिन्न गांवों से आए खोड़हा दलों ने नगाड़ा और मांदर की थाप पर परंपरागत नाच गान प्रस्तुत किया. इस दौरान पायल म्यूजिकल ग्रुप ने रंगारंग नागपुरी कार्यक्रम प्रस्तुत किया. समारोह को सफल बनाने में मुखिया बीरेन्द्र भगत, गुना भगत, 12 पड़हा राजा हेमराज मुंडा, उप मुखिया सह अध्यक्ष जितिया उरांव, सचिव भीखराम उरांव, महासचिव सुशील कच्छप, सुखदेव भगत, विनय उरांव और संजू उरांव समेत दर्जनों पड़हा प्रेमियों ने सराहनीय योगदान दिया.

पत्रकार के घर से नकदी समेत संपत्ति की चोरी

मांडर। थाना क्षेत्र के कंदरी मोड़ स्थित राम वाटिका कॉलोनी में चोरों ने एक पत्रकार के बंद घर को निशाना बनाया. चोरों ने 50 नगद समेत एक लाख रुपये का सामान चुरा लिया. घटना शनिवार देर रात की है. पत्रकार विनीत कुमार इलाज कराने हैदराबाद गए हैं उनकी मां घर में ताला बंदकर बच्चों के साथ रांची स्थित घर गई थी. पड़ोसियों से सूचना मिलने पर रविवार को जब उनकी मांऔर बच्चे घर पहुंचे तो देखा कि एक गोल्ड प्लेटेड चांदी की चेन लगभग 50 हजार रुपये नगद सहित कुछ कांसा के बर्तन गायब हैं. इस दौरान चोरों ने सीसीटीवी क्षतिग्रस्त कर दिया. घटना को लेकर विनीत की मां ने थाने में प्राथमिक दर्ज कराई. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

बरसोल चेकपोस्ट से 3.13 लाख से ज्यादा कैश जब्त

जमशेदपुर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा भयमुक्त वातावरण में विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के मद्देनजर अन्तरराज्यीय एवं अंतरजिला चेकनाकाओं पर सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघनता से चेकिंग की जा रही है. इसी क्रम में रविवार को बहरागोड़ा के बरसोल चेकपोस्ट से जांच में 3,13,000 रुपये जब्त किए गए तथा अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दोपहिया, चार पहिया, मालवाहक व वीआइपी वाहन आदि सभी की सघनता से जांच के निर्देश दिया है. जिला के सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध शराब, पैसा, ड्रग्स या किसी प्रकार के उपहार की वस्तु का अवैध परिवहन नहीं होने पाये, जिससे चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सके. इसके मद्देनजर सभी 24 घंटे चेकनाका सक्रिय कर दिए गए हैं तथा सघनता से सभी वाहनों की जांच की जा रही है.

हरिहरपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने तोड़ी चेक पोस्ट

- दो बाइक क्षतिग्रस्त

संवाददाता। तोपचांची

विधानसभा चुनाव को देखते हुए हरिहरपुर थाना क्षेत्र के सतकीरा में वाहन जांच के लिए बनाए गए चेक पोस्ट पर एक बड़ा हादसा हुआ. बीती शनिवार देर रात लगभग 11:00 बजे डुमरी तरफ से तेज रफ्तार वर्ना कार संख्या बीआर 01 एफक्यू 6603 ने चेक पोस्ट पर खड़ी दो मोटरसाइकिल और लाठी डंटा बेच रहे दुकान को तोड़ते फोड़ते हुए भागने में सफल रहा.

चेक पोस्ट पर उपस्थित मजिस्ट्रेट रामलाल पासवान ने बताया कि घटना के दौरान दो सिपाही और मजिस्ट्रेट मौजूद थे.वाहनों की जांच की जा रही थी. जांच के दौरान तेज रफ्तार वर्ना कार ने चेकपोस्ट में लगी लाइट, खड़ी दो बाईक और बगल में स्थित लाठी डंटा के दुकान को तोडते फाड़ते हुए कार तेज रफ्तार से भागने में सफल रहा.

घटना की जानकारी नजदीकी पुलिस स्टेशन को दे दी गई थी, लेकिन गाड़ी भागने में सफल रहा. घटना के दौरान किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई है, लेकिन चेक पोस्ट पर खड़ी मजिस्ट्रेट रामलाल पासवान तथा ग्रामीण कुलदीप प्रसाद की बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई है. दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए. चेक पोस्ट के बगल में स्थित मोहम्मद मोईन के दुकान भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. हालांकि घटना के बाद पुलिस ने आरोपी वाहन की तलाश शुरू कर दी है. पुलिस बीते रात को करीब राजगंज तक गाड़ी का पीछा किया गया, लेकिन वाहन भागने में सफल रहा. हालांकि पुलिस ने घटना के दौरान घटना स्थल पर गिरे वाहन नंबर के आधार पर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है.

धनबाद एसएसपी ने ली घटना की जानकारी : धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने घटना के बाद रविवार दोपहर हरिहरपुर थाना क्षेत्र के चेकपोस्ट पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली. उन्होंने घटना क्रम की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए.

कीताडीह के रोहित हत्याकांड का खुलासा, पांच गिरफ्तार

अवैध संबंध के कारण हुई हत्या, दो पिस्टल व गोली बरामद

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

बागबेड़ा थाना अंतर्गत कीताडीह ग्वाला पट्टी के रहने वाले रोहित सिंह उर्फ छोटू की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी बाबू बंगाली समेत पांच को रविवार को गिरफ्तार कर लिया. एक आरोपी कुंदन सिंह ने शनिवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. बाबू बर्मामाइंस थाना क्षेत्र के कैरेज कॉलोनी का रहने वाला है. उसे तथा उसके अन्य साथियों की गिरफ्तारी बागबेड़ा के बडौदा घाट से की गई. रविवार को मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि बाबू बंगाली एवं कुंदन सिंह आपस में जीजा-साला हैं. कुंदन की बहन से बाबू बंगाली की शादी हुई है. रोहित सिंह भी इन सभी का पूर्व परिचित था. इसी का फायदा उठाते हुए रोहित ने कुंदन की बहन से अवैध संबंध स्थापित कर लिया. इसकी जानकारी बाबू बंगाली को होने के बाद उसने कुंदन के साथ मिलकर उसे समझाया, लेकिन वह नहीं माना. इसके बाद बाबू बंगाली ने कुंदन के साथ मिलकर उसकी हत्या की योजना बनायी. इसमें राजू हिस्सा, नीतीश राय, मनीष अग्रवाल और रौशन गुप्ता (सभी आदित्यपुर निवासी) ने उन दोनों का साथ दिया. योजना के तहत 13-14 अक्टूबर की रात सभी रोहित के कीताडीह ग्वालापट्टी स्थित घर गए तथा आंगन में सोये अवस्था में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के दो दिन बाद तक हत्यारों का कोई सुराग नहीं मिला. परिजनों ने बाद में कुंदन सिंह और मनीष उर्फ रायडर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया, लेकिन उनकी गिरफ्तारी नहीं हो रही थी. इसके कारण घरवालों ने बागबेड़ा थाने पर प्रदर्शन किया. इसके बाद सिटी एसपी के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी शुरू हुई. गुप्त सूचना पर बागबेड़ा बड़ौदा घाट से बाबू बंगाली को पकड़ा गया तथा उसकी निशानदेही पर अन्य आरोपी पकड़े गए. पुलिस ने मौके से दो देसी पिस्टल, 9 जिंदा गोलियां, 3 मैगजीन, घटना में प्रयुक्त बाइक और तीन मोबाइल बरामद किया. एसएसपी ने इस छापेमारी में शामिल पुलिसकर्मियों के साहसिक कार्य की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है.

प्रेस वार्ता में घटना की जानकारी देते एसएसपी व अन्य पुलिस पदाधिकारी.

राजनीति

सिल्ली विधानसभा में बूथ स्तरीय आजसू का चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सम्पन्न

विपक्ष को चुनाव में जनता देगी मुहंतोड़ जवाब : जयपाल सिंह

- सिल्ली विधानसभा के कुल 279 बूथों पर हुआ एक साथ आयोजन

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड के 111 बूथ क्षेत्र समेत विधानसभा के कुल 279 बूथों में रविवार को आजसू पार्टी चूल्हा प्रमुख बूथ स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया. केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आज एक ही दिन में विधानसभा के सभी 279 बूथों पर बूथ स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन का आयोजन किया गया है. जहां कार्यक्रम में आजसू पार्टी के क्षेत्र प्रभारी, ग्राम प्रभारी, पंचायत प्रभारी, एवं केंद्रीय समिति के सदस्य शामिल हुए हैं. इधर कार्यक्रम के तहत प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र करमाली एवं नगर अध्यक्ष भरत देव साय के नेतृत्व में सिल्ली नगर के लोवापीड़ी सिल्लीडीह एवं सिल्ली बजार के अलग-अलग बुथ क्षेत्र में सम्मेलन का आयोजन किया गया. सिल्ली राजा टोला के ड्रामेटिक क्लब परिसर में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिप सदस्य सह आजसू के केंद्रीय सचिव गौतम कृष्ण साहू, नगर प्रभारी सह केंद्रीय सदस्य राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव, बुद्धिजीवी मंच के नरोत्तम गोराई, धीरेन्द्र नाथ महतो, पंचायत समिति सदस्य नितु देवी, ज्योति कुमारी आदि उपस्थित हुए. चूल्हा प्रमुखों को संबोधित करते हुए गौतम कृष्ण साहू ने कहा की आने वाले चुनाव में सजगता एवं गंभीर से समन्वय बनाकर कार्य करना है. वहीं उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी लोगों से किए गए वादों कों निभाने का कार्य करती रही है. यही कारण है कि लोगों का समर्थन पार्टी को हमेशा मिलता रहा है. सुदेश कुमार महतो द्वारा विधानसभा का चहुंमुखी विकास किया गया है. क्षेत्र में सड़क, पुल, बिजली, स्वास्थ्य एवं पेय ल एवं कृषि लगातार कार्य किए जा रहे हैं. सुदेश कुमार महतो के द्वारा युवा मध्याह्न भोजन योजना के तहत सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के 9 वीं से 12वीं तक के 5 हजार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है. वहीं विद्यर्थियों को निःशुल्क बस सेवा स्टूडेंट एक्सप्रेस, निःशुल्क उड़ान कोचिंग सेंटर, स्मार्ट क्लास, वीआर लैब जैसी सुविधाएं मिल रही है. इसके अलावे जरूरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाया गया है. साथ ही विधानसभा क्षेत्र में जहां भी किसी को मदद की जरूरत हुई है, आजसू पार्टी उसकी हर प्रकार से मदद करती है. उन्होंने सुदेश कुमार महतो को भारी मतों से चुनाव में विजयी बनाने का आग्रह किया. बैठक में उपस्थित चुल्हा प्रमुखों ने कहा कि पार्टी को भारी मतों से विजई बनाने के लिए हम सब कृतसंकल्प है. आगामी विधानसभा चुनाव में सुदेश कुमार महतो को वोट देकर भारी मतों से विजय बनाने का कार्य करेंगे. इस मौके पर नेपाल साव नवल किशोर गुप्ता, भागवत सोनार, मनोज साव, हेमंत नायक, सुरेश मुंडा, निर्मल मंडल, दीपा कुमारी, बेबी देवी, सुषमा देवी, रिंकू रिंकू देवी, मामुनि देवी, चंदना धवल बाबु, उमा देवी, सुनीता देवी, संजित सिंह देव, संदीप सिंह देव आदि उपस्थित थे.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन भाव में गजकेसरी योग बन रहा है. डूबा धन मिलने के साथ-साथ अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है.

वृष धन का खर्च सही कार्य या धर्म पर होगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. मौसमी बीमारियों से बचें, स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी.

मिथुन यात्रा के दौरान सुखद समय व्यतीत होगा. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आपके कार्य प्रभाव से आय होगी.

कर्क आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह पिता के कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. सूर्य को जल दें.

कन्या धर्म में मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला किसी से मानहानि हो सकती है. आपके कृत्य के कारण कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

वृश्चिक पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह संबंधित बाधा से बचें. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. किसी के बहकावे में कोई गलत कदम नही उठावें. बहुत जरूरी हो तब ही ऋण लेना चाहिए.आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. माता के स्वास्थ पर ध्यान दे.

मकर शिक्षा में सफलता का योग है. संतान की देखभाल करें. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ मानसिक उलझनवाला दिन है. कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा

मीन सामाजिक पूछ-परख बढेगी. भाई बहन से मतभेद हो सकता है. जुबान पर कन्ट्रोल आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नही करे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. अन्न दान करें.

24 अक्टूबर को नामांकन करेंगे दिलीप सिंह नामधारी

मेदिनीनगर। गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल बेलवाटिकर में युवा नेता दिलीप सिंह नामधारी के समर्थकों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. बैठक की अध्यक्षता झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी व संचालक कुणाल कुमार ने किया.बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर से कहा कि टिकट किसी पार्टी से मिले या नहीं मिले हम सभी कार्यकर्ता को पार्टी बनकर चुनाव लड़ना चाहिए. इंदर सिंह नामधारी द्वारा किए गए कार्यों को देखते हुए पलामू की जनता दिलीप सिंह नामधारी को चुनाव लड़ाकर विधानसभा में भेजना चाहती है इसलिए हर हाल में चुनाव लड़ना चाहिए. दिलीप सिंह नामधारी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के मनोबल को गिरने नहीं दिया जाएगा. अगर डालटनगंज विधानसभा की जनता की मांग दिलीप सिंह नामधारी हैं तो यह चुनाव निश्चित रूप से लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी से प्रयासरत हैं अगर कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी नहीं बनाया तो निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे.

मार्गदर्शन स्वस्थ निर्णय और निर्माण का मुख्य कारकः डीएसई

मेदिनीनगर। विद्यार्थी विपरीत समय आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों को नजरअंदाज कर ही सफलता प्राप्त कर सकते हैं . उक्त बातें जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने कही. वे राजकीय कृत सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय सतबरवा पलामू के भौतिक शास्त्र शिक्षक अभिषेक कुमार तिवारी द्वारा सुनियोजित प्रत्येक शनिवार उपयुक्त सलाहकार जूम एप के द्वारा इस सुयोजित कार्यक्रम में शामिल थे. श्री कुमार ने कहा कि शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों के विशिष्ट उद्देश्यों की ओर अग्रसर करती है तथा इस प्रक्रिया में शिक्षक और विद्यार्थी में अतः निहित प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है. विद्यार्थी अधिगम के साथ-साथ शारीरिक मानसिक नैतिक सामाजिक अभिवृत्तियों तथा व्यवहार में शिक्षा का समावेश होना अनिवार्य है. सभी विद्यार्थियों को चाहिए कि दूसरों की गलती से सबक ले तथा निरंतर अपनी सफलता के लिए प्रयासत रहे.

विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद तमाम राजनीतिक दलों में हलचल तेज

क्या भाजपा को मिलेगा आदिवासियों का साथ या राह होगी मुश्किल?

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है. सभी दल सभी वर्ग के मतदाताओं को साधने में जुट गए हैं. झारखंड में आदिवासी समुदाय सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं. कहा जाता है कि जिस दल के साथ आदिवासी हैं, उसकी जीत की राह आसान हो जाती है. ऐसे में हर किसी के जहन में यह सवाल है कि आदिवासी समाज के लोग किस दल को अपना आशीर्वाद देंगे. सवाल यह भी है कि क्या आदिवासी समाज के लोग भाजपा को अवसर देंगे या फिर उनकी राह मुश्किल करेंगे. भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा दोनों दलों को आदिवासी समाज का साथ मिल सकता है. भाजपा कई बार आदिवासी समाज के लिए अपनी योजनाओं के माध्यम से उनके विकास की बात करती रही है.

इसके अलावा, देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास और मुख्यमंत्री मोहन माझी जैसी हस्तियां आदिवासी समाज से ताल्लुक रखती हैं. ऐसे में यह माना जा रहा है कि भाजपा आदिवासी समुदाय पर विशेष ध्यान दे रही है और अपनी पकड़ को लगातार मजबूत कर रही है. दूसरी तरफ, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी आदिवासी समाज से आते हैं। जब वह जेल गए तो उनके समर्थकों का आरोप था कि भाजपा ने आदिवासी मुख्यमंत्री को साजिश के तहत फंसा कर जेल भेजा था. इस बात पर विपक्षियों पार्टियों ने भी मुखरता दिखाई थी. इसलिए भावनात्मक तौर पर आदिवासी समाज के लोग हेमंत सोरेन की पार्टी के साथ भी खड़े हो सकते हैं. झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा का गहरा असर है और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यह पार्टी आदिवासी वोट बैंक के लिए जानी जाती है. लेकिन, पिछले पांच सालों में झामुमो के कई कद्दावर नेता हेमंत सोरेन से अलग हो चुके हैं. इस लिस्ट में शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और 'झारखंड टाइगर' के नाम से मशहूर चंपाई सोरेन भी शामिल हैं. दूसरी तरफ, आदिवासी समाज के कई बड़े चेहरे भाजपा में शामिल हुए हैं. इनमें कद्दावर नेता बाबूलाल मरांडी का भी नाम शामिल है. यह झामुमो के लिए पूरी तरह अनुकूल स्थिति नहीं है. ज्ञात हो कि झारखंड की 81 में से 43 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां आदिवासियों की आबादी 20 फीसदी से ज्यादा है. 43 में से 22 विधानसभा सीटें तो ऐसी हैं जहां आधी से ज्यादा आबादी आदिवासियों की है. आदिवासी समाज के लोगों के लिए जल, जंगल, जमीन और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दे बहुत अहम रहे हैं. इसी को देखते हुए भाजपा, कांग्रेस से लेकर तमाम क्षेत्रीय पार्टियां ने इन मुद्दों को अपने चुनावी एजेंडे में शामिल किया है.

मेनका सरदार के बाद गणेश महाली ने भी भाजपा को किया बॉय-बॉय

रांची। मेनका सरदार के बाद गणेश महली ने भी भाजपा को बाय-बाय कर दिया है. उन्होंने भाजपा को अपना इस्तीफा सौंप दिया है. इस बीच गणेश महली से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन पर भी कई बड़े आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि मेरा खरसांवा सीट से टिकट कंफर्म था, लेकिन चंपाई सोरेन ने दिल्ली जाकर अड़चन डालने का काम किया. वे हमलोगों को राजनीति से बाहर करना चाहते हैं. आने वाले दिनों में इसका परिणाम दिखेगा.

चंपाई पर लगाया आरोप, कहा- दिल्ली जाकर डाल दिया अड़चन

झामुमो से लड़ सकते हैं चुनाव : गणेश महली के झामुमो से चुनाव लड़ने की चर्चा है. जानकारी के अनुसार इस मसले पर उनकी सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात भी हो चुकी है. महली ने यह भी दावा किया है वे सरायकेला सीट से ही चंपाई सोरेन के खिलाफ ही चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि दुखी मन से इस्तीफा दे रहा हूं. भाजपा अब पहले की तरह नहीं रही.

75 पांकी विस क्षेत्र में खुद को भाजपाई बताते हुए होर्डिंग लगाई

हांफ गये कोड़ा संग मधु खानेवाले बिनोद सिन्हा, न माया मिली न राम

परिवर्तन यात्रा की, लिखा-
न सहब न कहब, बदल के रहब, पर नहीं गली सिन्हा जी की दाल

समीर चक्रवर्ती। रांची

कभी एनएसयूआई से राजनीतिक सफर शुरू करनेवाले और कोड़ा संग मधु खाने के लिए चर्चा में रहे बिनोद सिन्हा को फिर से राजनीतिक पिल्लू ने काट खाया है. सिन्हा ने बजाप्ता भाजपा की सदस्यता ले रखी है. पहले कोल्हान में कोड़ा दंपती संग सिमटे हुए थे. लेकिन राजनीतिक पिल्लू ने काटा तो कोल्हान से भागे-भागे पलामू प्रमंडल पहुंच गये. पलामू के पांकी सीट से चुनावी समर में कूदने का ऐलान कर दिया. बजाप्ता 75 पांकी विधानसभा क्षेत्र में जोर-शोर से जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया. पूरे इलाके को पोस्टर-बैनर और होर्डिंग से पाट दिया. अपने नाम के आगे कुशवाहा लिखना भी शुरू कर दिया. कुशवाहा बिनोद सिन्हा. सिन्हा जी दावा तो कर रहे थे कि भाजपा से उन्हें टिकट मिलेगा. लेकिन प्रदेश भाजपा की ओर से तैयार की गयी सूची में सिन्हा जी कहीं नहीं थे. विनोद सिन्हा को खुद पर भरोसा था. ओवरकांफिडेंट थे कि भाजपा नेतृत्व उन्हें हर हाल में टिकट देगा. प्रदेश भाजपा ने नाम नहीं भेजा है तो क्या हुआ, ऊपर से गेटिंग-सेटिंग कर नाम तो डलवा ही लेंगे. कुछ दिन सिन्हा दिल्ली में ही कैंप किए थे. समर्थकों का उत्साह बढ़ा रहे थे. उन्हें भरोसा दे रहे थे कि टिकट तो हर हाल में मिलेगा ही. लेकिन शनिवार देर शाम भाजपा ने 66 प्रत्याशियों की सूची जारी की, जिसमें सिन्हा कहीं नहीं दिखे. पांकी से सिटिंग विधायक कुशवाहा शशिभूषण प्रसाद मेहता को ही टिकट दिया गया.

अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान हालांकि बिनोद सिन्हा बचते-बचाते ही कोई आरोप-प्रत्यारोप कर रहे थे.

परिवर्तन यात्रा के दौरान लगाये गये पोस्टर व भाजपा का आई कार्ड

उन्हें राजनीति की ऐसी विसात बिछा रखी थी, खुद तो सामने नहीं आ रहे थे, लेकिन सिटिंग विधायक के खिलाफ उनके ही समाज के लोगों को खड़ा कर आरोप लगवा रहे थे. कुछ विरोधियों ने मोरचा भी खोल रखा था, मेहता पर वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे थे. लेकिन शह-मात के खेल में सिन्हा से ज्यादा बड़े खिलाड़ी मेहता ही साबित हुए. एक ओर सिन्हा ने राजनीतिक शतरंज की विसात बिछा रखी थी, तो दूसरी ओर मेहता उनकी हर विसात का करारा जवाब उतनी ही शालीनता से देते हुए अपनी सेटिंग किए हुए थे. वैसे तो कुछ यू ट्यूबर्स सिटिंग विधायक के खिलाफ मोरचा ही खोले हुए हैं. लगातार विधायक को नकारा-निकम्मा बताने में जुटे हुए हैं. ग्रामीणों से बातचीत कर विधायक विरोधी वीडियो भी प्रसारित कर रहे हैं. लेकिन इन सब पर मेहता भारी पड़े. वैसे मेहता तो साफ-साफ कह रहे थे कि बिनोद सिन्हा कोई फैक्टर ही नहीं है. जानबूझ कर चुनाव के वक्त उनके कुछ लोग विधानसभा क्षेत्र में घूम कर झूठा प्रचार-प्रसार कर रहे हैं. इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाले है. मेहता अपने टिकट को लेकर भी हमेशा पूरी तरह से आश्वस्त थे. उन्हें अपने काम पर भरोसा था. और काम के सहारे ही वे चुनाव मैदान में डटे हैं.

निर्दलीय लड़ेंगे विनोद सिन्हा चुनाव

भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर निराश नहीं हुए बिनोद सिन्हा चुनाव . उनके लोगों ने देर रात सोशल मीडिया पर सूचना प्रसारित कर निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी . बकायदा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा-मित्रों निराश नहीं होना है . हम निर्दलीय ही लड़ेंगे और जीतेंगे भी . वहीं फोन पर बात करने पर भी बिनोद सिन्हा ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की पुष्टि की .

पत्रकारों से बातचीत करतीं कमला पाटले सहित अन्य भाजपा नेता.

हेमंत सरकार एससी व एसटी विरोधी हैः कमला पाटले

संवाददाता। मेदिनीनगर

खास बातें
- भाजपा जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन
- कहा कि राज्य की सरकार से जनता ऊब चुकी है

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के झारखंड प्रदेश प्रभारी सह छतीसगढ़ के पूर्व सांसद कमला पाटले ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार एससी और एसटी विरोधी सरकार है. इस सरकार ने महिलाएं असुरक्षित हैं. भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य में एससी, एसटी महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है. जो सरकार शोषण और दोहन करती है,वैसी सरकार को सत्ता में आने का अधिकार नहीं है. केंद्र की भाजपा सरकार सभी वर्गो के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है. कोरोना काल में देश के प्रधानमंत्री ने देश में कोराना का वैक्सीन का विकसित कर लोगों की जान बचाने का काम किया है. इतना ही नहीं दूसरे देश के लोगों को भी भारत से कोरोना टीका दिया गया है. उन्होंने कहा कि झारखंड विधान सभा का चुनाव होने वाला है. ऐसी स्थिति में लोगों को भाजपा के साथ खड़े होने पर जोर दिया,ताकि राज्य में बेहतर और मजबूत सरकार बन सके. उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड में भाजपा का सरकार बनना तय है. झारखंड के लोगों ने इस बार वर्तमान सरकार को सत्ता से दूर करने का मन बना लिया है. राजेश पासवान ने कहा कि झारखंड के अंदर ही एससी, एसटी महिलाओं पर अत्याचार हुआ है,परंतु सरकार मौन साधे रही है. वर्तमान झारखंड सरकार से राज्य की जनता ऊब चुकी है. वक्त आ गया है कि लोग वर्तमान सरकार से छुटकारा पा सकते हैं. भाजपा की सरकार में सभी को मान-सम्मान मिलता है. इस अवसर पर मोर्चा के जिलाध्यक्ष सतीश पासवान, चतुर्गुन राम, कुमार गौरव समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने की समीक्षा बैठक

समीक्षा बैठक में रणनीति बनाते पुलिस अधिकारी.

संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीआईजी अनूप बिरथरे ने समीक्षा बैठक की. वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर समीक्षा बैठक की. इस मौके पर डीआईजी ने चुनाव को लेकर जिले मे सुरक्षा को लेकर पुलिस की तैयारी की जानकारी ली. डीआईजी ने जिले के उग्रवाद प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों को पूरी तरह एहतियात बरतते हुए ड्यूटी करने का निर्देश दिया है. इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिलों में एस ड्राईव चलाकर लंबित वारंट, कुर्कियों, लंबित काण्डों का शीघ्र निष्पादन, लाइसेंसी हथियारों के संबंध में, सक्रिय अपराधकर्मियों और अन्य उपद्रवियों को चिन्हित करते हुए उन पर कार्रवाई की स्थिति के संदर्भ में समीक्षा की. उन्होंने अन्तर्राज्यीय सीमा क्षेत्रों से लगने वाले जिलों के पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि उनके क्षेत्र से लगने वाले अन्तर्राज्यीय चेक पोस्ट को सक्रिय करने का निर्देश दिए.

चतरा में आजसू के नेता और कार्यकर्ता में भारी आक्रोश

- पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अशोक गहलोत को चुनाव में उतारने का लिया फैसला

संवाददाता। चतरा

झारखंड विधान सभा के चुनाव को लेकर इंडी गठबंधन और एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग के बाद पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में बड़े पैमाने पर विरोध देखा जा रहा है. एनडीए घट दल की सब से बड़ी पार्टी भाजपा ने अपना पारंपरिक सीट चतरा विधानसभा छोड़ी और सीट शेयरिंग में यह सीट लोक जन शक्ति पार्टी के झोली में चली गई. इस सीट पर एनडीए के उम्मीदवार के रूप में लोजपा के टिकट से चतरा विधानसभा के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान चुनावी मैदान में एक बार फिर किस्मत आजमाने जा रहे हैं. वहीं एनडीए की घटक दल झारखंड राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी आजसू खेमे में बगावत उभर कर सामने आ गया है. चतरा विधानसभा से वर्ष 2009 से 2019 तक लगातार टिकट का प्रयास करते रहे अशोक गहलोत को आजसू ने एक बार फिर निराश किया है. चतरा विधानसभा में अशोक गहलोत लगातार आजसू पार्टी को मजबूत करने को लेकर पंचायत, प्रखंड तथा जिला स्तर पर और सभी मंच मोर्चा का गठन किया और कार्यकर्ताओं को जोड़े रखा है.

आजसू पार्टी के वही नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अशोक गहलोत के नेतृत्व में शहर के होटल उत्सव पैलेस में चुनाव लड़ने को लेकर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर मंथन किया है. आजसू पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में अशोक गहलोत को आजाद उम्मीदवार के रूप में चतरा विधानसभा से चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं. बड़ी राजनीतिक पार्टियों को सबक सिखाने की बात कर कर रहे हैं. अगर अशोक गहलोत चुनाव लड़ जाते हैं तो चुनावी समीकरण बदल जाएगा. इस महत्वपूर्ण बैठक में अशोक गहलोत ने कहा कि पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के उचित मार्गदर्शन में बहुत जल्द फैसला लिया जाएगा. जनता का सेवा विगत 15 वर्षों से लगातार करते आ रहा हूं. इस दौरान सभी सामाजिक सरोकारों में जनता के सुख-दुख के साथ रहा हूं.

वृद्धाश्रम की स्थापना के लिए देशाटन पर निकला श्रवण

वृद्धाश्रम के लिए देशाटन पर निकले छतरपुर निवासी श्रवण कुमार.

संवाददाता। छतरपुर/पलामू

दिल मे कुछ करने का जुनून हो तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं होता है और यह कर दिखाया है छतरपुर के बारा निवासी श्रवण राम ने जो छतरपुर में वृद्धाश्रम के लिए देशाटन का संकल्प लेकर यात्रा पर निकले हैं, उनका लक्ष्य है छतरपुर में गरीब लोगों के लिए वृद्धाश्रम खोलना. बारा निवासी 20 वर्षीय युवक श्रवण कुमार ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत छतरपुर के ठाकुरबाड़ी मंदिर में आशीर्वाद लेकर की जहां सामाजिक कार्यकर्ता अरविन्द गुप्ता चुनमुन, वार्ड पार्षद रजनीश और प्रेस क्लब द्वारा उन्हें अंगवस्त्र और आर्थिक मदद दे कर विदा किया. वहीं छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत कुमार, एसआई राहुल कुमार, पूर्व मुखिया पुखराज सिंह ने थाना परिसर में माला पहना कर, प्रमाण पत्र और कुछ सहायता राशी और शुभकामनाएं दे कर विदा किय. अरविंद गुप्ता ने कहा कि श्रवण ने नेक कार्यों हेतु यह यात्रा शुरू किया है जो काबिले तारीफ़ है. निसन्देह आज देश मे परित्यक्त वृद्धों की संख्या बढ़ी है.

चुनाव अभियान भानु प्रताप शाही ने अपने विरोधियों पर तीखे कटाक्ष किए

खरौंधी में विधायक भानु प्रताप का जन आशीर्वाद यात्रा

संवाददाता। खरौंधी(गढ़वा)

खरौंधी में भाजपा की प्रखंड स्तरीय जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान विधायक भानु प्रताप शाही ने अपने विरोधियों पर तीखे कटाक्ष किए. उन्होंने कहा कि वह चुनाव से पहले जनता से आशीर्वाद लेने आए हैं ताकि विकास की राह पर क्षेत्र को और आगे ले जा सकें. वहीं, उन्होंने विरोधी नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि नगरगढ़ के छोटे राजा जनता का शोषण करते रहे हैं और आज चुनाव जीतने के लिए भी आशीर्वाद नहीं, बल्कि ताहिर अंसारी जैसे लोगों से समर्थन ले रहे हैं. भानु प्रताप शाही ने आरोप लगाया कि ताहिर अंसारी ने

जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते भानु प्रताप शाही.

दलितों और मुस्लिमों का वोट सात करोड़ रुपये में नगरगढ़ के छोटे राजा को बेच दिया है. उन्होंने कहा कि ताहिर अंसारी का कंधा राइफल उठाने से मजबूत हुआ है, जबकि उनका कंधा बहनों की डोली उठाने से. सैकड़ों बहनों की शादी कराने का श्रेय लेते हुए उन्होंने विरोधियों को 'उग्रवादी' और 'जमींदार' बताया, जो हमेशा से किसानों का शोषण करते आए हैं.भानु प्रताप ने यह भी कहा कि नगरगढ़ के छोटे राजा और उनके बड़े भाई राज राजेन्द्र प्रताप देव ने 10 साल तक विधायक रहते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कुछ भी नहीं किया. उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि इन लोगों ने विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं रखी. इसके विपरीत, उन्होंने खुद बिजली पहुंचाने, सड़कों और पुलों का निर्माण कराने के साथ-साथ स्कूलों और अन्य बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए काम किया है.भानु प्रताप शाही ने अपने चुनावी वादों में यह भी कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही 'गो गो दीदी' योजना के तहत 2100 महिलाओं को मदद दी जाएगी और गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपये कर दी जाएगी. इसके अलावा, बालू को फ्री करने और 60 वर्ष से ऊपर के लोगों को 2000 रुपये पेंशन देने का भी वादा किया. उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार गरीबों और मजदूरों की सरकार होगी, जबकि उनके विरोधी केवल जमींदारी और शोषण में लगे रहे हैं.मौके पर भाजपा नेता भगत दयानन्द यादव,मंडल अध्यक्ष संध्याकर विश्वकर्मा प्रमुख आभा रानी विधायक प्रतिनिधि उपेन्द्र दास, जितेंद्र प्रसाद यादव,सांसद प्रतिनिधि रामखेलावन पासवान, विनोद सिंह, अरुण कुमार सिंह, बुद्धनाथ गुप्ता, इग्नासुस बाड़ा, सुनील रौशन, कलामुद्दीन अंसारी, संगीता पासवान, कृष्णा यादव,बैजू गुप्ता,अमित रंजन सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

डॉ शशिभूषण मेहता को पांकी में जगह-जगह किया स्वागत

संवाददाता। मेदिनीनगर

पांकी के भाजपा विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता को एक बार फिर बीजेपी से टिकट मिलने पर पांकी विधानसभा क्षेत्र के भाजपाइयों में जश्न का माहौल देखा जा रहा है. जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाई बांटी गई. टिकट मिलने के बाद विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को पांकी पंहुचने पर भाजपाईयों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. समाजसेवी रामदास साहु ने फूल माला पहनकर जोरदार स्वागत किया . पांकी के जांजो, पोरसम, ताल, सोरठ, मंगलपुर, पांकी, तेतराई, कोनवाई, सगालीम, कुंदरी, लेस्लीगंज समेत कई जगहों पर विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को स्वागत किया गया. बीजेपी द्वारा विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को फिर से टिकट देने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह और उमंग देखा जा रहा है. विधायक डॉ. मेहता पांकी के राम जानकी मंदिर समेत कई मंदिरों में माथा टेकर आशीर्वाद लिया.

इसके अलावा विधायक डॉ. मेहता पांकी में भीमराव अंबेडकर, शहीद भगत सिंह, कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का माल्यार्पण किया. विधायक डॉ शशिभूषण मेहता के सगालीम और लेस्लीगंज स्थित मौर्य फार्म हाउस में जश्न का माहौल देखा गया. विधायक डॉ. मेहता ने भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के सभी पदाधिकारी के प्रति आभार जताया है.

शहर के विभिन्न होटलों में चला सर्च अभियान

मेदिनीनग। विधानसभा चुनाव को लेकर पलामू पुलिस ने क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए हैं. इसी क्रम में, रात मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न होटलों में सर्च अभियान चलाया गया. इसका उद्देश्य असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाना और चुनावी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना था. मेदिनीनगर शहर थाना प्रभारी श्री देवदत्त पोद्दार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटलों के रजिस्टर की जांच की और ठहरे हुए लोगों से पूछताछ की. हर होटल के कमरों की बारीकी से जांच की गई और ठहरे हुए व्यक्तियों के पहचान पत्रों को सत्यापित किया गया. इसके साथ ही होटल संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने होटलों में आने वाले सभी मेहमानों की जानकारी रखें.

पश्चिम एशिया की गुत्थी

क्या पश्चिम एशिया में युद्ध विराम संभव है. इसकी तत्काल संभावना कम ही है. हमास के नेता याह्या सिनवार की हत्या के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का समर्थन करने और उन्हें अपने देश में आने से प्रतिबंधित करने के इजराइल के फैसले की आलोचना करने के इरादे से संयुक्त राष्ट्र में रखे गए पत्र के साथ खुद को न जोड़ने का भारत का निर्णय हैरान करने वाला और चिंता का सबब है. चिली द्वारा प्रसारित इस पत्र में संयुक्त राष्ट्र और उसके शीर्ष अधिकारियों पर विश्वास जताया गया है. यह पत्र इजराइल के विदेश मंत्री द्वारा संयुक्त राष्ट्र एवं उसके शीर्ष अधिकारियों पर पक्षपात का आरोप लगाए जाने और यह कहने के बाद लाया गया है कि गुटेरेस "इजराइल की धरती पर कदम रखने के लायक नहीं हैं". अब जबकि दुनिया एक साल से ज्यादा वक्त से तमाशबीन बनी हुई है, लेबनान तथा यमन पर हमले और दमिश्क में ईरानी दूतावास पर बमबारी, तेहरान में हमास नेता की हत्या और लेबनान में हिजबुल्लाह को निशाना बनाने के लिए पेजर बमों का इस्तेमाल जैसे गुप्त अभियानों के साथ, इजराइल अपने दुश्मनों की तलाश में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को लांघ गया है. हालांकि, पिछले वर्ष में जो बात सामने आई है, वह है संयुक्त राष्ट्र प्रणाली पर उसका हमला. इजराइल ने जानबूझकर संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को निशाना बनाया है और संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी पर हमास के साथ संबंध होने का आरोप लगाया है. यह एक ऐसा संगठन है, जिसका भारत समर्थन करता है. लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना, यूनिफिल पर हमले किए, जिसमें 50 देशों की 10,000 की मजबूत सेना के हिस्से के रूप में 903 भारतीय सैनिक तैनात हैं. गुटेरेस पर प्रतिबंध ईरान द्वारा इजराइल पर एक अक्टूबर के मिसाइल हमलों के बाद लगाया गया था और इजराइल के विदेश मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने गुटेरेस पर इन हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा नहीं करने का आरोप लगाया था. मौजूदा हालात और भारतीय सैनिकों के लिए जोखिम के मद्देनजर, यह बेहद निराशाजनक है कि नई दिल्ली ने खुद को उन बयानों से दूर रखा है, जो संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ इजराइल की कार्रवाई की आलोचना करते हैं. गुरुवार को अपनी स्थिति स्पष्ट करते समय भी, विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ इजराइल की कार्रवाई की कोई आलोचना नहीं करते हुए सुरक्षित रवैया अख्तियार करने का फैसला किया. भारत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक अग्रणी सदस्य है और उसने इसकी स्थापना के बाद से इसमें उदारतापूर्वक योगदान दिया है. वह अपने द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सेवाओं और प्लेटफ़ॉर्म का भी लाभार्थी रहा है. इजराइल के साथ भारत के घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों के मद्देनजर, सरकार में बैठे कुछ लोग टिप्पणी से परहेज को 'व्यावहारिक राजनीतिक' संयम की एक कवायद के रूप में देख सकते हैं.

> भारत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक अग्रणी सदस्य है और उसने इसकी स्थापना के बाद से इसमें उदारतापूर्वक योगदान दिया है. वह अपने द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सेवाओं और प्लेटफ़ॉर्म का भी लाभार्थी रहा है.

सुभाषित

आरोग्यं विद्वत्ता सज्जनमैत्री महाकुले जन्म।
स्वाधीनता च पुंसां महदैश्वर्यं विनाप्यर्थैः॥

आरोग्य, विद्वत्ता, सज्जनों से मैत्री, श्रेष्ठ कुल में जन्म, दूसरों के ऊपर निर्भर न होना, यह सब धन नहीं होते हुए भी पुरुषों का ऐश्वर्य है. जिसके पास यह ऐश्वर्य नहीं है, वह अकूत धन प्राप्त कर भी सुखी नहीं रह सकता. उसके सामने कष्ट ही कष्ट होते हैं.

यह चुनाव है झारखंड के सम्मान का

चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है. राज्य में पहले चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जा रहे हैं. झामुमो के नेतृत्व में सत्तारूढ़ इंडिया गठबंधन और भाजपानीत एनडीए चुनाव जीतने के लिए तरकश का हर तीर आजमा रहे हैं. 24 साल के झारखंड का 14वां मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला तो 23 नवंबर को सामने आएगा.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

झारखंड का विधानसभा चुनाव देख कर महाभारत का युद्ध याद आ रहा है. कुरुक्षेत्र में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे. दोनों के बीच घमासान युद्ध चल रहा था. अर्जुन बाण चलाते, तो कर्ण अपने रथ समेत मीलों पीछे चला जाता. जब कर्ण बाण चलाता, तो अर्जुन का रथ कुछ कदम ही पीछे जाता. यह देख अर्जुन के सारथी कृष्ण बोल पड़ते-वाह कर्ण, तुमसे बड़ा योद्धा नहीं देखा. तुम्हारे युद्ध कौशल को आनेवाली पीढ़ियां याद रखेंगी. ऐसा बार-बार कृष्ण कहते. इससे अर्जुन बहुत नाराज हुए. बोले-भगवन- मैं बाण चलाता हूं तो कर्ण मीलों पीछे चला जाता है, वह आपको नहीं दिखता, लेकिन कर्ण जब बाण चलाता है, तो मेरा रथ महज कुछ गज पीछे हटता है. और आप फिर भी कर्ण की तारीफ किए जा रहे हैं. इस पर कृष्ण मुस्कुराए. बोले- अर्जुन शायद तुम भूल गए हो कि तुम्हारे रथ की ध्वजा में स्वयं महावीर हनुमान विराजमान हैं. मैं स्वयं तीनों लोकों का भार लिए तुम्हारे रथ का सारथी हूं. फिर भी तुम्हें पीछे हटना पड़ रहा है. दूसरी तरफ कर्ण को देखो, वह सिर्फ और सिर्फ अपने युद्ध कौशल और आत्मबल के सहारे तुम्हारा मुकाबला कर रहा है. इसके बावजूद वह लड़ाई में डटा हुआ है. ठीक यही युद्ध कथा झारखंड के विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिल रही है. एक तरफ स्वयं पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे महारथियों के साथ करीब दस राज्यों के मुख्यमंत्री, अन्य केंद्रीय मंत्री, झारखंड के चार पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन और मधु कोड़ा को लेकर चुनाव अभियान की शुरुआत कर चुके हैं. राज्य में भाजपा के चुनाव की कमान भी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंता विस्वा सरमा जैसे दिग्गज नेता संभाल रहे हैं. केंद्रीय एजेंसियां भी माहौल बनाने में लगी हैं. चुनाव की घोषणा से ठीक पहले ईडी की रेड इसकी गवाह है. इसके अलावा आरएसएस की पहुंच भी झारखंड के कोने-कोने में भाजपा को बढ़त दिलाने में जुटा है. फिर भी भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नहीं दिख रही कि वह झारखंड विधानसभा चुनाव में बहुमत का 41 का आंकड़ा पा ही लेगी. उसका आंतरिक सर्वे भी बता रहा है कि हालात बेहद मुश्किल हैं. दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन झारखंड में हेमंत सोरेन के काम, उनकी लोकप्रियता और कल्पना सोरेन की आक्रामकता एवं आधी आबादी के बीच उनकी पहुंच के बल पर एक बार फिर विधानसभा चुनाव की बैतरणी पार करने में जुटा है. अब तक के आकलन के मुताबिक झारखंड में झामुमो के प्रदर्शन में किसी तरह की गिरावट होती नहीं दिख रही. हां, कांग्रेस की हालत 2019 जैसी नहीं दिखती. यही हाल राजद का भी है. कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी का झारखंड में क्रेज है, लेकिन वह कितना समय चुनाव में देंगे, अभी तक तय नहीं हुआ है. झारखंड में इंडिया गठबंधन हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन पर ही पूरी तरह निर्भर है.

अब अगर झारखंड में पिछले पांच साल की सियासी उठापटक की बात करें, तो दो चेहरों ने तीन बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. इनमें से एक को गिरफ्तारी होने पर कुर्सी छोड़नी पड़ी तो दूसरे ने कुर्सी से हटाए जाने के बाद दल बदल लिया. अब वे विपक्षी भाजपा के साथ हैं. इन तमाम घटनाक्रमों के केंद्र में भूमि घोटाला था. इसी मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फंसे हुए हैं. हेमंत सोरेन का दूसरा कार्यकाल काफी चुनौतियों वाला रहा. 2022 में चुनाव आयोग ने झारखंड के तब के राज्यपाल रमेश बैस को एक याचिका पर अपनी राय भेजी, जिसमें मांग की गई कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खुद को एक खनन पट्टा देकर चुनावी कानून का उल्लंघन करने के लिए विधायक के रूप में अयोग्य ठहराया जाए. हालांकि, इस याचिका पर बाद में कोई कार्रवाई नहीं हुई. हेमंत की मुश्किलें यहीं कम नहीं हुईं. 31 जनवरी 2024 को भूमि घोटाले के आरोपों के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी से ऐन पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और राज्य की कमान शिबू सोरेन के करीबी माने जाने वाले चंपाई सोरेन को मिली. हेमंत की गिरफ्तारी के बाद चंपाई सोरेन झामुमो विधायक दल के नेता चुने गए. 2 फरवरी 2024 को उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली. इस पद पर पहुंचने वाले चंपाई सातवें नेता थे. इसके साथ ही चंपाई शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के बाद झामुमो के तीसरे नेता बन गए, जो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचे. पांच महीने से रांची की जेल में बंद हेमंत को 28 जून को बड़ी राहत मिल गई. अदालत से राहत मिलने के बाद हेमंत ने चंपाई की जगह ली. हेमंत के झारखंड की सत्ता संभालने के बाद ही पूर्व सीएम चंपाई के पाला बदलने की पटकथा शुरू हो गई. चंपाई ने 18 अगस्त को एक लंबा सोशल मीडिया पोस्ट लिखा जिससे तय हो गया कि वह झामुमो से अलग होंगे. चंपाई सोरेन 30 अगस्त को रांची में आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए.

कुल मिला कर झारखंड के चुनाव पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों की मानें, तो भाजपा में बहुतै जोगी मठ उजाड़ जैसे हालात बन सकते हैं. आपको याद होगा वर्ष 2004 का लोकसभा चुनाव जब पूरे देश में इंडिया शाइनिंग का डंका बज रहा था. अटल- आडवाणी जैसे दिग्गज नेताओं से लैस भाजपा ने समय पूर्व चुनाव का ऐलान कर फायदा उठाना चाहा. भाजपा ने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इतना कमतर माना कि सरेआम उनका मजाक उड़ाया गया. इसका असर उलटा हुआ और जनता में कांग्रेस के प्रति सहानुभूति पैदा हो गई. कुछ ऐसे ही हालात झारखंड में बनते दिख रहे हैं. एनडीए के सभी नेताओं के निशाने पर हेमंत सोरेन रहेंगे. एक अकेले हेमंत को लगातार निशाना बनाने से आम लोगों में उनके प्रति सहानुभूति पैदा हो सकती है. देखा जाए तो हेमंत ने तमाम झंझावात झेले, मगर दिल्ली की सत्ता के सामने कभी झुके नहीं और अकेले सीना तान कर मैदान में डटे हुए हैं. हां, उन्हें अपने राज्य की जनता पर भरोसा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

राष्ट्र को जोड़ने की धारणा

ईशा फाउंडेशन के सदगुरु कहते है कि त्रिदेव तीन अलग-अलग गुणों के प्रतीक है.विज्ञान की भाषा मे इसे प्रोट्रॉन, इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रॉन कहा जाता है. प्रोट्रॉन को ब्रह्मा यानी निर्माणकर्ता, इलेक्ट्रॉन को शंकर यानी संहारकर्ता और न्यूट्रॉन को विष्णु यानी पालनकर्ता कहा जाता है. ये तीन देव जिस प्रकार एक दूसरे से सह-संबंध स्थापित कर विराजमान होते हैं, उसी प्रकार परमाणु के अंदर तीनों तत्वों के बीच सह संयोजन होता है. इन तीनों की गतिशीलता के बिना सृष्टि में सृजन संभव नहीं है. सद्गुरु कहते है कि इलेक्ट्रॉन सदैव ही न्यूक्लियस के समीप चक्कर काटता है.इस कारण यह तीनों तत्व का न्यूक्लियस ही देवी है. भारत को जोड़ने की देशज परिकल्पना का नाम है शक्ति पूजा. वैदिक युग से ही साहित्यकारों, मनीषियों ने इसे एक ऐसे विशाल और विस्तृत भौगोलिक एवं मातृसत्तात्मक इकाई के रूप में देखा है, जो हिमालय से लेकर समुद्र तक फैला है. हिमालय यानी शीर्ष पर कैलाश (भगवान शिव यानी प्रकृति) और समुद्र यानी अंतिम छोर पर कन्याकुमारी (माता पार्वती यानी शक्ति) इस विशाल देश को एक इकाई के रूप में सदैव बांधते रहे है. और इस इकाई को प्राप्त करने वाले शासक को सदैव ही पिता का शीर्ष प्राप्त करने तथा माता के चरण छूने की चाह रही, जिसके कारण पराक्रमी और शक्तिशाली शासकों ने दिग्विजय अभियान चलाया और कई ने चक्रवर्ती की उपाधि भी प्राप्त कीं. कवियों ने सवाल किया कि अखंड ब्रह्चारिणी कुमारी माता क्या सोचती है? वे उस शिव की अहर्निश ध्यान में लीन है, जो समाधि में बैठे है. देश को उत्तर से दक्षिण को जोड़नेवाली प्राणधारा के प्रतीक रहे हैं शिव-पार्वती. शिव और शक्तिपीठ का पूरे भारत में विस्तार ही भारतवर्ष की चौहदी, राष्ट्रीयता और इसके परस्पर संबंधों की कहानी बयां करती है. 12 ज्योतिर्लिंग कहां है? अमरनाथ से लेकर रामेश्वरम तक. इसी प्रकार 51 शक्तिपीठ के माध्यम से भारतवर्ष के मातृभाव को जोड़ने का सफल प्रयास किया गया. देश में शक्तिपीठ के जगहों का दर्शन कीजिए. पूर्व में असम की कामाख्या देवी तथा बंगलादेश के चिटगांव की भवानी शक्तिपीठ, तो पश्चिम में पाकिस्तान के कराची के हिगलाज की कोट्टार देवी, उत्तर में अमरनाथ में महामाया देवी और नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के समीप अवस्थित गुजेश्वरी मंदिर की महाशीरा तथा मानसरोवर के समीप अवस्थित दाक्षायानी शक्तिपीठ, धूर दक्षिण में कन्याकुमारी अवस्थित है.

लाभार्थी बनते नागरिक और लोकतंत्र का संकट

• सामयिकी

सुभाष गाताडे

राज्यों के चुनावों का ऐलान हो चुका है, महाराष्ट्र और झारखंड में अगले माह के अंत तक नई सरकार का गठन होगा. वैसे इस ऐलान के ऐन पहले एक कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार द्वारा महाराष्ट्र सरकार को भेजी लीगल नोटिस चर्चा का विषय बनी रही. इस नोटिस का फोकस महाराष्ट्र सरकार द्वारा आनन-फानन हाल में शुरू की गयी 'लाडकी बहिण' योजना से है, जिसके तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रूपए दिए जाएंगे. याद रहे लोकसभा चुनाव में जब महाराष्ट्र में भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन को विपक्षी इंडिया गठबंधन की तुलना में कम सीटें मिलीं,तब इस योजना को शुरू किया गया. नोटिस में कहा गया है कि सरकार का यह दावा कि इतनी मासिक सहायता महिलाओं के लिए काफी होगी, तथ्यों से परे है, इतना ही नहीं ऐसी खैरात निर्भरता की संस्कृति को बढ़ावा देती है और वह कल्याणकारी राज्य के समूचे विचार को खत्म कर देती है. इस खास मामले में सरकार का जवाब जो भी हो, इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि इस लीगल नोटिस ने बेहद जरूरी सवाल उठाए हैं. इसमें कहा गया है कि इस योजना के लिए सरकार ने प्रति साल 46,000 करोड़ रुपए के खर्चे का अनुमान लगाया है और इसे पूरा करने के लिए रिजर्व बैंक आफ इंडिया से तीन हजार करोड़ रुपए का कर्जा भी ले लिया है. उनके मुताबिक यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को और नाजुक कर देगा तथा उसका राजकोषीय घाटा तीन फीसदी से लेकर 4,6 फीसदी तक पहुंच जाएगा. वित्तीय तथा अन्य मामलों के अलावा इस नोटिस ने अन्य सवाल उठाए हैं, मसलन महिलाओं के लिए बनी इस योजना से ट्रांसजेंडर महिलाओं को बाहर रखा गया है और सबसे अहम बात यह है कि यह योजना राज्य और स्त्रियों के बीच के रिश्ते को भाई-बहन के गतिविज्ञान में देखता है, जो संविधान निर्माताओं द्वारा नज़रिये को उलट देता है, जो इसे राज्य और नागरिक के बीच के सम्बन्ध के तौर पर देखता है. इस हस्तक्षेप को लेकर यह प्रतिक्रिया सबसे पहले सुनने को मिल सकती है कि इस योजना में अनोखा कुछ नहीं है. मध्यप्रदेश में शुरू की गयी 'लाड़ली बहिना' योजना की बात की जा सकती है- जिसे शिवराज सिंह चौहान की पूर्व सरकार ने शुरू किया था और बाद में कहा गया था कि भाजपा को लोकसभा चुनावों में जो जीत मिली इसके पीछे इसी योजना का हाथ रहा है- जिसके तहत भी महिलाओं को हर माह कुछ निश्चित रकम दी जाती है.

> मध्यप्रदेश में शुरू की गयी 'लाड़ली बहिना' योजना की बात की जा सकती है- जिसे शिवराज सिंह चौहान की पूर्व सरकार ने शुरू किया था और बाद में कहा गया था कि भाजपा को लोकसभा चुनावों में जो जीत मिली इसके पीछे इसी योजना का हाथ रहा है- जिसके तहत भी महिलाओं को हर माह कुछ निश्चित रकम दी जाती है.

मुमकिन है केन्द्र सरकार द्वारा 80 करोड़ भारतीयों के लिए हर माह पांच किलो अनाज देने की बात भी कोई कर सकता है जो आने वाले पांच साल तक चलेगी, उसका भी इसके तहत उल्लेख हो. ऐसी योजनाओं की प्रचुरता का- जिनमें से कई योजनाएं विपक्षी पार्टी की सरकारों ने भी शुरू की हैं - मतलब यह कत्तई नहीं है कि हम उन सवालों को सामने न रखें, जो पहले से उठे न हों. दरअसल इससे जुड़े अन्य मामलों के चलते उसकी अहमियत बढ़ गयी है. बिना किसी पूर्वयोजना के चुनावों के ऐन पहले शुरू की गयी इस योजना का मतलब यह भी है कि इससे सरकार की पहले से चली आ रही योजनाओं पर भी गहरा असर पड़ेगा. पहले से जिन हाशियाकृत तबकों को सबसिडी दी जाती रही है, उसमें कटौती होगी या विलंब होगा. मालूम हो कि इस बात को सरकार के आलोचक नहीं बल्कि खुद केन्द्र सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी ने उठाया है. राज्य की पहले से चली आ रही नाजुक वित्तीय स्थिति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 'जब राज्य पहले से ही कर्जे में डूबा है तो ऐसी योजना की व्यावहारिकता प्रश्नों के घेरे में है.' अगर हम घटनाक्रम की तरफ गौर से देखें तो यह साफ है कि राज्य ने नागरिकों के अपने हित से जुड़े मामले में निर्णय प्रक्रिया में उनकी सहभागिता से पूरी तरह इन्कार किया है. दूसरे, जल्दबाजी में शुरू की गयी यह योजना एक तरह से नागरिकों की 'बौद्धिक क्षमता' को भी कम आंकती है और लोगों में आपस में ही संदेह और अविश्वास पैदा करती है. इसका मतलब और कुछ नहीं बल्कि नागरिक और जनतंत्र के बीच जो एक खास किस्म का रिश्ता बना हुआ है - जहां नागरिक अपने अधिकारों की मांग कर सकते हैं, उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि अधिकार हासिल होते है और राज्य का कर्तव्य होता है कि वह उन्हें पूरी करे - को एक तरह से भंग कर देना या तोड़ देना. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

जीएसटी सुधारों के लिए क्या हो नीति

• आर्थिकी

एम गोविंद राव

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए जरूरी है कि कर व्यवस्था को अधिक राजस्व दिलाने वाला बनाया जाए और उपभोग कर का असर आगे नहीं जाने दिया जाए. कर सुधार उस समय अधिक कामयाब होते हैं जब अर्थव्यवस्था तेजी पर होती है क्योंकि राजस्व में कमी का जोखिम घट जाता है. तीन मेरे तीन प्रमुख सुझाव हैं;(क) रियायती सूची में जल्द खराब होने वाली और जरूरी वस्तुएं ही हों, (ख) राजस्व में कमी लाए बगैर कर की केवल दो दरें रखी जाएं और तीसरी दर 'खराब' मानी जाने वाली वस्तुओं के लिए ही हो तथा (ग) जीएसटी को उन वस्तुओं पर भी लागू हो, जो अभी इसके दायरे से बाहर हैं, मसलन–पेट्रोलियम उत्पाद, बिजली और अचल संपत्ति. इससे जीएसटी को अधिक व्यापक बनाने में मदद मिलेगी. यह सही है कि देश में कर नीतियों में बड़े सुधार करना कठिन है. ऐसे में अधिक सरल और कारगर उपभोग कर व्यवस्था की दिशा में बढ़ना सही होगा. सार्वजनिक चयन की अवधारणा में एक आम सिद्धांत यह है कि गठबंधन साझेदारों की संख्या जितनी अधिक होगी, निर्णय लेना उतना ही कठिन होगा क्योंकि सबकी अलग-अलग पसंद होंगी. जीएसटी परिषद की निर्णय प्रक्रिया में केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के शामिल होने के कारण बड़े सुधारों को अंजाम देना आसान नहीं है. लेकिन यदि दिशा में जरूरी बदलाव सभी समझ रहे हों तो धीरे-धीरे वांछित नतीजा हासिल किया जा सकता है. दुर्भाग्यवश अब तक सहजता, पारदर्शिता और कर संग्रह, अनुपालन तथा विसंगतियों से होने वाला खर्च कम करने की दिशा में कुछ ठोस नहीं किया गया है. उसके बजाय मामूली रद्दोबदल ही हुआ है.

सुधारों की संभावित दिशा से बचने के लिए अक्सर समानता और राजनीतिक सुविधा को वजह बताया जाता है. दरों में अंतर को यह कहकर उचित बताया जाता है कि इससे कर व्यवस्था प्रगतिशील बनती है. कोई नहीं कहता कि केवल गरीब ही कर चुकाएं मगर आय वितरण में असमानता दूर करने के लिए कर को प्रमुख नीतिगत जरिया बनाने की सोच भ्रामक हो सकती है. दुनिया भर के अनुभव दिखाते हैं कि असमानता दूर करने में कर नीति बहुत कम योगदान कर सकती है. उदाहरण के लिए अमेरिका में ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के जोसेफ पेकमैन ने 1966 से 1985 के बीच कुछ अध्ययन किए, जिनमें करों में बदलाव के बाद की स्थिति का अनुमान लगाया गया. उन्होंने पाया कि अमेरिकी कर व्यवस्था ज्यादा प्रगतिशील नहीं है. जिन वस्तुओं पर यह सोचकर कम कर लगाया गया था या कर से छूट दी गई थी कि उन्हें गरीब इस्तेमाल करते हैं, उन्हें वे लोग भी उपयोग में लाते हैं, जो गरीब नहीं हैं. दूसरी ओर अगर समता के तहत ध्यान गरीबी कम करने पर ही है तो शिक्षा, स्वास्थ, कौशल विकास पर सार्वजनिक व्यय और गरीबी दूर करने वाली प्रत्यक्ष योजनाओं की मदद से गरीबों को सशक्त बनाना कारगर नीति होगी. इनके लिए धन करों के जरिये जुटाना चाहिए और आवश्यक खाद्य वस्तुओं को छूट देकर तथा सीमा को ऊंचा रखकर उपभोग कर को प्रगतिशील बनाया जा सकता है. जिन देशों में मूल्यवर्द्धित कर की अलग-अलग दरें होती हैं, उनमें भी आम तौर पर केवल दो दरें इस्तेमाल की जाती हैं. मगर भारत में कई दरें हैं और उन्हें उचित भी नहीं बनाया गया है. श्रम के अधिक इस्तेमाल वाले निर्माण उद्योग में प्रयुक्त भवन निर्माण सामग्री पर 28 फीसदी कर इसका उदाहरण है. कर दरों को कम करने से वर्गीकरण और विवाद की समस्या हल हो जाएगी. उदाहरण के लिए कोई रेस्तरां अपनी खानपान सेवा को रेस्तरां कारोबार के तौर पर वर्गीकृत करते हुए कर की दर को 18 फीसदी के बजाय 5 फीसदी श्रेणी में ला सकता है. कोयंबत्तूर में श्री अन्नपूर्णा होटल के मालिक ने क्रीम वाले बन पर लगने वाले कर के बारे में जो कहा, वह ऐसी ही कर विसंगति दर्शाता है. विजय केलकर समिति की सिफारिश के मुताबिक कर की केवल एक दर रखना राजनीतिक रूप से मुमकिन नहीं होगा लेकिन जीएसटी परिषद को राजस्व या समानता की भेंट चढ़ाए बगैर कर की केवल दो दरें रखते हुए जटिलता कम करने पर विचार क्यों नहीं करना चाहिए. सुझाए गए सुधार के बारे में दूसरी चिंता राजनीतिक स्वीकार्यता की है. यह दलील गलत है कि कर व्यवस्था जमी-जमाई है, इसलिए सुधार नहीं करने चाहिए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> जीएसटी परिषद की निर्णय प्रक्रिया में केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के शामिल होने के कारण बड़े सुधारों को अंजाम देना आसान नहीं है. लेकिन यदि दिशा में जरूरी बदलाव सभी समझ रहे हों तो धीरे-धीरे वांछित नतीजा हासिल किया जा सकता है. दुर्भाग्यवश अब तक सहजता, पारदर्शिता और कर संग्रह, अनुपालन तथा विसंगतियों से होने वाला खर्च कम करने की दिशा में कुछ ठोस नहीं किया गया है.

मीडिया में अन्यत्र

सामाजिक समीकरणों को साधने का कौशल

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिए स्पष्ट जनादेश मिला है. हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए, जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी. निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है. मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास. हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है. निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है. उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए कृतसंकल्प होने की जरूरत है. दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं. चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों को लेकर मुखर होते हैं, वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है. भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी. बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा-दशा तय नहीं करते. बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं. निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा. उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके. निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है. कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं. इसके लिए आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है. **(द ट्रिब्यून)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

डोर/डोल

फिल्म कटी पतंग में किशोर कुमार ने एक मस्त गाना गाया था-ये शाम मस्तानी मदहोश किये जाये, कोई डोर मुझे खींचे तेरी ओर लिए जाये. एक ऐसा ही गाना है-लगे नजर ना साथियो, आज भरी महफिल ये देखो कहीं डोल न जाये दिल, ये गोरी-गोरी मेम का. गाने तो दोनों मस्ती से भरपूर हैं. इनमें भाव भी गहरे हैं, लेकिन पहले गाने में डोर शब्द खींचने का काम कर रहा है और दूसरे में डोल हिला-डुला कर रख दे रहा है. डोर संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है तो डोल संज्ञा पुल्लिंग. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार डोर का मतलब है सूत आदि का बंटा हुआ पतला मजबूत धागा, तागा, डोरा, सूत, पतली रस्सी, पतंग उड़ाने का मांझा, किसी के जीवन का सहारा, आसरा या अवलंब, लगाव, बंधन आत्मीयता की भावना. आपने किसी को किसी पर डोरा डालते हुए देखा होगा तो यह डोरा शब्द डोर से मिलता जुलता है. इसमें भाव भंगिमा वही है, लेकिन अंतर है तो बस यही कि डोरा संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है मोटा धागा, तागा, जो रुई, सन या ऊन से बांटकर बनाया जाता है, सूत, सूत्र, लकीर, धारी, आंखों की पतली नसें जो नशे या उन्माद की अवस्था में आंखों में दिखायी पड़ती हैं. जैसे आंखों के लाल-लाल डोरे, वह चीज जिससे किसी शोध या खोज को बल प्राप्त होता है, सुराग, प्रेम या स्नेह का बंधन. डोल शब्द में हिलने-डुलने की क्रिया या भाव होता है. इसका मतलब हलचल, खलबली, कंप, पानी रखने या भरने का लोहे का चौड़े मुंह का गोल बरतन, बाल्टी, डोलची, झूला, हिंडोला, पालकी, डोली, पालना. संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में डोल एक प्रकार की उपजाऊ काली मिट्टी को कहा जाता है. विशेषण के रूप में डोलने वाले, हिलनेवाले या चंचल को डोल कहते हैं. क्रिया के रूप में यह डोलना है. डोलना का मतलब गतिमान होना, हिलना, दोलित होना, डिग जाना, लड़खड़ाना, इधर-उधर होना, चलना-फिरना, टहलना. डोला से तो आप परिचित होंगे ही. मतलब नवविवाहिताओं के बैठने के लिए बड़ी डोली, जिसे कहारों द्वारा ढोया जाता है.

जाओ मैं नहीं बताता, आप तो पढ़ा रहे हो!

• तीर-तुक्का

दीनदयाल शर्मा

समाज में तीन हठ विश्व प्रसिद्ध हैं -राज हठ, तिरिया हठ और बाल हठ. वैसे तो बहुत हठ हैं, लेकिन सभी हठों में बाल हठ सर्वोपरि है. हठ की प्रवृत्ति जन्मजात होती है और यही प्रवृत्ति उम्र के साथ-साथ बढ़ती रहती है. हठ की इस प्रवृत्ति को खत्म तो नहीं किया जा सकता, लेकिन मनोवैज्ञानिक इसे अपने तरीके से कम करने के उपाय जरूर बता सकते हैं. 'दिल तो बच्चा है.....' किसी ने यूं ही थोड़े ही लिखा था. बच्चा यदि हठ कर लेता है तो उसके सामने तिरिया हठ और राज हठ भी पानी भरते हैं. एक बार क्या हुआ कि एक बच्चे ने हठ कर लिया कि उसे पढ़ना ही नहीं है, चाहे कोई कितनी ही कोशिश कर ले. उस बच्चे के अभिभावकों ने लाड़, प्यार, मार, दुलार आदि सभी प्रयास किए, लेकिन बच्चा था कि पढ़ने का नाम ही नहीं लेता. आखिर परेशान होकर अभिभावकों ने अखबार में विज्ञापन दिया कि यदि उसके बच्चे को कोई पढ़ा देगा तो उसे मुंह मांगी राशि दी जाएगी. विज्ञापन पढ़कर कई ट्यूशनधारी गुरुजी पहुंच गए. एक गुरुजी से पांच हजार रुपये मासिक पर बच्चे की ट्यूशन तय हो गई. गुरुजी बोले, 'मैं इसे अपने तरीके पढ़ाऊंगा. आप मेरे द्वारा पढ़ाये गए तरीके पर किसी प्रकार की टिप्पणी नहीं करेंगे!' दोनों पक्षों की सहमति के बाद बच्चे को बुलाया गया. लगभग आधे घण्टे के अथक प्रयासों के बाद बच्चे को गुरुजी के सामने पेश किया गया. गुरुजी बच्चे के सिर पर बड़े प्यार से हाथ फेरते हुए बोले, 'बेटा, क्या नाम है आपका?' 'नहीं बताता.' बच्चा कंधे उचकाते हुए बोला. तभी बच्चे की मम्मी बोली, ' जी, इसका नाम राजकुमार है लेकिन घर पर प्यार से इसे राजू कहते हैं.' बहुत प्यारा नाम है. हां तो राजू बेटा, पढ़ाई में तुम्हारा मन भी नहीं लगता और मेरा भी मन पढ़ने में नहीं लगता. क्या पढ़ें, कुछ समझ में ही नहीं आता. गुरुजी और मेडमें भी तो प्यार से नहीं पढ़ाती. है ना राजू. गुरुजी ने उसकी नजरें पढ़ते हुए पूछा. राजू गुस्से से बोला, 'मेरे सामने पढ़ाई का नाम मत लो.' गुरुजी ने बड़े प्यार से राजू से पूछा. 'हां, संतरे खाने का मन कर रहा है, पास वाले बाग से.' राजू मुस्कुराते हुए बोला. तभी गुरुजी खड़े होते हुए बोले, 'तो चलो, मैं तुम्हें खूब सारे संतरे खिलाऊंगा....ताजे-ताजे, मीठे-मीठे....' 'मम्मी मैं अंकल के साथ बाग में जाऊं?' राजू ने अपनी मम्मी से पूछा. मम्मी बोली, 'जाओ बेटा, खूब सारे संतरे खाकर आओ.' और फिर गुरुजी और राजू बाग की ओर चल पड़े. पांच मिनट में ही वे बाग में पहुंच गए. तब गुरुजी बोले, 'मैं पेड़ पर चढ़कर तुम्हें संतरे देता रहूंगा और तुम खाते रहना.' 'ठीक है.' राजू खुश होकर बोला. गुरुजी पेड़ पर चढ़ गए. उन्होंने 15-20 संतरे नीचे गिराए. राजू ने कई संतरे खाए. गुरुजी कुछ देर बाद पेड़ से नीचे उतर गए. फिर उन्होंने राजू से पूछा, बेटा राजू, तुमने अभी कितने संतरे खा लिए? और शेष कितने संतरे बच गए? राजू संतरा खाता हुआ मुस्कुरा कर बोला, 'जाओ मैं नहीं बताता.....आप तो मुझे पढ़ा रहे हो!'

सुकून

मोटिवेशन

भारतीय इतने उदास क्यों रहते हैं

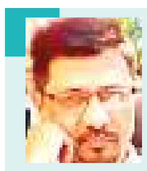

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

ऊपर से हम कितना भी खुशहाल क्यों न दिखें, अंदर एक अनकही उदासी से घिरे रहते हैं. ऐसा लगता है जैसे हर भारतीय की डिफ़ॉल्ट सेटिंग में शिकायत और उदासी का सॉफ़्टवेयर डाला हुआ है, जो रोज़ाना अपडेट होता रहता है. हर समय अपना दुखड़ा लेकर बैठ जाना हमारा राष्ट्रीय टाइमपास बन चुका है. चलिए, इस 'उदासी उत्सव' के कारणों को समझते हैं और उपायों पर भी गौर करते हैं.

1. **लुक्स और शारीरिक बनावट :** भारतीय अपने शरीर और लुक्स को लेकर कुछ ज़्यादा ही चिंतित रहते हैं. उन्हें हमेशा लगता है कि वे अच्छे नहीं दिख रहे और लोग उन्हें देखकर हंस रहे हैं. यही कारण है कि वे हर जगह सिकुड़े-सिकुड़े रहते हैं, खुलकर ज़िंदगी का आनंद नहीं लेते.

2. **अंतहीन इच्छाएं :** हमारी इच्छाओं का तो कोई अंत नहीं है. दो पहिया है, तो चार पहिया और चार पहिया है, तो बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज चाहिए. छोटा घर है, तो बड़ा शानदार घर चाहिए. एक इच्छा पूरी नहीं होती और तीन नई इच्छाएं पंख फड़फड़ाने लगती हैं. न तो खुशी मिलती है और न ही संतुष्टि.

3. **तुलना करने की आदत :** चाहे रिश्तेदारों के बच्चे हों या पड़ोसी की नई कार, हर चीज़ से अपनी तुलना करना हमें और असंतुष्ट कर देता है. 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' - महिलाओं को बेचैन कर देती है, और 'उसकी सैलरी मेरी सैलरी से ज्यादा कैसे' - पुरुषों को सोने नहीं देती.

4. **बीमारियों का वहम :** इतना पैसा खर्च किया और सबकुछ नॉर्मल! टेस्ट की रिपोर्ट सही आ जाने पर भारतीयों का मुंह लटक जाता है. लगभग हर भारतीय बीमारियों का वहम पाले रहता है. हर छोटी तकलीफ में बड़ी बीमारी का अंदेशा लगाना जैसे हमारे डीएनए का हिस्सा बन चुका है.

5. **महिलाओं की निर्भरता :** भारतीय महिलाएं अभी भी हर छोटी-बड़ी बात के लिए पिता, भाई या पति पर निर्भर रहती हैं. इससे वे न तो अपना फैसला ले पाती हैं और न ही ज़िंदगी अपनी इच्छानुसार जी पाती हैं. उनकी यह असंतुष्टि उन्हें भीतर से उदास कर देती है.

6. **कम सैलरी का दुख :** भले ही हमारी सैलरी में इजाफा हो, पर यह कभी पर्याप्त नहीं लगती. लोगों को हमेशा लगता है कि उन्हें उनकी मेहनत के मुताबिक पैसे नहीं मिल रहे. उनकी इस असंतुष्टि का पिटारा हमेशा खुला रहता है.

7. **मनपसंद नौकरी न मिलना :** हर दूसरा भारतीय सरकारी नौकरी न मिलने का गम पाले रहता है. प्राइवेट में अच्छा काम मिल भी जाए, तो उसमें वह शिकायतें ढूंढ़ निकालता है. कुछ को बॉस से तो कुछ को अपने सहकर्मियों से शिकायत रहती है.

8. **गलत जीवनसाथी का चयन :** शादी के पहले के ख्वाब और शादी के बाद की हकीकत में ज़मीन-आसमान का अंतर होता है. इससे न सिर्फ़ शादीशुदा ज़िंदगी मुश्किल होती है, बल्कि लोगों के जीवन में असंतुष्टि भी गहरी हो जाती है.

9. **सोशल मीडिया का दबाव :** सोशल मीडिया ने तो जैसे उदासी की आग में घी का काम किया है. एक तो लाइक्स के पीछे हर व्यक्ति पागल हुआ रहता है. फिर तमाम तरह की उल्टी-सीधी खबरों और वीडियो ने हमारे रिश्तों में जहर घोल दिया है.

10. **सरकारी नीतियों से असंतोष :** भारत में सरकारी कामों की धीमी रफ्तार और टैक्स की मार किसी को पसंद नहीं आती. सरकारी दफ्तरों में घंटों खड़ा रहना और भ्रष्टाचार का सामना करना, हमारे धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता है.

उदासी से बाहर आने के उपाय

1. लुक्स और शारीरिक बनावट को लेकर आत्महीनता पालना बेवकूफी है. इससे कहीं ज्यादा जरूरी है अपनी खूबियों पर ध्यान देना और उसे निखारना.

2. जो इच्छाएं पूरी हो सकती हैं, उस पर ध्यान दें. अनंत इच्छाएं पालना बंद करें. जितना है, उतने में खुश रहना सीखिए.

3. तुलना सिर्फ दुख देती है. दूसरों से तुलना करने की बजाय, अपनी प्रगति पर ध्यान दें.

4. बीमारियों का वहम छोड़िए. खुद से दवा लेना बंद कीजिए. योग और नियमित व्यायाम को अपनाइए.

5. आत्मनिर्भरता महिलाओं को न केवल आर्थिक, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाती है. इसलिए आत्मनिर्भर होने पर फोकस कीजिए, स्किल्ड बनिए और अपने आप को स्मार्ट बनाइए.

6. इस सोच से बाहर आएं कि हमें सैलरी कम मिलती है. हमें उतनी ही मिलती है, जितना हम डिज़र्व करते हैं. काम को इंजॉय करें और खुद को ज्यादा स्किल्ड बनाएं.

7. हर काम में कुछ न कुछ नया सीखने का मौका जरूर होता है. सीखने का जुनून रहेगा, तो काम करने में आनंद आने लगेगा.

8. अपने जीवनसाथी में गलती ढूंढना बंद कर उनकी खूबियों पर ध्यान दें. सही संवाद और तालमेल से हर रिश्ता बेहतर हो सकता है.

9. लाइक्स के झूठे सम्मोहन से बाहर निकलें. चार लोग ज्यादा लाइक कर दें, तो उससे न तो कुछ हासिल होगा और न ही हमारा घर चलेगा.

10. हमारे नाराज होने या चिंता करने से कुछ नहीं बदलने वाला. अपना काम पूरी ईमानदारी से करें और मानसिक रूप से रिलैक्स्ड रहें

निष्कर्ष

शिकायतों की डायरी बंद कर दीजिए. उदासी के पन्नों को स्टेपल कर दीजिए. अपने काम को इंजॉय कीजिए, जो सबसे ज्यादा जरूरी है. अपने व्यवहार को अच्छा रखिए और संतुष्ट रहिए. काम और सामर्थ्य के अनुसार जितना मिल रहा है, उससे खुश रहना सीखिए. आत्मविमुग्धता या हीन भावना से बाहर आइए.

"खुशी पहले से निर्मित कोई चीज़ नहीं है, यह आपके कर्मों से आती है."
- दलाई लामा

भावी दुल्हा/दुल्हन की बुआ-फूफा, चाचा-चाची, मौसा-मौसी जैसे करीबी रिश्तेदार कम से कम दो-तीन हफ्ते पहले से शादी के घर में हाथ बंटाने आ जाते. कभी छत पर अदौड़ी, पापड़, चिप्स आदि बनाते हंसी-मजाक का दौड़ चलता तो कभी मोहल्ले भर की महिलाओं के साथ ये महिला रिश्तेदार शादी के कम से कम दस दिन पहले से मंगलगीत गातीं. चाचा-मौसा, फूफा भी कहां फुर्सत से होते! कभी टेंट-शमियाना वाले के यहां चक्कर होता तो कभी हलवाई के बताए सामान एकत्र करने में लगे होते. अपने घर के कुछ कमरे ही नहीं, पास पड़ोस के घरों के कमरे भी खाली करवा कर उसमें गद्दे-मसलन-तकिया आदि लगवा दिए जाते. एक-दो कमरा भंडार का होता और उसकी जिम्मेदारी निभाने के लिए भी कोई बंदा तय किया जाता. शादी के घर मतलब सौ तरह के काम. लेकिन ऐसी शादी और माहौल अब बीती बात हो गई है. जमाना डेस्टिनेशन, वेसिनेशन, बैंकेट हॉल, होटल आदि में शादी का है जिसमें रिश्तेदार तो छोड़िए माता-पिता, भाई-बहन जैसे निकट परिजन भी बिल्कुल बेफिक्री और फुर्सत से शादी के पल-पल को एंजॉय करते दिखते हैं. सबकुछ खुशनुमा, सुकून भरा सा...

डेस्टिनेशन, विसिनेशन और माइक्रोवेडिंग

सात फेरों के ये यादगार लम्हें

शादी का दिन किसी के भी जीवन में बेहद खास होता है. हर कोई कुछ ऐसा करना चाहता है जिससे यह पल यादगार बन जाए, जिनकी शादी है, उनके लिए तो हो ही, जो शरीक हों, वे भी इसे ताउम्र नहीं भूल पाए. इसके लिए डेस्टिनेशन वेडिंग सेलेब्स ही नहीं, आम लोगों की भी ख्वाहिश होती है. जी हां, यह कुछ सालों से शादी का खास ट्रेंड बना हुआ है. बिना तनाव के फुल मस्ती मूड में शादी के सभी आयोजन संपन्न हो जाते हैं. ऐसा लगता है जैसे किसी जगह पर छुट्टियां बिता रहे हैं. इससे टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलता है. बेशक खर्च कुछ अधिक होता है, पर परिजन समेत दुल्हे-दुल्हन जिस तरह पल-पल का लुत्फ उठा पाते हैं, समर्थ खर्च की अधिक परवाह नहीं करते.

डेस्टिनेशन वेडिंग में कहां होता ज्यादा खर्च

वेडिंग प्लानर शोभित भट्टाचार्य कहते हैं कि इसमें 50 से 60 % पैसे होटल के कमरे की बुकिंग, गेस्ट के फूड और ट्रेवल पर खर्च होते हैं. फिर सजावट पर खर्च होता है. फ्रेश फूलों की सजावट कर रहे हैं तो अधिक खर्च होगा, वहीं नकली फूलों पर अपेक्षाकृत कम खर्च होगा. मनोरंजन जैसे डीजे, कोरियोग्राफर, आर्टिस्ट आदि पर भी 10 से 15 % राशि खर्च होता है. शादी का फोटो खींचने और वीडियोग्राफी पर भी बटुए अधिक ढीले होते हैं. इन दिनों कुल बजट की 5-10 % राशि इसी में जा रही है. यदि वेडिंग प्लानर की सेवा ली है तो उसकी फी भी बजट का 5-7% तक होगा. खर्च पर लगाम चाहते हैं तो पहले से गेस्ट की लिस्ट तैयार रखनी होगी. यदि गेस्ट की संख्या बढ़ेगी तो खर्च भी बढ़ेगा.

कहां हो डेस्टिनेशन वेडिंग

जो अधिक समर्थ हैं वह दुबई, आबू धाबी, कतर, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया आदि जैसी जगहों पर भी जाना चाहते हैं. जो देश में ही लक्जरी वेडिंग करना चाहते हैं, वे उदयपुर, जयपुर, गोवा, केरल आदि डेस्टिनेशन पंसद करते हैं.कम बजट वालों के बीच कलिमपोंड, वायनाड, धर्मशाला, आगरा जैसी जगहें डिमांड में हैं.

विसिनेशन वेडिंग भी एक बेहतर विकल्प

डेस्टिनेशन वेडिंग की ख्वाहिश आजकल प्रायः सभी यूथ को होती है, यह बात और है कि सभी इस ख्वाहिश को पूरा नहीं कर सकते. ऐसे में विसिनेशन वेडिंग एक बेहतर विकल्प है. दरअसल ये डेस्टिनेशन वेडिंग का छोटा रूप ही होती है जिसमें घर के आस-पास की अच्छी लोकेशन पर शादी संपन्न होती है. ये बजट फ्रेंडली होती हैं. आस-पास की लोकेशन पर शादी होने की वजह से कई तरह के खर्च कम हो जाते हैं.

इन बातों का रखें ध्यान

- **लोकेशन करें सेट :** डेस्टिनेशन वेडिंग कहां करना चाहते हैं, सबसे पहले यह तय करें. यह भी देखें कि क्या उस लोकेशन पर सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं या नहीं.
- **बुक करें होटल :** मेहमानों के ठहरने का इंतजाम बेहतर हो, इसके लिए अपने बजट को देखते हुए पहले ही होटल बुक करें. इसके बाद ही शादी की डेट तय करें. साथ ही दूल्हा और दुल्हन के लिए रूम पहले पहले से बुक कर लें. मौसम के अनुकूल होटल की व्यवस्था पर भी ध्यान दें.
- **मेहमानों को पहले करें आमंत्रित :** मेहमानों की लिस्ट बना कर उन्हें पहले ही सूचित कर दें.
- **को-ऑर्डिनेटर और प्लानर से संपर्क :** को-ऑर्डिनेटर या प्लानर से लगातार संपर्क में रहें. लोकेशन पर पहुंचते ही उन्हें फोन करें. तैयारियों से जुड़ी अपडेट लें.
- **शादी से पहले करें विजिट :** होटल या फिर लोकेशन से जुड़ी पूरी जानकारी पाने के लिए बेहतर होगा कि आप शादी की डेट तय करने से पहले ही एक या दो बार जाकर उसे देख लें. अगर आप दूसरी बार नहीं जा सकते हैं तो कोशिश करें कि शादी से एक हफ्ते पहले वहां पहुंच जाएं. कई व्यवहारिक समस्याएं इससे सुलझेंगी.

अनुभव

ताउम्र याद रहेगा डेस्टिनेशन वेडिंग का यह अनुभव

सारिका भूषण

भारत जैसे खूबसूरत देश के कर्नाटक राज्य में स्थित कोडगु जिला, जिसे कूर्ग के नाम से भी जाना जाता है, अपने हरे-भरे परिदृश्यों और सुगंधित कॉफी और मसालों के बागानों के लिए प्रसिद्ध है. अपने ठंडे मौसम और खूबसूरत पहाड़ी इलाकों के कारण पश्चिमी घाट की पूर्वी ढलानों पर स्थित इस क्षेत्र को अक्सर "भारत का स्कॉटलैंड" कहा जाता है. यही मनोहारी स्थान तय हुआ मेरे भतीजे (साकेत और सान्या) की शादी को यादगार बनाने के लिए यानी उसके डेस्टिनेशन वेडिंग का. पिछले वर्ष 14 और 15 दिसंबर, दो दिनों के लिए हमने कुर्ग की सुंदर घाटियों में स्थित आयातना रिसॉर्ट बुक किया. वर-वधू दोनों पक्षों के सारे दोस्त और रिश्तेदार मिलाकर लगभग डेढ़ सौ लोग वहां पहुंचे थे. झरनों के संगीत और खूबसूरत पेड़ों की हरियाली के बीच हमने खूब सारी मस्ती की. दूल्हा-दुल्हन दोनों ने अपने दोस्तों और भाई-बहनों के साथ मिलकर ढेर सारे इवेंट्स का आयोजन किया. इस डेस्टिनेशन वेडिंग की सबसे बड़ी खासियत यह रहती है कि दोनों पक्षों के सारे रिश्तेदार एक ही जगह पर ठहरते हैं और हर रस्म को साथ-साथ मिलकर यादगार बना देते हैं. शादी की हल्दी, मेहंदी, मड़वा-मंडप से लेकर बारात, जयमाल और फेरे तक की प्लानिंग बहुत सुनियोजित ढंग से की गई थी. खूबसूरत रंगों, गीतों और ग्रुप डांस का समावेश ने इस शादी में चार चांद लगा दिए. हर रस्म में सभी साथ थे अपने भावुक पलों और यादों के साथ. बिना किसी बंधन और रोक-टोक के सभी साथ मुस्कुरा रहे थे, शादी की रस्मों को पूरे कर रहे थे. मुझे लगता है डेस्टिनेशन वेडिंग का यह अनुभव सबसे अलग होता है. यहां सभी चीज़ें पहले से प्लान की हुई होती है और उस समय खाने-पिलाने, परोसने या सजावट की चिंता नहीं होती. यहां किसी को कोई शिकायत नहीं होती कि उसे अनदेखा किया गया या उसकी कम ख़ातिरदारी हुई. इस वेडिंग में अमूमन वही लोग भी शामिल होते हैं जो आपके बहुत करीब होते हैं या जो आपके सुख-दु:ख में आपके साथ रहना चाहते हैं. दो दिनों के इस यादगार शादी की प्लानिंग में सबसे ज्यादा योगदान दूल्हा-दुल्हन, उनके पैरेंट्स के साथ-साथ लड़के की बड़ी बहन-बहनोई का था, जिन्होंने इसको भव्य और यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी.

माइक्रो वेडिंग का अपना मजा

एक तरफ है डिस्टिनेशन वेडिंग जिसमें बेशुमार खर्च होता है, वहीं दूसरी तरफ है माइक्रो वेडिंग जो उन लोगों की पसंद है जिन्हें अधिक ताम-झाम या दिखावा नहीं अच्छा लगता है. जिन्हें ज्यादा लंबे-चौडे.फंक्शन पसंद नहीं हैं, उनके लिए यह अच्छा विकल्प है. माइक्रो वेडिंग में शादी से जुड़े सभी रीति-रिवाज निभाए जाते हैं, लेकिन सब छोटे होते हैं. इसमें मेहमानों की संख्या इतनी कम होती है कि घर बड़ा है, तो वहीं पर वेडिंग बड़ी खूबसूरती से संपन्न हो सकती है. आप चाहें तो अपनी पसंद का कोई कैफे या फिर रेस्टोरेंट भी बुक कर सकते हैं. इसमें परिवारवालों के अलावा कुछ खास गिने-चुने लोग ही शामिल होते हैं. महंगी शादी जिन्हें फिजुलखर्ची लगती है, उनके लिए यह बढ़िया है. न प्लानिंग में अधिक समय लगता है, न अधिक काम की थकान होती है, न खर्च अधिक होता है. और तो और इस शादी में फूफा के रुठने या जीजा की नाराजगी के मौके भी कम होते हैं. मेहमान कम होने से इस शादी में सबकी पसंद के व्यंजनों को आसानी से शामिल किया जा सकता है.

अनुभव

शादी में शरीक हुए थे बमुश्किल 20 लोग

ममता बैनर्जी

बात वर्ष 2019 की है जब पूरे देश में कोरोना का आतंक था. मेरी बेटी की सगाई पहले ही हो चुकी थी और जब शादी की डेट निकली थी तब दौर क्वारंटाइन का था. शादी टाल भी नहीं सकते थे क्योंकि आगे जल्द दूसरी डेट नहीं थी. तब हम रांची में थे, पर बेटी (जो तब सॉफ्ट वेयर इंजीनियर थी) बंगलुरु में थी. दामाद भी वहीं थे. बेटी मधुमिता हॉस्टल में और दामाद अश्वथ गेस्ट हाउस में. लॉकडाउन के कारण हॉस्टल में बेटी मटर की सब्जी, चावल, बिस्किट, केक आदि पर ही निर्भर थी. किसी भी हाल में शादी करना ही सही लग रहा था. ऐसे में हम माता-पिता शादी के ऑनलाइन साक्षी बनें. बंगलुरु में कुछ गिने चुने रिश्तेदार व लड़के के माता-पिता की उपस्थिति में शादी सम्पन्न हुई. बमुश्किल 20 लोग शादी में शरीक हुए थे. उस माहौल में नियत तिथि पर सभी रीति रिवाजों के साथ शादी होने की खुशी ही कुछ और थी.

रमता जोगी

स्वीडेन : खूबसूरत, आधुनिक और समृद्ध देश

किरण निशांत

स्वीडेन विश्व के कुछ खूबसूरत देशों में एक है. प्राकृतिक रूप से सम्पन्न यह देश एक स्वतंत्र विचारों वाला आधुनिक देश है. यहां अपराध बहुत कम होते हैं, लोग आजाद खयाल के हैं. विश्व प्रसिद्ध नोबेल सम्मान का फैसला यहीं होता है. तो सहज ही एक आकर्षण था, इस देश को देखने का. इस वर्ष मुझे मौका मिला स्वीडेन जाने का. स्वीडेन की राजधानी स्टॉकहोम है. यह उत्तरी यूरोप में स्थित सबसे बड़ा शहर है. यह पूरे स्कैंडेवियन इलाके का भी सबसे बड़ा शहरी क्षेत्र है. स्टॉकहोम के बारे में सबसे खास बात इसकी भव्य तट रेखा है. स्टॉकहोम में यहां के जंगल, इसकी हरियाली, बाल्टीक समुद्र का किनारा इसे संपन्न बनाता है. द्वीपों से बने इस देश में कई ऐसे शहर हैं, जहां केवल नौका से ही जाया जा सकता है. यहां परिवहन का एक बेहतरीन बुनियादी ढांचा मौजूद है, तो आधुनिक और डिजिटल सार्वजनिक सेवाएं और अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार व्यवस्था उपलब्ध है.

- **गमला स्टैन :** मैं मानती हूं कि किसी भी शहर को देखने का सबसे बढ़िया तरीका पैदल चल कर देखना है, क्योंकि अगर पैदल चलते हैं, तो दरवाजे के पीछे की पुरानी और नई कहानियां, शहर की किंवदंतियों के बारे में जान सकते हैं. यह सब कुछ सोचती मैं शहर देखने को निकल पड़ी थी. हमने देखा यहां स्टॉकहोम खूबसूरत इमारतों से भरी पड़ी है. आकर्षक आधुनिक वास्तुकला पूरे शहर में हर जगह दिखाई देती है. यहां का पुराना शहर 'गमला स्टैन', बहुत ही सुरम्य है, और रॉयल पैलेस दर्शनीय है.
- **संग्रहालयों का स्टॉकहोम :** स्टॉकहोम में 100 से अधिक संग्रहालय हैं. हमने वहां का विश्व प्रसिद्ध नोबल संग्रहालय को देखना तय किया, जहां आज तक के सभी नोबल पुरस्कार विजेताओं से संबन्धित सामग्रियां मौजूद थीं. स्वाभाविक ही रवींद्र नाथ टैगोर के बारे में भी बहुत सारी जानकारियां थीं. उनके हाथ से लिखा हुआ पत्र था, जिसे देख कर कोलकाता की

मेरी दोस्त नंदनी रोने-रोने को हो गई. हम वहां के ओपेरा हाउस, ऐतिहासिक स्टोरकिरकन कैथेडरल आदि देखने भी गए जिसे देख कर स्टॉकहोम के प्रभावकारी उत्कृष्ट वास्तुकला से कोई प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सकता. एक पसंदीदा स्थान जो हम देखने गए वह था 17वीं सदी के युद्धपोत वासा का घर वामुसेट, जो अपनी पहली ही यात्रा में दुखद रूप से डूब गया था. स्टॉकहोम बन्दरगाह के निचले भाग में वर्षों तक कीचड़ में पड़े रहने के बाद, वहां की सरकार ने वासा को उसका पूर्व गौरव बहाल कर दिया. इस शहर में एक बड़ा-सा संग्रहालय केवल युद्ध पोत वासा को संग्रहीत करने के लिए बनाया गया है.

- **स्वीडेन की कॉफी :** कॉफी स्वीडेन की संस्कृति का एक हिस्सा है और स्टॉकहोम इसके लिए एक आदर्श स्थान है. पूरी दुनिया में मशहूर है, यहां की कॉफी. कॉफी शब्द को यहाँ की भाषा में लोग 'फिका' उच्चारित करते हैं, जिसका अर्थ होता है, जीवित होना या सक्रिय होना. जब हमने यह सुना तो मुसकुराये बगैर नहीं रह सके कि कॉफी, जीवित या सक्रिय होने का प्रमाण भी हो सकती है. दरअसल यहां एक कप कॉफी का आनंद लेने के लिए ब्रेक लेने का प्रचालन है, जैसे एक रस्म हो. ये लोग कॉफी के साथ एक केक का टुकड़ा या दालचीनी लेते हैं. स्टॉकहोम उत्कृष्ट बार और शानदार क्लबों का घर है, जिसकी छत पर बैठ कर एक कप कॉफी या एक ड्रिंक के ग्लास के साथ दूर तक फैले खूबसूरत दृश्यों को देखना एक विलासिता के साथ ही एक सामान्य सा आनंद भी है.

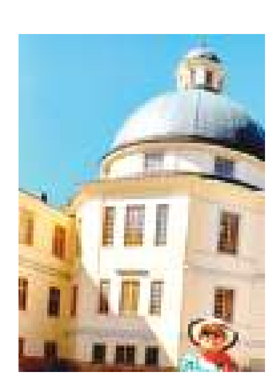

- **खाने के शौकीन के लिए स्वर्ग :** स्टॉकहोम खाने के शौकीन लोगों के लिए स्वर्ग है. स्थानीय भोजन, स्थानीय उपज और ताजे सामग्री से बनी होती है, जो स्वादिष्ट होने के साथ ही टिकाऊ भी हैं, लेकिन सच कहूं तो मुझे कुछ खास नहीं लगा या पसंद नहीं आया. यहां के लोग पारंपरिक भोजन में रेंडेयर के मीट के साथ ही मछली खाना बहुत पसंद करते हैं. वैसे बहुत सारे शाकाहारी विकल्प भी खाने में मौजूद हैं. यहां के 'चीज़' और हस्त निर्मित स्वादिष्ट चॉकलेट प्रमुख हैं, जिसे आप अपने साथ इस देश के यादगार स्मृति चिह्न के रूप में ले जा सकते हैं.वैसे स्टॉकहोम स्टाइलिश स्मृति चिह्नों की ख़रीदारी के लिए बहुत ही उपयुक्त जगह है. यहां के गुच्ची बहुत मशहूर हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

बेंगलुरु टेस्ट में टीम इंडिया 8 विकेट से हारी, दूसरा टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से पुणे में होगा

न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारत में टेस्ट मैच जीता

▸ रचिन रविंद्र बने प्लेयर ऑफ द मैच

▸ सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से पुणे में

एजेंसी। बेंगलुरु

अपने घर पर बहुत मजबूत भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड ने एक बड़ा झटका दिया है. बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारत को 8 विकेट से हार मिली. भारत को उस कीवी टीम ने हराया जिसको भारत आने से पहले किसी ने भाव नहीं दिया था. लेकिन न्यूजीलैंड ने कमाल करते हुए साल 1988 के बाद भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज कर ली है. इस मैच के हीरो रहे रचिन रविंद्र जिन्होंने पहली पारी में 157 गेंदों पर 134 रनों की पारी खेली और दूसरी पारी में भी नाबाद 39 रनों का योगदान दिया. उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी दिया गया. यह पिछले 11 सालों में भारत की अपने घर पर 5वीं टेस्ट हार है. भारत ने साल 2013 के बाद से पुणे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, चेपॉक में इंग्लैंड के खिलाफ, इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, हैदराबाद में इंग्लैंड के खिलाफ और अब बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार पाई है. यह पिछले एक साल में टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारत की तीसरी हार भी है. इस अवधि में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में हार मिली थी. इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ भी उनको पहले ही टेस्ट मैच में हार मिली है. अब कीवी टीम ने उनको मात दी है. भारतीय टीम को इस समय पुणे में मजबूत कमबैक करने की जरूरत है, जहां अगला टेस्ट खेला जाना है. भारत के लिए राहत की बात विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में उसकी स्थिति है. यह मैच हारने के बावजूद टीम इंडिया 68.06 पीसीटी के साथ नंबर एक पर बनी हुई है. जबकि न्यूजीलैंड की टीम 44.44 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर है. फिलहाल भारत पर 36 साल मिली जीत के बाद न्यूजीलैंड ने यह सीरीज रोमांचक कर दी है.

भारत की हार के पांच अहम कारण

1. ओवरकास्ट कंडीशन में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला

बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन रुक-रुक कर बारिश हो रही थी और बादल भी छाए हुए थे. ऐसे में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के एक फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया. बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन जब टॉस हुआ तो कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. ओवरकास्ट कंडीशंस में टीम इंडिया का टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला न्यूजीलैंड के लिए तोहफे की तरह था. नतीजा ये रहा कि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने बेंगलुरु की पिच पर मौजूद नमी और ओवरकास्ट कंडीशंस का जमकर फायदा उठाया.

2. पहली पारी में टीम इंडिया का सिर्फ 46 रन पर ही ढेर होना

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया पहली पारी में 46 रन पर ढेर हो गई. यशस्वी जायसवाल (13), रोहित शर्मा (2), विराट कोहली (0), सरफराज खान (0), ऋषभ पंत (20), केएल राहुल (0), रवींद्र जडेजा (0), रविचंद्रन अश्विन (0), जसप्रीत बुमराह (1) और कुलदीप यादव (2) जैसे खिलाड़ी कीवी गेंदबाजों के सामने नतमस्तक नजर आए. न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा 5 विकेट हासिल किए. विलियम ओरोर्के ने 4 विकेट झटके. टिम साउदी को एक विकेट मिला. पहली पारी में 46 रन के स्कोर पर ऑल आउट होने का कारण टीम इंडिया को मैच हारकर कीमत चुकानी पड़ी है.

3. प्लेइंग इलेवन चुनने में बड़ा ब्लंडर

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बेंगलुरु टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन चुनने में बड़ा ब्लंडर कर दिया. बेंगलुरु टेस्ट में ओवरकास्ट कंडीशन को ध्यान में रखते हुए भारत को प्लेइंग इलेवन में तीन तेज गेंदबाजों की जरूरत थी, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने बहुत बड़ी गलती कर दी. कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज आकाशदीप को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा और उनकी जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को मौका दिया. बेंगलुरु में ओवरकास्ट कंडीशन के बावजूद कप्तान रोहित शर्मा का प्लेइंग इलेवन में तीन स्पिनर्स खिलाने का फैसला भारतीय टीम पर भारी पड़ गया.

4. टिम साउदी और रचिन रविंद्र की पार्टनरशिप

भारतीय गेंदबाजों ने पहली पारी में न्यूजीलैंड के 7 विकेट 233 रन पर गिरा दिए थे. यहां पर अगर न्यूजीलैंड की टीम 270 रन पर ऑलआउट हो जाती थी तो पहली पारी के आधार पर भारत के ऊपर सिर्फ 224 रन की बढ़त होती. यहां लेकिन... टिम साउदी और रचिन रविंद्र की पार्टनरशिप ने भारत को मैच से बाहर करने की कगार पर धकेल दिया. टिम साउदी और रचिन रविंद्र ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 137 रन जोड़ दिए. रचिन रविंद्र ने 134 रन बनाए जबकि टिम साउदी ने 65 रन की पारी खेली. पहली पारी में न्यूजीलैंड की टीम ने 402 रन बनाए और भारत पर 356 रन की बढ़त हासिल की.

5. दूसरी पारी में भारत का 54 रन पर 7 विकेट गंवाना

दूसरी पारी में सरफराज खान और ऋषभ पंत ने मिलकर भारत को संजीवनी देने का काम किया था. बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में सरफराज खान और ऋषभ पंत ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 177 रन जोड़े और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई. सरफराज खान ने 150 रन बनाए, जबकि ऋषभ पंत ने 99 रनों की पारी खेली. सरफराज खान जब आउट हुए तो न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की बढ़त 52 रन की थी. सरफराज खान के बाद ऋषभ पंत (99) आउट हुए तो पूरी जिम्मेदारी केएल राहुल और रवींद्र जडेजा पर थी कि वह कम से कम भारत को एक लड़ने लायक टारगेट तक पहुंचाएंगे. केएल राहुल ने इस नाजुक मौके पर हथियार डाल दिए और 12 रन बनाकर आउट हो गए. केएल राहुल के आउट होते ही भारत की पूरी पारी बिखर गई. भारत ने दूसरी पारी में अपने आखिरी 7 विकेट महज 54 रनों के अंदर ही गंवा दिए. 408/4 के स्कोर से टीम इंडिया की पारी 462 रन पर सिमट गई. इसी के साथ ही न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रन का आसान सा टारगेट मिला, जिसे उसने आराम से हासिल कर लिया.

बेंगलुरु टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद रोहित शर्मा ने कहा-

उम्मीद नहीं थी कि 46 पर ऑलआउट हो जाएंगे

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत को पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. पहली पारी में 46 रन पर पूरी टीम इंडिया ऑल आउट हो गई. जिसकी कीमत टीम को पहले टेस्ट में चुकानी पड़ी. न्यूजीलैंड की टीम अब टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है. ऐसे में भारत को अगला टेस्ट किसी भी हाल में जीतना होगा. रोहित शर्मा ने मैच के बाद कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वह 46 पर ऑल आउट हो जाएंगे.

रोहित शर्मा ने हार के बाद कहा, दूसरी पारी में हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया. लेकिन पहली पारी में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की थी. इसलिए हमें पता था कि आगे क्या होने वाला है. कुछ प्लेयर ने अच्छा परफॉर्म किया. जब आप 350 रन से पीछे होते हैं तो आप इसके बारे में ज्यादा नहीं सोच सकते हैं. आपको बस गेंद और बल्लेबाजी को देखना होता है. हमनें अच्छी कोशिश की."

रोहित ने आगे कहा, ऋषभ पंत और सरफराज खान ने शानदार बल्लेबाजी की. मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमें पता था कि शुरुआत में यह मुश्किल होगा, लेकिन हमें 46 रन पर आउट होने की उम्मीद नहीं थी. न्यूजीलैंड ने अच्छी गेंदबाजी की और हम उसका जवाब देने में कामयाब नहीं हो सके. इस तरह के गेम होते रहते हैं. हम आगे बढ़ेंगे. हमनें इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच गंवाया था. इसके बाद हमने 4 जीते थे.

रोहित ने दिया पंत की चोट पर अपडेट : बेंगलुरु टेस्ट में हार के बाद मीडिया के बात करने पहुंचे कप्तान रोहित शर्मा ने ऋषभ पंत के चोट पर बात की. उन्होंने कहा- देखिए हम सभी जानते हैं कि उनको पिछले कुछ सालों में किन चीजों से गुजरना पड़ा है. उनके पैर की गंभीर सर्जरी हुई और इसके बाद पंत ने काफी कुछ देखा. उनकी चोट को लेकर हमें सतर्क रहने की जरूरत है. वो हमारी टीम के लिए बहुत ही अहम खिलाड़ी हैं. पंत को फील्डिंग करने के दौरान चोट लगी थी. आपने देखा होगा जब वो बल्लेबाज कर रहे थे तो रन लेने में उनको तकलीफ हो रही थी. विकेटकीपिंग के दौरान उनको झुक कर रहना होता है और यह बहुत ही मुश्किल काम है. चोट लगी है और इसे लेकर हम काफी सतर्क हैं. जिस तरह की चीज से वो निकलकर आए हैं वो आसान नहीं होता. टीम हर परिस्थिति में इस खिलाड़ी के साथ है और उनको हमेशा ही खुलकर खेलने देती है.

दूसरे टेस्ट के लिए भारत का स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप

डब्ल्यूटीसी की प्वॉइंट्स टेबल में टीम इंडिया को नुकसान

बेंगलुरु। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा. बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम ने एकतरफा अंदाज में बाजी मारी. इसी के साथ न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारत में टेस्ट में जीतने का कारनामा किया. वहीं, ये हार टीम इंडिया को काफी भारी पड़ी है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में टीम इंडिया को भारी नुकसान हुआ है. अब उनके लिए फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी मुश्किल हो गया है. इस सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम 74.24 जीत प्रतिशत के साथ टॉप पर थी. लेकिन इस हार के बाद उसे भारी झटका लगा है. अब उसका जीत प्रतिशत 68.06 हो गया है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का यह तीसरा राउंड है, जो 2023 से 2025 तक चलेगा. इस तीसरे चक्र में टीम इंडिया ने अभी तक 12 टेस्ट मैच खेले हैं. इस दौरान उसे 8 मैचों में जीत मिली है और 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. वहीं, एक मुकाबला ड्रॉ रहा है. इसके अलावा 62.50 जीत प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया विराजमान है.

फाइनल में पहुंचने के लिए जीतने होंगे इतने मैच

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र में टीम इंडिया के अब 7 मुकाबले बाकी हैं. इनमें से दो मैच उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने हैं. वहीं, 5 टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है. ऐसे में टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना है तो कम से कम 5 मैच जीतने होंगे. इसके अलावा 4 मैच जीतने की स्थिति में भारत को अन्य किसी टीम की जीत या हार पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यानी टीम इंडिया के लिए अब फाइनल का रास्ता काफी मुश्किल हो गया है. बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में जीत ही भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचा सकती है.

बेंगलुरु टेस्ट में हार के बाद टीम में बदलाव

नयी दिल्ली। बेंगलुरु टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट के लिए टीम में बदलाव किया है. बीसीसीआई ने एक अपडेट जारी जारी किया, जिसमें बताया, पुरुष चयन समिति ने रविवार को वाशिंगटन सुंदर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज के बचे मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया है. वाशिंगटन सुंदर दूसरे टेस्ट से पहले पुणे में टीम के साथ जुड़ेंगे.

टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर.

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

एजेंसी। पोंटेवेद्रा (स्पेन)

रियल मैड्रिड के कप्तान लुका मोड्रिक ने क्लब के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बनाया. 39 साल और 40 दिन की उम्र में उन्होंने सेल्टा विगो के खिलाफ मैच खेला, जिससे उन्होंने पहले के रिकॉर्ड धारक फेरेंक पुस्कास को पीछे छोड़ दिया. पुस्कास ने 1966 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी मैच खेला था. इसके अलावा, इस मैच में लुका ने ला लिगा में अपनी 250वीं जीत भी हासिल की. उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 369वीं ला लीगा मैच में यह मुकाम हासिल किया. लुका 2012 में क्लब से जुड़े थे और तब से उन्होंने 28 गोल किए हैं, जिससे क्लब ने चार बार ला लीगा का खिताब जीता है (2017, 2020, 2022 और 2024). लुका ने सबसे ज्यादा जीत सेल्टा टीम के खिलाफ हासिल की है, जिनके खिलाफ उन्होंने 19 बार जीत दर्ज की है. मोड्रिक रियल मैड्रिड के सबसे सफल खिलाड़ी भी हैं. उन्होंने क्लब के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपियन कप, 5 क्लब वर्ल्ड कप, 5 यूरोपियन सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं.

जोशुआ ने पुरुषों व अलेमाडिस ने महिलाओं की रेस जीती

दिल्ली हाफ मैराथन 2024

एजेंसी। नयी दिल्ली

ओलंपिक और विश्व चैंपियन, युगांडा के एथलीट जोशुआ चेप्टेगी ने रविवार को दिल्ली हाफ मैराथन 2024 में पुरुषों का एलीट खिताब हासिल किया, जबकि इथियोपिया की अलेमाडिस इयायु ने महिलाओं का खिताब जीता. मौजूदा पुरुष 10,000 मीटर विश्व और ओलंपिक चैंपियन चेप्टेगी ने 59.46 सेकेंड में अपनी रेस पूरी की और केन्याई जोड़ी एलेक्स माटाटा (59:53) और निकोलस किपकोरिर (59:59) से वह आगे रहे. किपकोरिर पुरुषों की 5000 मीटर रेस में 2022 डायमंड लीग चैंपियन है. हालांकि, दो बार के 5000 मीटर विश्व चैंपियन, चेप्टेगी और इथियोपिया के मुख्तार एड्रिस के बीच जिस कड़ी टक्कर की उम्मीद की जा रही थी, वह देखने को नहीं मिली और एड्रिस 1:00:52 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे. जोशुआ चेप्टेगी ने कहा, दिल्ली में यह जीत मेरे लिए खास है क्योंकि यह हाफ मैराथन में मेरी पहली जीत है. भारत मेरे करियर के लिए अहम रहा है और यह देश अब मेरे लिए बहुत मायने रखता है. धीमी शुरुआत के बावजूद पूरी दौड़ में मुझे अच्छा महसूस हुआ. महिलाओं की एलीट रेस में, इयायु, जो अगस्त में ब्यूनस आयर्स में दूसरे स्थान पर रही थीं, ने 1:08:17 में कोर्स पूरा करके प्रभावशाली जीत हासिल की. उन्होंने केन्या की सिंथिया लिमो (1:08:27) और तिरुये मेसफिन (1:09:42) की कड़ी चुनौती का बखूबी सामना किया. ग्रेट ब्रिटेन की इलिश मैककोलगन (65:43 पीबी) शुरुआती लाइन पर मैदान में सबसे तेज महिला धावक थीं, लेकिन उन्होंने 1:09:55 का समय लेकर चौथे स्थान पर फिनिश लाइन को पार किया. भारतीय धावकों में, सावन बरवाल (1:02:46) ने पुरुषों का खिताब हासिल किया, जबकि लिली दास (1:18:12) ने महिला वर्ग की दौड़ जीती. पिछले साल भारतीय महिला दौड़ जीतने वाली कविता यादव इस साल 1:19:44 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और उनके बाद प्रीति लांबा रहीं.

दिल्ली हाफ मैराथन 2024 के परिणाम व विजेताओं के नाम

इंटरनेशनल मेंस एलीट रेस
- जोशुआ चेप्टेगी - 59:46
- एलेक्स मटाटा - 59:53
- निकोलस किपकोरिर - 59:59

इंटरनेशनल मेंस एलीट रेस
- अलेमाडिस इयायु - 1:08:17
- सिंथिया लिमो - 1:08:27
- तिरुये मेसफिन - 1:09:42

भारतीय मेंस एलीट रेस
- सावन बरवाल - 1:02:46
- पुनीत यादव - 1:03:55
- किरण मात्रे - 1:04:58

भारतीय विमेंस एलीट रेस
- लिली दास - 1:18:12
- कविता यादव - 1:19:44
- प्रीति लांबा - 1:20:20

बदलाव

जम्मू-कश्मीर में पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन, उमड़ी प्रतिभागियों की भीड़

59 विदेशी सहित दो हजार एथलीटों ने लिया हिस्सा

▸▸ सीएम उमर व सुनील शेट्टी ने दिखायी हरी झंडी

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में रविवार को पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन आयोजित की गयी. सीएम उमर अब्दुल्ला और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने पोलो व्यू स्ट्रीट से पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन को हरी झंडी दिखायी. इस मैराथन 59 विदेशी अंतरराष्ट्रीय एथलीटों सहित 2 हजार एथलीट ने दौड़ लगायी. इस दौरान उमर अब्दुल्ला भी कुछ समय तक एथलीटों के साथ दौड़े. उनके साथ-साथ उनके सुरक्षाकर्मी भी दौड़े. एथलीटों ने 42 किलोमीटर की फुल और 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन की.

मैराथन का उद्देश्य, दुनिया भर में संदेश भेजना कि कश्मीर शांतिपूर्ण है: पर्यटन निदेशक राजा याकूब फारूक ने शनिवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा था कि पहली बार मैराथन के लिए 2 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं. प्रतियोगिता में 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और 13 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. हाफ और फुल मैराथन में 59 विदेशी अंतरराष्ट्रीय एथलीट भाग ले रहे हैं. उन्होंने कहा था कि कश्मीर से भी 30 से 35 प्रतिभागी हैं. यह मैराथन दुनिया भर में यह संदेश भेजेगी कि कश्मीर शांतिपूर्ण है. सभी एथलीट दुनिया भर में संदेश देंगे कि कश्मीर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए उपयुक्त है. हम अपने व्यंजन, पेपर माची, पश्मीना और अन्य चीजों का प्रदर्शन करेंगे. ये सभी एथलीट हमारे ब्रांड एंबेसडर होंगे. मैराथन में भाग लेने के अलावा एथलीटों को स्थानीय व्यंजन भी परोसे जायेंगे. इस दौरान एथलीट विश्व प्रसिद्ध गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट का दौरा भी करेंगे और केबल कार की सवारी का भी आनंद लेंगे. मैराथन में शामिल होने के साथ-साथ, एथलीट कश्मीर की सुंदरता, इसकी प्राचीन झीलों, अल्पाइन वनों और अद्भुत शरद ऋतु का आनंद ले रहे हैं, जिसे कश्मीर में चार ऋतुओं का राजा कहा जाता है.

स्वर्ग में मैराथन होना, इससे बेहतर कुछ नहीं

मैराथन से पहले अभिनेता सुनील शेट्टी ने कहा कि यह बहुत रोमांचक है कि इतने सारे बच्चे इसके लिए उत्साहित हैं, यह देखना बहुत अच्छा है. स्वर्ग में मैराथन, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता. 100% यह एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देगा. कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है, मुझे लगता है कि दुनिया यहां आने के लिए इंतजार कर रही है. इसमें सभी देशों से 11-15 से ज्यादा प्रतिभागी थे, यह बताता है कि यह कितना सुरक्षित और खूबसूरत है. यहां बहुत सारी फिल्मों की शूटिंग हुई है.

एशियाई क्रॉस कंट्री में भारत ने 7 स्वर्ण पदक जीते

एजेंसी। हांगकांग

रविवार को एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने हांगकांग गोल्फ क्लब के कोर्स पर अपना दबदबा बनाते हुए सात गोल्ड मेडल जीते, जिनमें से तीन व्यक्तिगत श्रेणियों में थे. शीर्ष भारतीय एथलीटों ने अपने सत्र की पहली महाद्वीपीय क्रॉस कंट्री में व्यक्तिगत वर्ग में तीन रजत और एक कांस्य सहित 11 पदक जीते. भारत ने सभी चार टीम श्रेणियों- पुरुष, महिला, पुरुष अंडर 20 और महिला अंडर 20 में स्वर्ण पदक जीते. पुरुषों की व्यक्तिगत 10 किलोमीटर स्पर्धा में जहां क्लीन स्वीप हुआ, वहीं भारतीय महिला एथलीटों ने व्यक्तिगत 10 किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीता लेकिन कांस्य पदक से चूक गईं. एशियाई खेलों के पदक विजेता और 5,000 मीटर, 10,000 मीटर ट्रैक स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह पुरुषों की 10 किलोमीटर दौड़ में शीर्ष पर रहे. उनका स्वर्ण पदक जीतने का समय 32:43 था. अभिषेक पाल 32:49 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अरुण राठौड़ 32:51 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे. कार्तिक कुमार चौथे स्थान पर रहे. भारत की सीमा ने 37:20 का समय लेकर हमवतन संजीवनी जाधव को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता. संजीवनी ने भी 37:20 का ही समय लिया और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा. परिणामः महिला (10 किलोमीटर): सीमा 37:20, संजीवनी जाधव 37:20, ही वुगा (चीन) 38:02. महिला (अंडर 20) 6 किलोमीटरः ली युआन (चीन) 22:59, शिल्पाबेन वेलजीभाई दिहोरा (भारत) 23:04, फैंग युजिया (चीन) 23:05. पुरुष (10 किलोमीटर): गुलवीर सिंह (भारत) 32:43, अभिषेक पाल (भारत) 32:49, अरुण राठौड़ (भारत) 32:51. पुरुष (अंडर 20) 8 किलोमीटरः विनोद सिंह (भारत) 26:30, फू किगुआंग (चीन) 26:33, यू शुइकिंग (चीन) 26:44.

ब्रीफ खबरें

दिनदहाड़े गैस एजेंसी संचालक को गोली मारी

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में बेखौफ अपराधियों ने गैस एजेंसी के संचालक को दिनदहाड़े गोली मार दी. घटना सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र के भलुआहा की बताई जा रही है. जहां संचालक अपने एजेंसी के कार्यालय में बैठे थे. इसी दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है. जख्मी की पहचान दीप नारायण महतो के रूप में की गई है. बता दे की संचालक 10 वर्षों से गैस एजेंसी का संचालन कर रहे है. पूर्व में भी अपराधियों ने रंगदारी की मांग की थी.

अनियंत्रित कार ने रिक्शा के साथ कई लोगों को कुचला

पटना । पटना में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है. जहां एक तेज रफ्तार कार ने कई ई-रिक्शा और रिक्शा में टक्कर मार दी. इस घटना में कई लोग घायल हो गए. घटना वीरचंद पटेल पथ का है. तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने कई लोगों को कुचल दिया है. घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भेजा गया है. वहीं घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया. वहीं ड्राइवर मौके से फरार हो गया. वहीं कार में बैठे अन्य लोगों पर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. कोतवाली थाने के पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है.

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मौत

वैशाली । वैशाली जिले के पवरा गांव में बहन के घर गए भाई की मौत हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हो गई. युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना के बाद परिजनों द्वारा आनन-फानन में युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया. मृतक युवक की पहचान चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के मघौल खुर्द गांव निवासी सूबेदार राय के 34 वर्षीय पुत्र जितेश कुमार राय बताया गया है.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गंगा में किया विरोध प्रदर्शन

पटना में स्मार्ट मीटर के विरोध में 'जल सत्याग्रह'

संवाददाता । पटना

बिहार में नीतीश सरकार की ओर से जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं तो वहीं विपक्ष के द्वारा लगातार स्मार्ट मीटर का लगातार विरोध किया जा रहा है. विपक्ष इसे स्मार्ट चीटर मीटर कह रहे हैं. इसी कड़ी में रविवार को पटना में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों ने अनोखे अंदाज में आंदोलन किया. लोगों ने जल सत्याग्रह कर स्मार्ट मीटर के खिलाफ विरोध जताया. दरअसल, पटना में स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है. बिहार कांग्रेस ने आज पटनासिटी के पत्थर घाट पर गंगा नदी में जल सत्याग्रह कर स्मार्ट मीटर के खिलाफ

अपना विरोध दर्ज कराया. कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बिहार में गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएं पहले से ही मौजूद हैं. ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाकर लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ाना अनुचित है. उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर में कई खामियां हैं और लोगों को इससे काफी परेशानी हो रही है.

बता दें कि, कांग्रेस नेताओं ने पत्थर घाट पर गंगा नदी में उतरकर जल सत्याग्रह किया. कांग्रेस नेताओं ने स्मार्ट मीटर लगाने के सरकार के फैसले का विरोध किया. उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से लोगों को बिजली बिल अधिक आ रहे हैं और इससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है. कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाने के पीछे भ्रष्टाचार है. इस दौरान कांग्रेस नेता अशोक यादव और सुजीत कसेरा कहा कि जिस बिहार में गरीबी और भुखमरी है उस बिहार के लोगों पर स्मार्ट मीटर थोपना बिहार की जनता के साथ अन्याय है. स्मार्ट मीटर में खामियां ही खामियां है. लोग इसके खिलाफ गांव से लेकर शहर तक सभी जगह विरोध कर रहे हैं. बिहार में शराबबंदी और स्मार्ट मीटर लोगों को बर्बाद कर रही है. नेताओं ने कहा की बिहार के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर जिस अधिकारी ने मोटी कमीशन खाई है उसे फांसी की सजा होनी चाहिए.

मालूम हो कि, स्मार्ट मीटर को लेकर बिहार के कई हिस्सों में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर से बिजली बिल बढ़ गए हैं और उन्हें कई तरह की परेशानियां हो रही हैं. वहीं दूसरी ओर बिहार सरकार स्मार्ट मीटर लगाने के अपने फैसले पर अड़ी हुई है. सरकार का कहना है कि स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी रोकने में मदद मिलेगी और बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार होगा. बिहार में स्मार्ट मीटर को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है और लोगों का भी विरोध जारी है. देखना होगा कि इस मुद्दे पर सरकार क्या कदम उठाती है.

असामाजिक तत्वों ने मूर्तियों को किया खंडित, भीड़ ने थाना घेरा

संवाददाता । भागलपुर

भागलपुर के सन्हौला थाना क्षेत्र के तालाब स्थित एक मंदिर में असामाजिक तत्वों ने भगवान की प्रतिमा को खंडित किया है. इस खबर के बाद लोग काफी आक्रोशित हो गये और घटना के विरोध में थाना का घेराव किया. इस दौरान भीड़ ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. इतना ही नहीं उग्र भीड़ ने सन्हौला से झारखंड को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया. आक्रोशितों ने आगजनी कर भी अपना विरोध जताया. सड़क जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ. हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस ने मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को किया गिरफ्तार : भागलपुर वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, सन्हौला बाजार के राम जानकी मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों ने मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया है. इस मामले में सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है. कहा गया कि शांति समिति एवं गणमान्य व्यक्तियों के सदस्यों के साथ बैठक की गयी है और फ्लैग मार्च की जा रही है.

बिहार विस उपचुनाव : महागठबंधन के उम्मीदवारों की हुई घोषणा

तीन सीटों पर राजद प्रत्याशी

- 13 नवम्बर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे

संवाददाता । पटना

बिहार की चार विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव मतदान होना है. बिहार के तरारी, रामगढ़, बेलागंज, इमामगंज विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. इन सीटों पर नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. 25 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया की आखिरी तिथि है. ऐसे में सभी पार्टियां अपने अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने में जुटी हुई है. इसी कड़ी में उपचुनाव के लिए महागठबंधन के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हो गई है. दरअसल, रविवार को राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह और वीआई के नेताओं की मौजूदगी में महागठबंधन के प्रत्याशियों का ऐलान हो गया है. जानकारी अनुसार रामगढ़ विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी अजीत कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे तो वहीं बेलागंज से राजद प्रत्याशी विश्वनाथ कुमार चुनाव लड़ेंगे. इमामगंज से राजद प्रत्याशी रोशन कुमार मांझी उर्फ राजेश मांझी चुनावी मैदान में उतरेंगे तो वहीं तरारी से सीपीआई एमएल राजू यादव चुनावी मैदान में उतरेंगे. राजद ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन नामों की घोषणा की है. बता दें कि 13 नवंबर को इन चार सीटों पर मतदान होना है. वहीं 23 नवंबर को घोषित होगा.

हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है. विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं. 13 नवम्बर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे. हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है. विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं. 13 नवंबर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे.

इमामगंज सीट से जीतन राम मांझी ने घोषित किया उम्मीदवार

पटना । हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया . केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है . विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं . जीतन राम मांझी ने लोकसभा चुनाव में गया संसदीय सीट से चुनाव जीता इसलिए इमामगंज सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं . ऐसे में जीतन राम ने इस बार उपचुनाव में अपनी बहू पर बड़ा भरोसा जताते हुए दीपा मांझी को उम्मीदवार बनाया है . 13 नवम्बर को इमामगंज सहित बिहार की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे . हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया . केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है . विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं . 13 नवंबर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे .

मुंगेर में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता । मुंगेर

मुंगेर जिले के कासिमबाजार थाना क्षेत्र के लल्लू पोखर अड़गड़ा रोड स्थित एक गांव में 26 वर्षीय प्रियंका कुमारी की संदिग्ध मौत ने सनसनी फैला दी है. मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है. प्रियंका की शादी महज डेढ़ साल पहले रौशन नामक युवक से हुई थी, जो बेंगलुरु में एक निजी कंपनी में मैकेनिक का काम करता था. मृतका के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज की मांग करते थे और प्रियंका को प्रताड़ित करते थे. उन्होंने बताया कि प्रियंका के पास तीन महीने का एक बच्चा भी है. मृतका के परिजनों का कहना है कि बीती रात ससुराल वालों ने प्रियंका के खाने में जहर मिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. वहीं, ससुराल पक्ष का दावा है कि प्रियंका की अचानक तबीयत खराब हो गई थी और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

फाइल फोटो

नालंदा में महिला की संदेहास्पद स्थिति में मौत

नालंदा । नालंदा थाना इलाके के पनहेस्सा गांव के सद्भावना नगर में संदेहास्पद स्थिति में एक महिला की मौत हो गई . मायके वाले गला दबाकर महिला की हत्या का आरोप लगा रहे हैं . हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया . मृतका प्रदीप चौधरी की 24 वर्षीय पत्नी ज्योति देवी है . मृतका के भाई ने बताया कि पिछले साल ज्योति की शादी हुई थी . शादी के बाद कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक रहा . इसके बाद ससुराल वाले दहेज में 50 हजार रुपए की मांग करने लगे . नहीं देने पर मारपीट और प्रताड़ित किया जाने लगा . कहा की फरवरी महीने में एक पुत्री ने जन्म लिया तो मायके से पैसे लाने का दबाव और बनाया जाने लगा . रविवार की सुबह ससुराल वाले ने गला घोंट हत्या कर दी . पावापुरी ओपी के दुर्गापुर निवासी वीनेश चौधरी की बेटी ज्योति की शादी नालन्दा थाना क्षेत्र के पनहेस्सा गांव निवासी प्रदीप चौधरी के साथ 2023 के फरवरी में हुई थी .

ज्वेलरी दुकान से हथियार के बल पर लूटे 20 लाख के गहने

सीवान । हथियार के बल पर बेखौफ बदमाशों ने 20 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया है. हथियार से लैस अपराधियों ने आभूषण दुकान में लूट की घटना को अंजाम दिया है. अपराधी 4 की संख्या में थे, जो घटना को अंजाम देकर अपाची से फरार हो गए. घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर एसडीपीओ दलबल के साथ पहुंचे.

मीसा भारती ने किया बड़ा दावा, मुख्यमंत्री नीतीश फिर मारेंगे पलटी! झारखंड में भी होगा खेला

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पलटी मारने को लेकर राजद सांसद और लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने रविवार को बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार कब क्या करेंगे इसे लेकर जदयू के किसी नेता को कुछ भी पता नहीं है. जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि नीतीश कुमार कहीं नहीं जा रहे हैं. इतना ही नहीं एक दिन पहले ही नीतीश कुमार ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वे पहले दो बार गलती कर चुके हैं. अब वे कहीं नहीं जाने वाले हैं. एनडीए के ही साथ रहेंगे. इसी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती ने कहा कि संजय झा ही नहीं किसी को भी कुछ नहीं पता है कि नीतीश कुमार कब क्या करेंगे.

कारोबार

आज खुलेगा वारी एनर्जीज का आईपीओ

नयी दिल्ली । सोलर पीवी मॉड्यूल्स बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलने जा रहा है. कंपनी इस आईपीओ से 4,321.44 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है. निवेशक 23 अक्टूबर तक पैसे लगा सकते हैं. कंपनी ने 18 अक्टूबर को एंकर निवेशकों से 1,276.93 करोड़ रुपये जुटाए थे. वारी आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर 28 अक्टूबर को होने की संभावना है. आईपीओ के लॉन्च होने से पहले ही ग्रे मार्केट में वारी एनर्जीज के अनलिस्टेड शेयर खूब धमाल मचा रहे हैं.

भारत जैसी ग्रोथ कहीं और नहीं देखी : सैमुअल

दिल्ली । एसेप्टिक कार्टन पैकेजिंग के लिए सिस्टम और सॉल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसआईजी के सीईओ सैमुअल सिग्रिस्ट ने कहा कि मैंने दुनिया में ऐसा कोई दूसरा बाजार नहीं देखा है, जहां हम इतनी तेजी से कारोबार को स्थापित कर पाए हैं, जितनी तेजी से हम भारत में कर सके हैं और आने वाले समय में भारतीय बाजार कंपनी के लिए ग्रोथ इंजन होगा. हाल ही में अपनी भारत यात्रा के दौरान सैमुअल ने कहा कि 2018 में भारतीय बाजार में प्रवेश करने के बाद कंपनी ने एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म तैयार किया है.

रिटेल निवेशकों के लिए नौ आईपीओ खुलेंगे

नयी दिल्ली । भारतीय शेयर मार्केट में हाल के कुछ हफ्तों में गिरावट का दौर देखने को मिला है, लेकिन प्राइमरी मार्केट पर इसका कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है. अगले कारोबारी हफ्ते (21 से 25 अक्टूबर) में 10,985 करोड़ रुपये के 9 आईपीओ (आईपीओ) रिटेल निवेशकों के लिए खुलने जा रहे हैं. इस दौरान हुंडई मोटर समेत 3 पब्लिक इश्यू की लिस्टिंग होगी. सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज आईपीओ अगले सप्ताह 21 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला पहला आईपीओ होगा, जिसका प्राइस बैंड 1,427-1,503 रुपये प्रति शेयर होगा.

भारत की वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़े हुए जारी

वाहन निर्यात पहली छमाही में 14 % बढ़ा

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत से निर्यात किए जाने वाले वाहनों की संख्या में वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 14 प्रतिशत का उछाल देखा गया है. इसका दौरान 25 लाख से ज्यादा वाहनों का निर्यात दुनिया के अलग-अलग देशों में किया गया है. आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से सितंबर की अवधि में 25,28,248 यूनिट्स का निर्यात किया गया है.

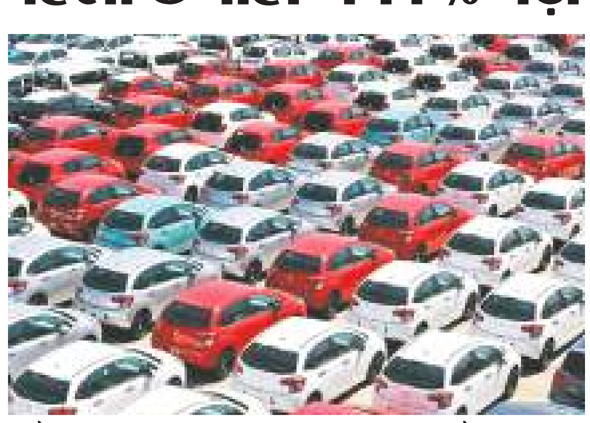

बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 22,11,457 यूनिट्स का था. इंडस्ट्री डेटा के मुताबिक, यात्री वाहनों, दोपहिया और कॉमर्शियल वहानों के निर्यात में दोहरे अंक में वृद्धि देखी गई है. तिपहियों का निर्यात सालाना आधार पर एक प्रतिशत कम हुआ है. हालांकि, पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में हुई 18 प्रतिशत गिरावट के मुकाबले इसमें सुधार देखा गया है. अप्रैल से सितंबर की अवधि के बीच यात्री वाहन सेगमेंट में कुल 3,76,679 यूनिट्स का निर्यात किया गया है. इसमें सालाना आधार पर 12 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है. चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 19,59,145 यूनिट्स दोपहिया वाहनों का निर्यात किया गया है. इसमें सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 16,85,907 यूनिट्स का था. यात्री सेगमेंट में मारुति सुजुकी इंडिया की ओर से सबसे अधिक गाड़ियों का निर्यात किया गया है.

कंपनी ने समीक्षा अवधि के दौरान 1,47,063 वाहनों का निर्यात किया है. 62,162 वाहनों के निर्यात के साथ हुंडई मोटर्स इंडिया दूसरी नंबर पर रही. अग्रणी वाहन निर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने भी हरियाणा में अपनी मानेसर सुविधा में एक करोड़ संचयी उत्पादन का मील का पत्थर भी पार कर लिया है. दोपहिया वाहन सेगमेंट में अप्रैल से सितंबर की अवधि में बजाज ऑटो 764,827 यूनिट्स के साथ शीर्ष निर्यातक रहा, उसके बाद टीवीएस मोटर का नाम है. वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भारतीय ऑटोमोबाइल मार्केट में 6.55 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है. इसकी वजह ग्रामीण मांग में इजाफा होना है.

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के मुकाबिक, अप्रैल-सितंबर अवधि में दोपहिया वाहन सेगमेंट की बिक्री में 9.08 प्रतिशत, तिपहिया वाहन सेगमेंट की बिक्री में 7.58 प्रतिशत, यात्री वाहन सेगमेंट की बिक्री में 1.07 प्रतिशत का इजाफा हुआ है. हालांकि, इस दौरान कमर्शियल वाहनों की रिटेल बिक्री 0.65 प्रतिशत और ट्रैक्टर्स की रिटेल बिक्री 8.82 प्रतिशत घटी है.

इंडियन स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए फंडिंग की गति लौटी

- इंडियन स्टार्टअप : निवेशकों ने 449 मिलियन डॉलर फंडिंग की

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय स्टार्टअप के लिए पिछला कुछ महीना बेहतर नहीं रहा है. क्योंकि तब कंपनियों को फंडिंग उठाने में दिक्कत आ रही थी. अब वापस से इसमें जान आती दिख रही है. इस सप्ताह इंडियन स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए फंडिंग की गति वापस लौटी है, जिसमें 39 स्टार्टअप ने 29 सौदों के माध्यम से लगभग 449 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, जो उसके पिछले सप्ताह जुटाए गए 135 मिलियन डॉलर से 300 प्रतिशत से अधिक है.

इस सप्ताह 12 डेवलपमेंट स्टेज और 16 इनिशियल फेज के सौदे हुए. सीड फंडिंग 26.5 मिलियन डॉलर रही, जो पिछले सप्ताह के

17.8 मिलियन डॉलर से 48.8 प्रतिशत की वृद्धि है, जिसका मतलब होता है कि स्टार्टअप इकोसिस्टम में निवेश गतिविधि ने वापस से गति पकड़ ली है.

पटरी पर लौट रहे एडटेक स्टार्टअप : एडटेक स्टार्टअप एरुडिटस ने टीपीजी के द राइज फंड के नेतृत्व में 150 मिलियन डॉलर जुटाए, जिसमें मौजूदा निवेशकों सॉफ्टबैंक विजन फंड 2, लीड्स इल्यूमिनेट, एक्सेल, सीपीपी इन्वेस्टमेंट्स और चैन जुकरबर्ग इनिशिएटिव की भागीदारी थी. एरुडिटस और एमेरिटस (मूल कंपनी) के सीईओ अश्विन दमेरा ने कहा कि इस निवेश के साथ, हम बाजार की मांग को पूरा करने के लिए विकास और नवाचार जारी रखने के लिए उत्साहित हैं.

ओमनीचैनल ब्यूटी प्लेटफॉर्म पर्पल ने अपने नवीनतम फंडिंग राउंड को 500 करोड़ रुपए बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपए (लगभग 180 मिलियन डॉलर) पर अंतिम क्लोज बनाया.

जीवा ज्वेलरी ब्रांड को मिली सीरीज बी फंडिंग

जीवा ज्वैलरी ने अपने विस्तारित सीरीज B फंडिंग राउंड के सफल समापन की घोषणा की, जिसमें उच्च मूल्यांकन पर प्रतिष्ठित निवेशकों से 255 करोड़ रुपए जुटाए गए, जिसका नेतृत्व प्रेमजी इन्वेस्ट, ईपीआईक्यू कैपिटल, एडलवाइस डिस्कवर फंड और जीवा के शीर्ष प्रबंधन ने किया . सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस स्टार्टअप ने आठ रोड्स वेंचर्स के नेतृत्व में एक राउंड में 30 मिलियन डॉलर प्राप्त किए, जिसमें एलिवेशन कैपिटल और 3वन4 कैपिटल ने भी भाग लिया . इस बीच, भारतीय फिनटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम ने जुलाई-सितंबर की अवधि में 778 मिलियन डॉलर का फंडिंग हासिल किया .

एनएसई ने दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग की तारीख-समय का किया ऐलान

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने मुहूर्त ट्रेडिंग के तारीख और समय का ऐलान कर दिया है. एनएसई ने बताया है कि दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन 1 नवंबर 2024 को आयोजित किया जाएगा. मुहूर्त ट्रेडिंग का समय 6 बजे शाम से 7 बजे शाम तक रहेगा.

ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या हुई 18.53 लाख

एजेंसी । नयी दिल्ली

ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या अगस्त में सालाना आधार पर 9.07 फीसद बढ़कर 18.53 लाख हो गई है. रविवार को जारी पेरोल आंकड़ों में यह जानकारी दी गई. श्रम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि ईपीएफओ ने अगस्त 2024 में लगभग 9.30 लाख नए सदस्यों को जोड़ा, जो अगस्त, 2023 से 0.48 फीसद की वृद्धि है. इसमें कहा गया है कि नए सदस्यों में यह उछाल रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल पहुंच कार्यक्रमों के कारण है. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा जारी अगस्त, 2024 के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2024 में 18.53 लाख सदस्यों की शुद्ध वृद्धि हुई, जो सालाना 9.07 फीसद की वृद्धि है. आंकड़ों का एक उल्लेखनीय पहलू 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जो अगस्त, 2024 में कुल नए सदस्य जुड़नेका 59.26 फीसद है.

शेयर बाजार भारतीय मार्केट के लिए काफी अहम होनेवाला है अगला सप्ताह

अब आगे पीएमआई डेटा तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय शेयर के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है. पीएमआई डेटा, आरबीआई एमपीसी मीटिंग मिनट्स, अमेरिका में जॉबलेस क्लेम के आंकड़े, तीमाही नतीजे और कई वैश्विक आर्थिक आंकड़े शेयर बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे. 21 से 25 अक्टूबर के बीच बजाज हाउसिंग फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज फाइनेंस, गोदरेज प्रॉपर्टी, टीवीएस मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियों की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए

जाएंगे. बीते कारोबारी हफ्ते में शेयर बाजार में गिरावट देखी गई. निफ्टी 0.44 प्रतिशत या 110 अंक गिरकर 24,854 और सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत या 156 अंक गिरकर 81,224 पर बंद हुआ. बाजार में गिरावट की वजह उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजे और महंगाई में बढ़त एवं विदेशी निवेशकों की बिकवाली को माना जा रहा है. सितंबर में खुदरा महंगाई दर 3.65 प्रतिशत से बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई है, जो कि बाजार के अनुमान 5 प्रतिशत से अधिक है.

बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के द्वारा कैश सेगमेंट में 21,823 करोड़ रुपये की बिकवाली और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के द्वारा कैश सेगमेंट में 16,384 करोड़ रुपये की खरीदारी की गई है. मास्टर कैपिटल सर्विसेज की डायरेक्टर पल्का अरोड़ा चोपड़ा का कहना है कि यह लगातार तीसरा हफ्ता था, जब भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का ट्रेंड देखा गया है. निफ्टी में 24,800 एक अहम लेवल है और वहीं, 25,000 एक मजबूत रुकावट का स्तर है. अगर यह इसे तोड़ता है तो 25,300 तक भी जा सकता है.

गिरावट में 24,500 एक मजबूत सपोर्ट लेवल होगा. अगर यह इसे तोड़ता है तो 24,200 के लेवल भी देखने को मिल सकते हैं. स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट में वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर का कहना है कि निफ्टी के मुकाबले बैंक निफ्टी में अधिक मजबूती दिखाई दे रही है. 52,400 और 53,000 एक अहम रुकावट का स्तर है. सपोर्ट लेवल 51,700 और 51,500 के आसपास है. तेजी के लिए बैंक निफ्टी को 52,300 का स्तर तोड़ना जरूरी है. इसके बाद अलगा टारगेट 53,300 होगा.

प्लेन क्रैश में मौत पर अब 1.7 करोड़ मिलेगा मुआवजा!

- विदेश जाने वाली फ्लाइट के लिए भी बदल गया है नियम

एजेंसी । नयी दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दौरान यात्रियों को लाभ पहुंचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन ने एयरलाइंस कंपनी द्वारा दिए जाने वाले मुआवजे में वृद्धि की घोषणा की है. इसमें फ्लाइट में देरी, सफर के दौरान दुर्घटना से चोट या मौत से संबंधित मुआवजे शामिल हैं. आईसीएओ के इस बदलाव से भारत समेत दुनिया भर के 140 देशों के अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को फायदा मिलेगा. आईसीएओ ने कहा है कि मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के तहत दिये जाने वाले मुआवजे को लेकर हुए बदलाव 28 दिसंबर से लागू होंगे.

एक रिपोर्ट के मुताबिक, यात्री की मौत होने की स्थिति में मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 1,51,880 एसडीआर कर दिया गया है. भारतीय रुपये में कन्वर्ट करने पर यह राशि 1.7 करोड़ रुपये है. वहीं, वर्तमान में मुआवजा राशि 1.4 करोड़ रुपये है. औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन के लिए कुछ नियमों के एकीकरण के लिए हुए कन्वेंशन को मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के रूप में जाना जाता है. यह कॉन्वेंशन अंतरराष्ट्रीय हवाई सफर के लिए एक व्यापक रूपरेखा स्थापित करता है. साथ ही यात्रियों को चोट, मृत्यु, देरी, सामान और कार्गो से जुड़े मामलों में एयरलाइंस की जिम्मेदारी तय करता है.

न्यूज अपडेट

भारत-ओमान साझा समुद्री युद्धाभ्यास

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना के समुद्री जहाज आईएनएस त्रिकंद और डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान ने ओमान की रॉयल नेवी के साथ द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास किया है. भारत-ओमान द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास का नाम 'नसीम-अल-बह्र' है. रविवार को रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच यह अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया था. इस समुद्री अभ्यास में सबसे पहले बंदरगाह चरण पूरा किया गया. इसके बाद आधुनिक हथियारों से लैस अपने समुद्री जहाजों पर समुद्री चरण को अंजाम दिया.

अमेरिका में बड़ा नाव हादसा, 7 की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के सैपेलो द्वीप पर एक फेरी (छोटे यात्री जहाज) प्लेटफॉर्म के ढहने से बड़ा हादसा हुआ है, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, शनिवार को एक नाव से टकराने के बाद घाट पर स्थित एक गैंगवे (प्रवेश करने का पथ) ढह गया. इस दौरान वहां जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए लोग पानी में गिर गए. जॉर्जिया प्राकृतिक संसाधन विभाग के प्रवक्ता के अनुसार कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और अन्य लोगों की तलाश की जा रही है.

बिजली की कमी झेल रहा अफगानिस्तान

काबुल। अफगानिस्तान में 900 मेगावाट बिजली अब उपलब्ध है और इसकी क्षमता को बढ़ाकर 1,000 मेगावाट करने की कोशिश चर रही है. कार्यवाहक ऊर्जा एवं जल मंत्री अब्दुल लतीफ मंसूर ने बताया कि अफगानिस्तान घरेलू स्रोतों से लगभग 300 मेगावाट बिजली का उत्पादन करता है और उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, ईरान और तुर्कमेनिस्तान से सालाना 620 मेगावाट बिजली आयात करता है. सोलर पैनल और गैस से बिजली बनाने पर काम कर रहा है.

बलूचिस्तान में 2 आतंकी ढेर, 5 गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में पिछले तीन दिनों में दो अलग-अलग अभियानों में दो आतंकवादी मारे गए हैं और पांच अन्य को गिरफ्तार किया गया है. सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि शनिवार को प्रांत के पिशिन जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर अभियान चलाया. पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है. उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक जब्त किया गया है.

रूस में उ. कोरियाई सैनिकों की तैनाती

सोल। मॉस्को और प्योंगयांग के बीच सैन्य सहयोग गहरा होने की अटकलों के बीच सोल सैटेलाइट का इस्तेमाल करके उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रख रहा है. इस बीच दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने रूस में उत्तर कोरिया की सैन्य तैनाती के सबूत के तौर पर तीन तस्वीरें जारी कीं. तीन में से एक तस्वीर दक्षिण कोरिया के सैटेलाइन द्वारा ली गई है. यह जानकारी एक सरकारी सूत्र ने रविवार को दी. रिपोर्ट के अनुसार, तीन में से दो तस्वीरें ग्लोबल सैटेलाइट इमेजरी प्रोवाइडर एयरबस की हैं.

डोडा में महसूस किए गए भूकंप के झटके

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. पिछले 29 घंटों में यह दूसरी बार है, जब लोगों को झटके महसूस हुए हैं. रविवार सुबह 11 बजकर 21 मिनट पर भूकंप के झटकों से डोडा दहल गया. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 3.7 मापी गई है. भूकंप का केंद्र धरती के नीचे 5 किलोमीटर की गहराई में अक्षांश 33.00 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.94 डिग्री पूर्व में मिला है. भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं आई है.

दो गुटों के बीच फायरिंग, एक की मौत

नयी दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में दो गुटों में विवाद होने के बाद तकरीबन 10 राउंड फायरिंग हुई है. गोलीबारी की इस घटना में दीपक नाम के एक व्यक्ति की 4 गोली लगने से मौत हो गई. साथ ही नरेंद्र और एक अन्य घायल हो गया. पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार किया है. फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. एक स्थानीय ने बताया गगन नाम के एक लड़का से विवाद चल रहा था. समझौता को लेकर बात हुई थी. करीब 8-10 लोगों के हाथ में गन था. सभी लोग आए और फायरिंग करने लगे.

बुलडोजर कार्रवाई पर रोक की मांग

नयी दिल्ली। बहराइच हिंसा के बाद वहां प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है. याचिका के जरिए उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा दिए गए नोटिस को रद्द करने और बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई है. यहां नोटिस मिलने पर लोग खुद ही घर खाली कर सामान दूसरी जगह ले जा रहे हैं. अब लोगों को सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद है. वहीं, बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने 15 दिनों के लिए रोक लगा दी है.

आतंकियों के साथ सेना की मुठभेड़

नयी दिल्ली। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है. भारतीय सेना की ओर से रविवार को आधिकारिक तौर पर यह जानकारी दी गई. आर्मी ने एक्स पर एक पोस्ट में इसका ब्यौरा दिया है. आर्मी की चिनार कोर ने कहा है कि क्षेत्र में एक संयुक्त घुसपैठ विरोधी अभियान शुरू किया गया था. इसी दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई. इस बीच, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ जिले से दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है.

पलटवार : पीएम नेतन्याहू के घर पर हमले के बाद इजराइल की सेना ने मचाया कोहराम

गाजा

बेरूत

बेरूत व गाजा में आईडीएफ ने बरसाए बम

संयुक्त राष्ट्र ने कहा ग़ाज़ा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है. स्थिति किसी बुरे सपने जैसी है

लगातार न्यूज नेटवर्क

मध्य पूर्व संकट फिलहाल खत्म होता नजर नही आ रहा है. हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या के बाद इजराइल के सहयोगी अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से कहा जा रहा है कि इससे यहूदी राष्ट्र को युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने का मौका मिल सकता है. इससे युद्ध विराम का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, जिसमें बंधकों की रिहाई भी शामिल हो सकती है. लेकिन यह उम्मीद इजराइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास पर हिजबुल्लाह की तरफ से हुए हमले के प्रयास से धूमिल होती दिख रही है. प्रधानमंत्री नेतन्याहू के आवास पर हमले के जवाब में इजराइल की सेना ने बेरूत और गाजा में जमकर बम बरसाए हैं. इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की खबर है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं.

इससे पहले नेतन्याहू हिजबुल्लाह को चेतावनी दी थी कि उनकी और उनकी पत्नी की हत्या का कथित प्रयास एक 'गंभीर गलती' है. उन्होंने कहा था कि जो कोई भी इजराइल के नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा उसे भारी कीमत चुकानी होगी. उन्होंने हिजबुल्लाह को 'ईरान का प्रॉक्सी' बताया था और कहा था कि हत्या का प्रयास उन्हें या इज़राइल को देश के दुश्मनों के खिलाफ युद्ध जारी रखने से नहीं रोकेगा. इजराइल की तरफ से शनिवार को दावा किया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू के आवास पर हुए हमले के जवाब में बेरूत में ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह के ठिकानों पर सेना की तरफ से जवाबी कार्रवाई की गयी. हमास द्वारा गाजा में इजराइली हमले में उसके प्रमुख याह्या सिनवार के मारे जाने की पुष्टि के एक दिन बाद शनिवार को नेतन्याहू के आवास पर एक ड्रोन हमला किया गया.

इजराइली हमलों में उत्तरी ग़ाज़ा में कम से कम 87 लोगों की मौत

ग़ाज़ा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि उत्तरी गाज़ा के बेत लाहिया में हुए इजराइली हमलों में कम से कम 87 लोगों की मौत हुई है और 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं. अपने ताजा अपडेट में मंत्रालय ने कहा है कि कई लोग अभी भी मलबे के नीचे और सड़कों पर हैं, जहां पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पा रही है. हमास के अधिकारियों ने बीती रात कहा था कि इजराइली बमबारी में कम से कम 73 लोगों की मौत हुई है. इजराइल ने कहा था कि वह मारे जाने वालों की रिपोर्ट्स की जांच कर रहा पर उसे लगता है कि हमास के अधिकारी मौतों को बढ़ा कर बता रहे हैं. वहीं मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया के लिए संयुक्त राष्ट्र विशेष संयोजक टॉर वेन्सलैंड ने कहा है कि ग़ाज़ा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है. ग़ाज़ा में स्थिति किसी बुरे सपने जैसी है, ये युद्ध अब रुकना चाहिए. हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक़ पिछले साल सात अक्टूबर के बाद से अब तक ग़ाज़ा में इजराइली हमलों से 42,603 लोगों की मौत हुई है और 99,795 घायल हुए हैं.

हिज़्बुल्लाह के ख़ुफ़िया मुख्यालय को बनाया गया निशाना

इजराइली सेना ने कहा है कि उसने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज़्बुल्लाह के ख़ुफ़िया मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया है. इजराइल की सेना ने कहा है कि रविवार सुबह इसराइल की एयर फोर्स ने ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर हिज़्बुल्लाह के ख़ुफ़िया मुख्यालय के एक कमांड सेंटर और हथियार बनाने की एक भूमिगत जगह पर हमला किया है. नागरिकों को मारे जाने से बचाने के लिए सेना ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें स्थानीय निवासियों के लिए पहले चेतावनी जारी करना भी शामिल है. उसकी वायु सेना ने अल-हज अब्बास सलामा को मार दिया है, जिन्हें सेना ने हिज़्बुल्लाह के दक्षिणी मोर्चे का वरिष्ठ कमांडर बताया है. सेना ने रादा अब्बास अवादा और अहमद अली हुसैन को मारने की बात कही है. अवादा हिज़्बुल्लाह के वरिष्ठ संचार विशेषज्ञ थे और हुसैन हथियार निर्माण इकाई के प्रमुख थे .हिज़्बुल्लाह ने हमलों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

नेतन्याहू के घर पर हमले के लिए ईरान ज़िम्मेदार : इजराइल

इस बीच इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा है कि ईरान ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर हुए हमले में हाथ होने से इनकार किया है,

लेकिन इस हमले के लिए ईरान ही ज़िम्मेदार है. कहा कि दूतावास ने इसके पीछे हिज़्बुल्लाह का हाथ होने का दावा किया है. लेकिन हिज़्बुल्लाह तो केवल एक मोहरा है, जिसे ईरान ने बनाया, पैसे दिए, हथियार दिए, ट्रेनिंग दी और अपने काम करवाने के लिए उसका इस्तेमाल किया. अब ईरान उसे अचानक से एक स्वतंत्र इकाई बता रहा है. यह झूठ ईरान की मदद नहीं करेगा. हमले के लिए ईरान ही ज़िम्मेदार है.

लेबनान से भागा हिजबुल्लाह का डिप्टी लीडर इजराइल के 'दुश्मन मुल्क' में ली शरण : रिपोर्ट

हिजबुल्लाह के डिप्टी लीडर और संगठन के उप महासचिव नईम कासिम इस समय ईरान में है. करीब हफ्ते पहले वह एक ईरानी प्लेन से लेबनान से भागने में कामयाब रहा. द टाइम ऑफ इजराइल के मुताबिक यूएई बेस्ड एरेम न्यूज ने

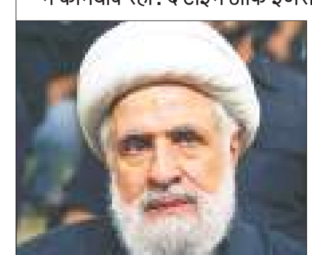

एक अज्ञात ईरानी सूत्र के हवाले से यह खुलासा किया. सूत्र का कहना है कि इजराइल द्वारा हत्या के डर से इस्लामिक गणराज्य के शीर्ष नेताओं ने उनके स्थानांतरण का आदेश दिया था. रिपोर्ट के मुताबिक कासिम कथित तौर पर 5 अक्टूबर को तेहरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची द्वारा लेबनान और सीरिया की राजकीय यात्रा के लिए इस्तेमाल किए गए विमान से बेरूत से रवाना हुआ. कासिम ने हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद से तीन भाषण दिए हैं. सूत्र का कहना है कि पहला भाषण बेरूत में रिकॉर्ड किया गया था, जबकि दूसरा और तीसरा भाषण तेहरान में दिया गया. 71 वर्षीय नईम कासिम को अक्सर हिजबुल्लाह में 'नंबर दो' के रूप में देखा जाता है. कासिम का शिया राजनीति से लंबा जुड़ाव रहा है. 1970 के दशक में, वह इमाम मूसा अल-सदर के आंदोलन में शामिल हुआ. यही आंदोलन बाद में लेबनान में एक शिया ग्रुप के 'अमल आंदोलन' का हिस्सा बना. बाद में कासिम ने 'अमल आंदोलन' से अलग हो गया. उसने 1980 के दशक की शुरुआत में हिजबुल्लाह की स्थापना में मदद की. वह ग्रुप के संस्थापक धार्मिक विद्वानों में से एक है. बता दें इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने पिछले 27 सितंबर को, हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह को मार गिराया था. वह 30 साल की उम्र में 1992 में हिजबुल्लाह का महासचिव बना था.

इजराइली स्ट्राइक में लेबनानी जल परियोजना नष्ट, 2000 परिवारों को पानी की सप्लाई रुकी

इजराइली एयर स्ट्राइक में दक्षिण-पूर्वी लेबनान के शहर शेबा के बाहरी इलाके में एक जल परियोजना नष्ट हो गई. शीबा नगर पालिका के सूत्रों ने बताया कि शनिवार को एक इजराइली युद्धक विमान ने 'अल-मघारा' जल परियोजना के मेन एग्जिट पर मिसाइल दागी. यह परियोजना दक्षिणी लेबनान के अल-अर्क़ूब, हसबाया और मरजेयून क्षेत्रों के दर्जनों गांवों और कस्बों को पीने का पानी उपलब्ध कराती है. सूत्रों ने बताया कि हमले के कारण परियोजना के मेन एग्जिट में विस्फोट हो गया, जिसके कारण गांवों को सप्लाई होने वाला पानी बाहर बहने लगा. इस बीच, दक्षिण लेबनान जल प्रतिष्ठान (एसएलडब्ल्यूई) ने शनिवार को कहा कि इजराइली गोलाबारी की वजह से प्रोजेक्ट को गंभीर नुकसान पहुंचा है. अल-अरकूब और हस्बाया की नगर पालिकाओं ने एक बयान जारी कर कहा कि हम सरकारी एजेंसियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और यूएनआईएफआईएल बलों से अपील करते हैं कि वे पेयजल परियोजना पर इजराइली हमले से हुए नुकसान की मरम्मत के लिए जल्द से जल्द कदम उठाएं, ताकि 2,000 से अधिक परिवारों को पानी मिल सके. इजराइली सेना ने अभी तक हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की.

सिनवार का सालभर पुराना फुटेज, सुरंग में परिवार संग दिखा

आईडीएफ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से मारे गए हमास चीफ याह्या सिनवार का फुटेज जारी किया है. इसमें वो परिवार समेत सुरंग से निकलता देखा जा सकता है. फुटेज 7 अक्टूबर 2023 का बताया जा रहा है जब इजराइल पर सरप्राइज अटैक किया गया था. इस क्लिप में सिनवार 7 अक्टूबर की शाम एक सुरंग से गुजरता हुआ देखा जा सकता है. कथित तौर पर वो इस दौरान यहीं छिपा रहा. 6 अक्टूबर की फुटेज में उसे परिवार और जरूरी सामान के साथ भागते हुए दिखाया गया है. आईडीएफ ने शनिवार शाम को जारी फुटेज में खान यूनिस में अपने घर के नीचे एक सुरंग परिसर से भागते हुए दिखाया गया है, जो 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हुए हमले की पहली रात का था. आईडीएफ के मुताबिक सिनवार का ये कायराना एक्ट था. यह फुटेज दक्षिणी गाजा

शहर राफा में सिनवार की मौत के बाद जारी किया गया. फुटेज में सिनवार, उसकी पत्नी और बच्चों को पानी, तकिए, गद्दे और एक टेलीविजन सेट ले जाते हुए दिखाया गया है. आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि सुरंग खान यूनिस में परिवार के घर के नीचे स्थित थी. यह फुटेज कई महीने पहले एक ऑपरेशन के दौरान गाजा से बरामद की गई थी.

इराकी समूह ने इजराइली ठिकानों पर दागे चार ड्रोन

इराक में शिया मिलिशिया समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस ने इजराइली ठिकानों पर चार ड्रोन हमलों को अंजाम देने की जिम्मेदारी ली है. समूह ने शनिवार को अलग-अलग ऑनलाइन बयानों में बताया कि सुबह दो स्थानों पर ड्रोन हमले किए गए, जिनमें से एक इजराइली कब्जे वाले गोलान हाइट्स पर हुआ. दक्षिणी बंदरगाह शहर ईलात और इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स पर महत्वपूर्ण स्थलों पर शाम को दो ड्रोन हमले किए गए. समूह ने कहा कि ये हमले फिलिस्तीन और लेबनान में हमारे लोगों के साथ एकजुटता में किए गए. साथ ही समूह ने दुश्मन के गढ़ों को निशाना बनाना जारी रखने का संकल्प भी लिया है.

राजस्थान : बस-ऑटो की टक्कर में आठ बच्चों सहित 12 लोगों की मौत

- राजस्थान के धौलपुर ज़िले के बाड़ी इलाक़े में नेशनल हाइवे 11-बी पर भीषण हादसा

एजेंसी। धौलपुर

राजस्थान के धौलपुर ज़िले के बाड़ी इलाक़े में नेशनल हाइवे 11-बी पर शनिवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में बारह लोगों की मौत हो गई है. मरने वालों में आठ बच्चे भी शामिल हैं. मृतकों के शव बाड़ी के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखे हुए हैं. दो घायलों का इलाज जारी है. बाड़ी के डिप्टी एसपी महेंद्र सिंह ने बीबीसी से फ़ोन पर कहा कि शनिवार देर रात क़रीब सवा ग्यारह बजे की घटना है. जयपुर जा रही बस और एक ऑटो में टक्कर हो गई. जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई है. डिप्टी एसपी महेंद्र सिंह ने बताया कि सभी मृतक बाड़ी के रहने वाले थे और सरमथुरा इलाक़े के बरौली गांव में एक शादी समारोह में शामिल होकर ऑटो से लौट रहे थे. उसी दौरान हादसा हुआ. उन्होंने कहा कि घायल बस ड्राइवर का धौलपुर ज़िला अस्पताल में इलाज जारी है. जबकि ऑटो सवार एक अन्य घायल बाड़ी अस्पताल में हैं.

मुज़फ़्फ़रनगर में तनाव, सैकड़ों पर केस दर्ज

एजेंसी। मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जिले के बुढ़ाना कस्बे में शनिवार रात फेसबुक पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद इलाके.में तनाव फैल गया था. इस मामले में अखिल त्यागी नाम के युवक की तरफ से सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद यहां मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए. लोगों की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की होने के बाद भीड़ बेकाबू हो गई. हंगामे को देखते हुए मौके.पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया और आला अधिकारी भी मौके. पर पहुंच गए. पुलिस ने अभियुक्त अखिल त्यागी को गिरफ्तार कर लिया. उग्र भीड़ ने त्यागी की दुकान और घर पर पथराव भी किया. इस मामले में जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के नगर अध्यक्ष आस मोहम्मद की तरफ से मुक़दमा दर्ज कराया गया है. अभियुक्त अखिल त्यागी को छोड़ दिए जाने की अफवाह के बाद मुज़फ़्फ़रनगर माहौल बिगड़ गया था. पुलिस अधिकारियों ने मोबाइल में अभियुक्त की हवालात वाली फ़ोटो दिखाकर भीड़ का गुस्सा शांत किया. पूरे मामले में कुल तीन मुक़दमे दर्ज किए गए हैं.

प्रधानमंत्री बोले आरजे शंकर नेत्र अस्पताल क्षेत्र के अनेकों लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा

पीएम मोदी ने वाराणसी को दी 6,100 करोड़ की सौगात

एजेंसी। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 6,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया. इनमें 90 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आरजे शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन भी शामिल है. पीएम ने वाराणसी में आरजे शंकर नेत्र अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा, ₹इस पावन महीने में काशी आना एक पुण्य अनुभूति का अवसर होता है. यहां अपने काशीवासी तो हैं ही, संतजनों और परोपकारियों का भी संग है. इससे सुखद संयोग और क्या हो सकता है. अभी मुझे परम पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन का, प्रसाद पाने का और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है.

पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा कि आरजे शंकर नेत्र अस्पताल वाराणसी और इस क्षेत्र के अनेकों लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा. ये अस्पताल बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी रोशनी देगा. यहां बहुत बड़ी संख्या में गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने वाला है. ये अस्पताल, यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है. उन्होंने कहा कि काशी की पहचान अनंतकाल से धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में रही है. अब काशी, यूपी के पूर्वांचल के बड़े आरोग्य केंद्र और हेल्थकेयर हब के रूप में भी विख्यात हो रहा है. काशी को प्राचीन काल से ही धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में जाना जाता रहा है. अब काशी यूपी के पूर्वांचल क्षेत्र का एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्र और चिकित्सा केंद्र भी बन रहा है. बीएचयू में ट्रॉमा सेंटर हो, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल हो या मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो, पिछले 10 वर्षों में काशी में स्वास्थ्य सेवा में बड़े सुधार हुए हैं.

90 करोड़ की लागत से निर्मित आरजे शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन भी किया प्रधानमंत्री मोदी ने

पीएम ने कांची मठ के शंकराचार्य से भी मुलाकात की

पीएम ने अस्पताल के उद्घाटन से पहले कांची मठ के शंकराचार्य से भी मुलाकात की. उन्होंने एक प्रदर्शनी का दौरा किया. इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 2,870 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन और अन्य कार्यों की आधारशिला भी रखने जा रहे हैं.

शादी के लिए कहा तो पूर्व प्रेमी ने नाबालिग लड़की को जिंदा जलाया

बडवेल (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के बडवेल में 16 वर्षीय लड़की को कथित तौर पर उसके पूर्व प्रेमी ने जलाकर मार डाला. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. आरोपी व्यक्ति ने कुछ महीने पहले नाबालिग से रिश्ता तोड़ लिया था और अन्य महिला से शादी कर ली थी. आरोपी जे विग्नेश ने कडप्पा जिले के बडवेल के बाहरी इलाके में नाबालिग के ऊपर कथित तौर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी. म्यदुकुरु के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि विग्नेश ने शनिवार सुबह करीब 10 बजे नाबालिग को आग लगा दी, जिसके बाद पीड़िता को कडप्पा स्थित आरआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन रविवार तड़के करीब तीन बजे उसकी मौत हो गई.

गांदरबल में आतंकी हमला, दो मजदूरों की गोली मारकर हत्या

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या, पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

एजेंसी। गांदरबल

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में एक निर्माण स्थल पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की है, जिसमें 2 मजदूरों की मौत हो गई है. एक पुलिस अधिकारी ने दो मजदूरों के मारे जाने की पुष्टि की. सूत्रों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. फिलहाल पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है. बता दें कि इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों ने मजदूरों को निशाया बनाया था. बीते

17 अप्रैल को अनंतनाग जिले आतंकी हमला हुआ था. इस हमले में बिहार के एक मजदूर की मौत हो गई थी. वहीं, आतंकवादियों ने बीते 9 जून को रियासी के शिव-खोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर हमला कर दिया था. आतंकियों ने पहले बस के ड्राइवर की हत्या की थी. इसके बाद बस खाई में जा गिरी. आतंकियों ने 20 मिनट तीर्थयात्रियों पर फायरिंग की थी, जिसमें 9 लोग मारे गए और 44 तीर्थयात्री घायल हो गए थे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)